THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 7 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.7 2082 शुक्रवार, 4 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जहरीली गैस बनने से 8 की मौत, रेस्क्यू जारी

खंडवा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले से एक बड़ी खबर आ रही है। कुएं में डूबने से 8 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें से 6 लोगों का शव बाहर निकाला जा चुका है। घटना गुरुवार शाम को छैगांवमाखन क्षेत्र के कोंडावत गांव की है। बताया जा रहा है कि गणगौर विसर्जन के लिए कुएं की सफाई हो रही थी। जिसके लिए 8 लोग कुएं में उतरे थे। जानकारी के अनुसार जिसे कुएं में मौत हुई है, उसके बगल से नाली निकली है। उसी के रास्ते गांव का गंदा पानी कुएं में जाता है, जिस वजह से कुआं दलदल बन गया है। इसी की सफाई के लिए 8 लोग नीचे उतरे थे। वहां मौजूद लोगों का कहना है कि जहरीली गैस बनने से इन लोगों का दम घुटने लगा।

भारत-थाईलैंड का सदियों पुराना संबंध : पीएम

बैंकॉक, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड के बीच सदियों पुराने संबंध हैं। ये संबंध हमारी गहरी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक डोर से जुड़े हैं। हमने भारत-थाईलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। पीएम मोदी ने बृहस्पतिवार को थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। जिसके बाद उन्होंने शिनावात्रा के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग पर जोर दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और इंडो-पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है।

डाक टिकट जारी करने के लिए थाई सरकार का आभारी हूं :

पीएम मोदी की यात्रा के दौरान थाई सरकार ने 18वीं सदी के 'रामायण' भित्ति चित्रों पर आधारित डाक टिकट जारी किए, जिसके लिए पीएम मोदी ने थाई सरकार का आभार व्यक्त

किया। उन्होंने कहा कि मेरी यात्रा के दौरान डाक टिकट जारी करने के लिए मैं थाई सरकार का आभारी हूं। इसके अलावा, पीएम मोदी ने 28 मार्च को थाईलैंड में आए भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा कि मैं भारत के लोगों की तरफ से भूकंप में हुई जनहानि के लिए गहरी संवेदना प्रकट करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर बैंकॉक पहुंचे। जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने रामकियेन (थाई रामायण) का मनमोहक प्रदर्शन देखा। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, एक ऐसा सांस्कृतिक जुड़ाव जो किसी और जैसा नहीं था! थाई रामायण, रामकियेन का एक आकर्षक प्रदर्शन देखा। यह वास्तव में समृद्ध अनुभव था, जिसने भारत और थाईलैंड के बीच साझा सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को खूबसूरती से प्रदर्शित किया। पीएम मोदी ने आगे कहा कि रामायण वास्तव में एशिया के कई हिस्सों में दिलों और परंपराओं को जोड़ती है।

शाम को, पीएम मोदी समुद्रीय सहयोग पर समझौते पर हस्ताक्षर की देखरेख के लिए बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) के नेताओं के साथ शामिल हुए, जिनमें थाईलैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार और भूटान के नेता शामिल हैं। थाईलैंड की यात्रा के बाद, पीएम मोदी श्रीलंका जाएंगे, जो नए राष्ट्रपति के चुनाव के बाद उनकी पहली यात्रा होगी।

जिस वक्फ पर विवाद नहीं, उस पर कानून प्रभावी नहीं : रिजिजू

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पेश किया। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगियों से वक्फ संशोधन विधेयक 2025 का समर्थन करने की अपील करता हूं। इस दौरान सरकार ने एक और बात स्पष्ट की। वह थी कि इस विधेयक के कानून बनने के बाद कैसे मामलों में दखल दिया जा सकता है।

सरकार ने साफ किया कि कानून पुराने मामलों पर लागू नहीं होगा। हालांकि, मंत्री ने कहा कि यह उसी स्थिति में है, जिन मामलों में कोई विवाद नहीं है। रिजिजू ने विधयेक के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि कानून लागू हो जाने के बाद जिन मामलों में कोई विवाद नहीं है, उनमें कोई दखल नहीं दिया जा सकता। >14

सुप्रीम कोर्ट के जज संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करेंगे

> जानकारी वेबसाइट पर अपलोड होगी, दिल्ली हाईकोर्ट जज के घर कैश मिलने के बाद फैसला लिया

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। ज्यूडिशियरी में ट्रांसपेरेंसी और जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने पदभार ग्रहण करने के दौरान ही अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने का फैसला किया है। 1 अप्रैल को हुई फुल कोर्ट मीटिंग में सभी 34 जजों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना की मौजूदगी में अपनी संपत्ति का खुलासा करने का फैसला लिया है।

जजों ने यह भी कहा कि संपत्तियों से जुड़ी डिटेल सुप्रीम कोर्ट की ऑफिशियल वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। हालांकि वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक होगी। सुप्रीम कोर्ट में जजों की निर्धारित संख्या 34 है। फिलहाल यहां 33 जज हैं, एक पद खाली है। इनमें से 30 जजों ने अपनी संपत्ति का घोषणा-पत्र कोर्ट में दे दिया है। हालांकि इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है। यह फैसला दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से कैश मिलने के विवाद के बाद लिया गया है। जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले में 14 मार्च को आग लगी थी। फायर सर्विस टीम को वहां अधजले नोट मिले थे।

सुप्रीम कोर्ट के जजों की संपत्ति की घोषणा से जुड़े बड़े घटनाक्रम

> 1997 का प्रस्ताव : 1997 में, तत्कालीन सीजेआई जे एस वर्मा ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें जजों से अपेक्षा की गई कि वे अपनी संपत्ति की घोषणा चीफ जस्टिस को करें। हालांकि यह घोषणा सार्वजनिक नहीं की जानी थी।

> 2009 का न्यायाधीश संपत्ति विधेयक : 2009 में, "न्यायाधीश संपत्ति और देनदारियों की घोषणा विधेयक" संसद में प्रस्तुत किया गया। इसमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों को अपनी संपत्ति की घोषणा करने कहा गया था। हालांकि इसमें यह प्रावधान था कि घोषणाएं सार्वजनिक नहीं की जाएंगी। >14

जयशंकर ने 'समंदर के सिकंदर' यूनुस को दिया मुंहतोड़ जवाब

बैंकॉक, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र पर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के विवादास्पद बयान पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने करारा जवाब दिया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि भारत की बंगाल की खाड़ी से लगी हुई लगभग 6,500 किलोमीटर की सबसे लंबी तटरेखा है। थाईलैंड में छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में बोलते हुए जयशंकर ने क्षेत्रीय संपर्क में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस दौरान उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि सहयोग सिर्फ लाभ उठाने के लिए नहीं किया जाता है। बिम्सटेक के सदस्य देशों में भारत, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार, थाईलैंड, नेपाल और श्रीलंका शामिल हैं। मोहम्मद यूनुस वर्तमान में बांग्लादेश-पाकिस्तान संबंधों को मजबूत करने में जुटे हैं। जयशंकर ने कहा, आखिरकार, हमारे पास बंगाल की खाड़ी में सबसे लंबी तटरेखा है, जो लगभग 6,500 किलोमीटर है। भारत न केवल पांच बिम्सटेक सदस्यों के साथ सीमा साझा करता है, बल्कि उनमें से अधिकांश को जोड़ता है, बल्कि भारतीय उपमहाद्वीप और आसियान के बीच बहुत अधिक इंटरफेस भी प्रदान करता है। हमारा पूर्वोत्तर क्षेत्र विशेष रूप से बिम्सटेक के लिए एक कनेक्टिविटी हब के रूप में उभर रहा है, जिसमें सड़कों, रेलवे, जलमार्गों, ग्रिड और पाइपलाइनों का असंख्य नेटवर्क है। जयशंकर के इस बयान में भारत के पूर्वोत्तर के खास तौर पर जिक्र किए जाने को मोहम्मद यूनुस के लिए एक जवाब के रूप में देखा जा रहा है। >14

टैरिफ के असर को समझना अभी मुश्किल : शशि थरूर

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के 26 प्रतिशत टैरिफ को लेकर पूरी दुनिया में खलबली मची है। शेयर बाजार में उतार चढ़ाव का दौर जारी है।

इस टैरिफ को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि अभी बहुत सारे हिसाब-किताब बाकी हैं, इसलिए भारत के नुकसान को लेकर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। अमेरिका ने 2 अप्रैल 2025 को भारत से आयात पर 26 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की घोषणा की, जिससे भारतीय निर्यात पर असर पड़ सकता है।

चीन ने 4 हजार वर्ग किमी जमीन कब्जाई : राहुल

> विदेश सचिव गलवान के जवानों की शहादत पर केक काट रहे > पीएम चिट्ठियां लिख रहे

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को भारत-चीन के राजनयिक संबंधों की 75वीं सालगिरह के जश्न को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा- चीन हमारे 4 हजार वर्ग किमी इलाके पर कब्जा करके बैठा है, लेकिन मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि हमारे विदेश सचिव (विक्रम मिस्री) चीनी राजदूत के साथ केक काट रहे थे।

लोकसभा में शून्यकाल के दौरान राहुल ने कहा, हम सामान्य स्थिति के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उससे पहले हमें अपनी जमीन वापस मिलनी चाहिए। मुझे पता चला कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने चीनी राजदूत को चिट्ठी लिखी है और यह भी हमें दूसरों से पता चल रहा है। चीनी राजदूत भारत के लोगों को बता रहे हैं कि उन्हें चिट्ठी लिखी गई। मोदी सरकार की

विदेश नीति पर राहुल गांधी ने कहा- एक तरफ आपने चीन को हमारी जमीन दे दी और दूसरी तरफ अमेरिका ने हम पर टैरिफ (जैसे को तैसा टैक्स) लगा दिया। इससे देश की ऑटो, फार्मास्यूटिक्ल और एग्रीकल्चर इंडस्ट्री तो पूरी तरह से तबाह हो जाएगी। राहुल ने कहा- एक बार किसी ने इंदिरा जी से पूछा कि विदेश नीति के मामले में आप बाएं झुकती हैं या दाएं। इस पर उन्होंने जवाब दिया की मैं बाएं या दाएं नहीं झुकती। मैं भारतीय हूं और सीधी खड़ी हूं।

भाजपा और आरएसएस की फिलॉस्फी अलग है। जब उनसे पूछा जाता है तो वे कहते हैं नहीं, नहीं, हम हर विदेशी के सामने अपना सिर झुकाते हैं। यह उनके इतिहास में है, हम जानते हैं। सरकार को जवाब देना चाहिए कि वह अमेरिकी टैरिफ पर क्या कर रही है। बीते दिन अमेरिका ने भारत पर 26 प्रतिशत जैसे को तैसा टैक्स लगाने की घोषणा की है। अमेरिका ने कहा गया है कि भारत अमेरिकी सामानों पर बहुत ज्यादा इम्पोर्ट ड्यूटी (आयात शुल्क) लगाती है।

रेलवे स्टेशन पर उतरकर भाई के साथ घर जा रही थी महिला

दो आरोपियों ने मारपीट कर किया दुष्कर्म

बेंगलुरु, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आ रही है, यहां एक युवती ट्रेन से उतर कर अपने रिश्तेदार के घर जा रही थी, तभी हैवान के रूप में दो आरोपियों ने उसके साथ भाई से मारपीट की और उसे एक सुनसान इलाके में खींच लिया और उससे दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही मामले के तफ्तीश में जुट गई है। युवती के साथ रेप की घटना में पुलिस ने दोनों आरोपियों आसिफ और उसके एक सहयोगी सईद को अरेस्ट कर लिया है। घटना केआर।पुरम रेलवे स्टेशन के पास महादेवपुरा में बीती रात करीब 1.30 बजे घटी। महिला बिहार की रहने वाली है, वह स्टेशन पर उतरने के बाद अपने भाई के साथ एक रिश्तेदार के घर जा रही थी, अचानक दो लोग वहां आए और उनमें से एक आरोपी ने महिला को को खींच लिया और दूसरे ने उसके भाई के साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया कि एक सुनसान इलाके में खींच कर ले जाने के बाद युवती के साथ रेप किया गया। पीड़िता की चीख सुनकर वहां मौजूद स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े और मौके से ही एक आरोपी आसिफ को लोगों ने ही पकड़कर पुलिस को दिया जबकि दूसरे को कुछ ही घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि पीड़िता अपनी बहन और बहनोई के साथ केरल में काम कर रही थी, उसने हाल ही में नौकरी छोड़ दी थी और एर्नाकुलम से बेंगलुरु आ रही थी। शहर पहुंचने के बाद उसने अपने चचेरे भाई को इसकी जानकारी दी, जिसने उसे के आर पुरम रेलवे स्टेशन पर उतरने को कहा। इसके बाद वहां उसका भाई उससे मिला और दोनों भोजन की तलाश में महादेवपुरा की ओर गए,

पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती: ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका

25000 भर्ती रद्द करने का कलकत्ता हाई कोर्ट का फैसला बरकरार

कोलकाता, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी सरकार को बड़ा झटका दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी स्कूलों में 25,000 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती रद्द करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा और कहा कि पूरी प्रक्रिया दूषित है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि व्यापक अनियमितताओं के कारण पूरी चयन प्रक्रिया को दोषपूर्ण घोषित करना सही है। हालांकि, एससी ने स्पष्ट किया कि पहले भर्ती किए गए लोगों को अपनी नौकरी के दौरान प्राप्त वेतन वापस करने की आवश्यकता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नई चयन प्रक्रिया को 3 महीने के भीतर शुरू करके पूरा करना होगा। नई चयन प्रक्रिया में मौजूदा प्रक्रिया के बेदाग उम्मीदवारों के लिए छूट भी हो सकती है।

4 अप्रैल को भी होगी अलग सुनवाई

कोर्ट 4 अप्रैल को सीबीआई जांच के लिए हाईकोर्ट के निर्देश के खिलाफ पश्चिम बंगाल राज्य द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका पर भी अलग से सुनवाई करेगा। राज्य सरकार ने 25,753 शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों की नौकरी रद्द करने के आदेश को भी चुनौती दी है। पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका के अलावा 123 अन्य याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की थी। गतवर्ष 7 मई को सुप्रीम कोर्ट ने नौकरी रद्द करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को जांच जारी रखने के लिए कहा था। सर्वोच्च अदालत ने यह भी कहा था कि इनमें से जितने लोगों की भर्ती भ्रष्टाचार के जरिए हुई है, उनको ही नौकरी से बाहर करना बेहतर होगा। राज्य सरकार ने दावा किया था कि 7-8 हज़ार लोगों ने गलत तरीके से नौकरी पाई है। हालांकि कोर्ट का मानना था कि इस बारे में संतोषजनक आंकड़ा रखा नहीं गया। सीजेआई संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि राज्य सरकार को इस नियुक्ति से जुड़ा डिजिटल रिकॉर्ड बनाए रखना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि यह व्यवस्थागत तरीके से गड़बड़ी हुई है। सरकारी नौकरियां बहुत कम हैं। लोग उन्हें हासिल करने के लिए गंभीरता से प्रयास करते हैं। अगर जनता का विश्वास चला गया तो कुछ नही बचेगा।

11 साल पुराने हत्याकांड में नया मोड़! दिल्ली हाईकोर्ट ने डीएनए टेस्ट के दिए आदेश

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 11 साल पुराने हत्या मामले में आरोपी के डीएनए टेस्ट की अनुमति दी है ताकि सच सामने आ सके। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने आदेश दिया कि पीड़ित और आरोपी के खून से सनी शर्ट्स को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाए। यह फैसला पीड़ित के पिता की याचिका पर सुनवाई के बाद आया। मामला मई 2013 का है, जब पीड़ित के पिता ने आरोपी पर हत्या का आरोप लगाया था। ट्रायल कोर्ट में डीएनए टेस्ट की मांग खारिज होने पर पीड़ित पक्ष ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने कहा कि न्याय के लिए सच्चाई सामने आनी चाहिए, चाहे मामला कितना भी पुराना हो। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि डीएनए टेस्ट का परिणाम आरोपी के पक्ष या विपक्ष, किसी के भी पक्ष में जा सकता है।

यह मानने का कोई कारण नहीं कि परीक्षण केवल शिकायतकर्ता के पक्ष में ही होगा। अगर वैज्ञानिक सबूत मिलते हैं, तो उन्हें केवल देरी के आधार पर खारिज नहीं किया जाना चाहिए। हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि 15 दिनों के भीतर मौजूदा सबूत (कपड़े और आरोपी का ब्लड सैंपल) फॉरेंसिक लैब भेजे जाएं और 2 महीने के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। हालांकि, अदालत ने स्वीकार किया कि 2013 में जब्त किए गए कपड़ों से डीएनए टेस्ट में सकारात्मक परिणाम न भी मिल सकते हैं, लेकिन वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

कोर्ट ने टिप्पणी की कि साक्ष्य अधिनियम और दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) एक सदी पहले बने थे, जब वैज्ञानिक तकनीकें उपलब्ध नहीं थीं। अब जब आधुनिक तकनीकें हैं, तो पुरानी प्रक्रियाओं पर अड़े रहना उचित नहीं। संविधान के आर्टिकल 51 ए (एच) और (जे) का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह वैज्ञानिक सोच अपनाए। आरोपी ने हाईकोर्ट में डीएनए टेस्ट की मांग का विरोध किया।

महाराष्ट्र में भूकंप के झटके, हिल गई धरती 2.6 थी तीव्रता?

सोलापुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सोलापुर में गुरुवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने जानकारी दी है कि 3 अप्रैल की सुबह 11 बजकर 22 मिनट पर सोलापुर में धरती हिली थी। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.6 रही। यानी, गनीमत रही कि ये झटके हल्के थे। भूकंप का केंद्र जमीन से पांच किलोमीटर नीचे था। इससे पहले मंगलवार (1 अप्रैल) को भारत के पूर्वी हिस्सों कोलकाता और इंफाल में भूकंप महसूस किया गया था। वहीं, 28 मार्च को नेपाल में आए भूकंप के झटके भारत के बिहार, सिलीगुड़ी और आसपास के अन्य इलाकों में महसूस किए गए थे। 2 अप्रैल को सिक्किम के नामची में और इससे पहले एक अप्रैल को लेह लद्दाख में भूकंप के झटके पता चले थे।

'तेज स्पीड में गाड़ी चलाने का मतलब लापरवाही नहीं है ' दो लोगों की मौत मामले में आरोपी को एचसी से राहत

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि केवल 'तेज गति' से वाहन चलाने का मतलब यह नहीं है कि चालक ने लापरवाही और रैश (उतावलेपन) तरीके से गाड़ी चलाई। यह टिप्पणी करते हुए जस्टिस सौरभ बनर्जी की बेंच ने एक व्यक्ति को बरी कर दिया। व्यक्ति पर तेज रफ्तार से कार चलाने और दो पैदल यात्रियों को टक्कर मारने का आरोप था। इस हादसे में दोनों यात्रियों की मौत हो गई थी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने क्या कहा?

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि सिर्फ इस आधार पर कि आरोपी तेज गति से गाड़ी चला रहा था, यह साबित नहीं होता कि उसने लापरवाही बरती। कोर्ट ने कहा यह मान भी लिया जाए कि याचिकाकर्ता तेज गति से गाड़ी चला रहा था, तो भी केवल इसी आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि वह लापरवाही और रैश तरीके से वाहन चला रहा था।

क्या था पूरा मामला ?

आरोप था कि आरोपी ने तेज रफ्तार से कार चलाते हुए दो पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। निचली अदालत ने उसे आईपीसी की धारा 279 (लापरवाही से वाहन चलाना) और धारा 304ए (लापरवाही से किसी की मौत का कारण बनना) के तहत दोषी ठहराया था और दो साल की सजा सुनाई थी।

निचली अदालत के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई। सुनवाई के बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि मामले में कोई ठोस सबूत नहीं था कि आरोपी ने जानबूझकर या लापरवाही से गाड़ी चलाई। अदालत ने कहा अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि आरोपी वास्तव में लापरवाही से गाड़ी चला रहा था।

न ही किसी गवाह ने स्पष्ट किया कि 'तेज गति' से आशय क्या है या कार कितनी तेज चल रही थी? दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि तेज गति से वाहन चलाना अपने आप में अपराध नहीं है, जब तक कि यह साबित न हो कि चालक ने जानबूझकर या लापरवाही से नियमों की अवहेलना की।

'मंत्री जी, प्रश्नकाल में शेरो शायरी नहीं होती' लोकसभा स्पीकर ने खट्टर से कहा

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से कहा कि उन्हें सदन में प्रश्नकाल के दौरान शेरो शायरी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान खट्टर को उस वक्त टोका जब ऊर्जा मंत्री ने एक पूरक प्रश्न का उत्तर देने के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए एक शायरी पढ़ी। वह कांग्रेस के लोकसभा के सदस्य हरीश मीणा के पूरक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। इस पर बिरला ने कहा, ''मंत्री जी, प्रश्नकाल में शेरो शायरी नहीं होती।''वहीं, कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने मध्य प्रदेश के जबलपुर में कैथोलिक पादरियों पर कथित हमले के विरोध में गुरुवार को लोकसभा में नारेबाजी की तथा सदन से बहिर्गमन किया। सदन की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद विपक्षी सदस्यों ने इस मुद्दे को उठाने की कोशिश की और कुछ सदस्य नारे लगाते हुए आसन के निकट पहुंच गए। उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस मुद्दे को उठाने की अनुमति नहीं दी और प्रश्नकाल काल शुरू कराया। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया। कांग्रेस सदस्यों ने इस विषय को लेकर संसद परिसर में भी नारेबाजी की। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने दावा किया कि विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने मंगलवार को दो ईसाई पादरियों पर हमला किया। उन्होंने कहा, ''अल्पसंख्यकों पर जिस तरह से हमला किया जा रहा है,

रीलबाज ने एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने के बहाने बुलाया

फिर रेप कर लड़की को दी जान से मारने की धमकी

मुंबई, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र से एक परेशान कर देने वाली खबर सामने आ रही है, यहां एक रीलबाज ने एक लकड़ी को अपने झांसे में लिया और उसे बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। हालांकि लड़की की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच भी शुरू कर दी है। मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में रीलबाज सुरेंद्र पाटिल और उनके ड्राइवर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामला नासिक के डोंबिवली का है, यहां एक 19 वर्षीय लड़की ने मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में डोंबिवली के पास ठाकुर्ली के रीलबाज सुरेंद्र पाटिल के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत आरोपी पाटिल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

अपनी शिकायत में पीड़िता ने कहा है कि घटना 16 फरवरी से 29 मार्च के बीच डोंबिवली पूर्व के दावडी इलाके में हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया है और सहायक पुलिस निरीक्षक स्वाति जगताप मामले की जांच कर रही हैं। इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा कि संबंधित को जल्द ही हिरासत में ले लिया जाएगा। मामले को लेकर एसीपी सुहास हेमाडे ने जानकारी देते हुए कहा कि मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में सीनियर अधिकारी की कुर्सी पर बैठकर रील बनाना, लाइसेंसी बन्दूक का दुरुपयोग करना, अपनी रील में बड़ी मात्रा में पैसा दिखाना आदि मामलों में सुरेंद्र पाटिल पर पहले से ही कोलसेवाड़ी, महात्मा फुले, मानपाडा पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज किए गए हैं।

अब पहले सभी फाइलों की जांच करेंगे शिंदे

बाद में मंजूरी के लिए सीएम फडणवीस के पास जाएगी

मुंबई, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने एक नया आदेश जारी किया है, जिसके तहत अब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सभी फाइलों की पहले जांच करेंगे। बाद में, उन फाइलों को मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास भेजा जाएगा। यह आदेश राज्य की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक ने 18 मार्च को जारी किया। इस कदम का मकसद 2023 की उस व्यवस्था को फिर से लागू करना है, जिसमें फाइलों की जांच पहले तत्कालीन उपमुख्यमंत्री-अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस करते थे। बाद में उन फाइलों को तत्कालीन सीएम एकनाथ शिंदे के पास भेजा जाता था। आदेश के अनुसार, '26 जुलाई, 2023 से फाइलें उपमुख्यमंत्री अजित पवार से लेकर तत्कालीन उपमुख्यमंत्री फडणवीस के पास भेजी जाती थीं। यह व्यवस्था तब बनी जब उस समय विधानसभा में विपक्ष के नेता पवार 2 जुलाई 2023 को एनसीपी के कुछ विधायकों के साथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हो गए।'

फडणवीस के सीएम बनने के बाद बदली थी व्यवस्था

पिछले साल राज्य में विधानसभा हुए। राज्य चुनावों में महायुति- जिसमें भाजपा, शिंदे की शिवसेना और पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल हैं की जीत हुई और देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बने। फडणवीस के सीएम बनने के बाद व्यवस्था बदल गई।

नए आदेश के अनुसार यह रहेगी व्यवस्था

नए आदेश के अनुसार, अब सभी फाइलें उपमुख्यमंत्री अजित पवार से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास भेजी जाएंगी। शिंदे की मंजूरी के बाद फाइलें सीएम देवेंद्र फडणवीस के पास भेजी जाएंगी। अजित पवार के पास वित्त विभाग और शिंदे के पास आवास और शहरी विकास विभाग का जिम्मा है।

सीएम को संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति पर अपना फैसला लेना पड़ा था वापस

बता दें कि महायुति 2.0 के सत्ता में आने के बाद से, उपमुख्यमंत्री शिंदे और सीएम देवेंद्र फडणवीस के बीच 'शीत युद्ध' की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, दोनों ही नेताओं ने इन अटकलों का जोरदार खंडन किया है। कुछ जिलों के संरक्षक मंत्री पदों को लेकर मतभेद रहे हैं। शिंदे की आपत्ति के बाद फडणवीस को नासिक और रायगढ़ जिलों के संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति पर अपना फैसला वापस लेना पड़ा।

छिंदवाड़ा में विकास या फिर होगा वादा? जिला योजना समिति की बैठक आज, मंत्री राकेश रहेंगे मौजूद

छिंदवाड़ा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा जिले में विकास के नाम पर बैठकों की घोषणाएं तो कई बार होती हैं, लेकिन इसका नतीजा कुछ नहीं निकलता। अब एक बार फिर शुक्रवार 4 अप्रैल को जिला योजना समिति की बैठक आयोजित करने का दावा किया गया है। बैठक में शामिल होने के लिए लोक निर्माण विभाग मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह आज गुरुवार को छिंदवाड़ा आ रहे हैं। वहीं, जिला प्रशासन ने इस महत्वपूर्ण बैठक को लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। दिलचस्प बात यह है कि पिछले पांच साल से यह बैठक सिर्फ कागजों पर ही होती आई है। चार महीने पहले भी बैठक का एलान किया गया था, लेकिन आखिरी समय में इसे स्थगित कर दिया गया। ऐसे अब देखने वाली बात होगी कि क्या बैठक में जिले के विकास के लिए कोई ठोस फैसला लिया जाएगा या फिर राजनीति की रस्साकशी फिर दिखाई देगी।

बच्चे टूटी थालियों में खा रहे खाना

शहर और गांवों में चल रहे 2,249 आंगनवाड़ी केंद्रों की हालत किसी से छिपी नहीं है। बच्चे 10 साल पुरानी थालियों में खाना खा रहे हैं। कई आंगनवाड़ी केंद्र या तो जर्जर हो चुके हैं या किराए के भवनों में किसी तरह संचालित हो रहे हैं। जल जीवन मिशन के तहत यहां पानी पहुंचाने की योजना बनाई गई थी, लेकिन कई जगह सिर्फ खाली स्ट्रक्चर खड़े कर ठेकेदारों को भुगतान कर दिया गया। जिलेवासियों को उम्मीद है कि इस बार खनिज मद की राशि से आंगनवाड़ियों को सही सुविधाएं मिलेंगी।

मुंबई में लॉरेंस गैंग के 5 सदस्य गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने 7 पिस्तौल और 21 जिंदा कारतूस जब्त किए, निशाने पर कोई सेलिब्रिटी था

मुंबई, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई क्राइम ब्रांच ने अंधेरी इलाके से लॉरेंस गैंग के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 7 पिस्तौल और 21 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। पुलिस ने बुधवार, 2 अप्रैल को यह जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें संदेह है कि गैंग के निशाने पर कोई सेलिब्रिटी था। क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने लॉरेंस गैंग के सदस्यों को शनिवार को हिरासत में लिया। उनके हथियार ले जाने के पीछे के मकसद की जांच की जा रही है। गिरफ्तार लोगों की पहचान विकास ठाकुर उर्फ विक्की, सुमित कुमार दिलावर, श्रेयस यादव, देवेंद्र सक्सेना और विवेक गुप्ता के रूप में की गई है। ये सभी राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। सुमित कुमार और विकास हिस्ट्रीशीटर हैं। दरअसल, लॉरेंस गैंग की तरफ से सलमान खान को लगातार धमकियां मिल रही हैं। ऐसे में गैंग के 5 सदस्यों की गिरफ्तारी और उनके पास से हथियार बरामद होने के बाद इसे सलमान खान की सुरक्षा के लिए बड़े खतरे के रूप में भी देखा जा रहा है।

सलमान बोले- भगवान-अल्लाह ने जितनी उम्र लिखी होगी, उतनी जरूर जिएंगे

इससे पहले 26 मार्च को लॉरेंस गैंग से लगातार मिल रही धमकियों पर सलमान खान ने पहली बार चुप्पी तोड़ी। मुंबई में फिल्म 'सिकंदर' की प्रेस मीट में कहा कि भगवान-अल्लाह ने जितनी उम्र लिखी होगी, उतनी जरूर जिएंगे। सिक्योरिटी बढ़ाई जाने पर सलमान ने कहा, 'कभी-कभी इतने लोगों को साथ लेकर चलने से दिक्कत हो जाती है।' सलमान ने अपने पेट डॉग का किस्सा भी सुनाया। उन्होंने कहा, 'बहुत समय पहले हमारे पास एक कुत्ता था माइसन, वह बहुत स्वीट था। एक बार चोर आया और माइसन को प्यार करके अपने साथ लेकर चला गया।'

सलमान को वाई+ कैटेगरी की सुरक्षा, हर समय 11 जवान साथ रहते हैं

2023 में लॉरेंस गैंग से धमकी मिलने के बाद ही सलमान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। उन्हें महाराष्ट्र सरकार की तरफ से वाई+ कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। 11 जवान हर समय साथ रहते हैं, इसमें एक या दो कमांडो और 2 पीएसओ भी शामिल होते हैं। सलमान की गाड़ी के आगे और पीछे एस्कॉर्ट करने के लिए दो गाड़ियां हमेशा रहती हैं। इसके साथ-साथ सलमान की गाड़ी भी पूरी तरह बुलेटप्रूफ है। 8 महीने पहले 14 अप्रैल को सुबह करीब 5 बजे सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में 7.6 बोर की बंदूक से 4 राउंड फायरिंग हुई थी। इसके बाद जनवरी में उनके अपार्टमेंट की बालकनी बुलेटप्रूफ कर दी गई है।

हिसार एयरपोर्ट की सुरक्षा में सुराख: परिसर में घूम रहे वन्य जीव, चहारदीवारी भी अधूरी; 14 को पहुंचेंगे पीएम मोदी

हिसार, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट पहुंचेंगे। उनके दौरे में महज 11 दिन शेष हैं, लेकिन एयरपोर्ट परिसर में वन्य जीव घूम रहे हैं जो कभी भी हादसे का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए बनाई गई चहारदीवारी भी अधूरी पड़ी है। उधर, उड़ान सेवा के लिए अभी तक न तो फ्लाइट का शेड्यूल तैयार किया गया है और न ही किराया फाइनल किया जा सका है। बता दें कि 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एयरपोर्ट से उड़ान सेवा शुरू करने के साथ ही नए टर्मिनल का शिलान्यास भी करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री यहां एक रैली को भी संबोधित करेंगे। 7200 एकड़ में फैले एयरपोर्ट परिसर से वन्य जीवों को पकड़ने के लिए वन्य जीव प्राणी विभाग की जिम्मदारी लगाई गई थी। मगर विभाग सिर्फ 2 से 3 नीलगाय ही पकड़ सका और फिर उसने अपने हाथ खड़े कर दिए। अधिकारी बोले, इतने बड़े एरिया से वह वन्य जीव नहीं पकड़ सकते। इस कार्य के लिए जिन संसाधनों की जरूरत होती है, वे संसाधन उनके पास नहीं हैं। यह कार्य किसी निजी एजेंसी से करवाया जाए। अगर उन्हें बजट उपलब्ध करवा दिया जाता है तो वह एयरपोर्ट परिसर से जंगली जानवरों को बाहर निकलवा देंगे। विभाग ने इस कार्य के लिए करीब 6 लाख रुपये बजट की मांग की है। विभाग की मानें तो इस कार्य पर प्रतिदिन 50 से 60 हजार रुपये खर्च होंगे। विभाग के मुताबिक वह इस कार्य के लिए बावरिया समाज की मदद भी ले सकते हैं। विभाग के अनुसार एयरपोर्ट परिसर में नील गाय, जंगली सूअर, गीदड़ व कुत्ते मौजूद हैं। ये वन्य जीव न सिर्फ उड़ान सेवा में बाधा के साथ हादसे का कारण बन सकते हैं।

एयरपोर्ट की चहारदीवारी के नीचे से एयरपोर्ट में घुस रहे वन्य जीव

उधर एयरपोर्ट की सुरक्षा को लेकर बनाई गई चहारदीवारी भी इन वन्य जीवों को एयरपोर्ट परिसर में घुसने से नहीं रोक पा रही है। ये वन्य जीव चहारदीवारी के नीचे मिट्टी खोदकर आसानी से परिसर में घुस रहे हैं। जब एयरपोर्ट अथॉरिटी को इस खामी का पता चला तो उसने तुरंत इस पर संज्ञान लिया। अब चहारदीवारी के नीचे ईंट लगाकर उस जगह को भरा जा रहा है ताकि वन्य जीव यहां से एयरपोर्ट परिसर में न घुस सकें। चूंकि यह चहारदीवारी करीब 14 किलोमीटर लंबी है तो ऐसे में इस कार्य को पूरा करने में कम से कम दो से तीन माह का समय लगेगा।

न तो किराया तय हुआ न ही फ्लाइट शेड्यूल

एयरपोर्ट से उड़ान को लेकर अभी तक न तो किराया तय हुआ है और न ही फ्लाइट शेड्यूल फाइनल हुआ है। ऐसे में अभी तक असमंजस की स्थिति बनी हुई है कि फ्लाइट की बुकिंग कैसे होगी और कितना किराया होगा। हालांकि प्रदेश सरकार की तरफ से प्रस्ताव तैयार किया गया है कि यहां से शुरू होने वाली उड़ान सेवाएं वीजीएफ (वायबल गैप फंडिंग) आधारित होंगी, जिससे यात्रियों को ज्यादा किराया नहीं देना पड़ेगा। फिलहाल हिसार से पहले चरण में अयोध्या, जम्मू, जयपुर, दिल्ली, अहमदाबाद व चंडीगढ़ के लिए हवाई सेवाएं शुरू की जाएंगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 4 अप्रैल, 2025 3

सुविचार
सरलता में महान सौन्दर्य होता है जो सरल है, वह सत्य के समीप है

कई हिस्सों में आंधी-तूफान

शहर के तापमान में गिरावट

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार दोपहर हैदराबाद के कई इलाकों में आंधी-तूफान और तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद और अन्य मौसम पूर्वानुमानकर्ताओं ने सप्ताह के बाकी दिनों में बारिश की भविष्यवाणी की थी और हैदराबाद और उसके आसपास के जिलों में गरज के साथ बारिश की उम्मीद थी।

हैदराबाद और सिकंदराबाद के जिन इलाकों में गुरुवार को बारिश हुई उनमें बंजारा हिल्स, पुंजागुट्टा, जुबली हिल्स, मासाब टैंक, बेगमपेट, पैराडाइज, त्रिमुलघेरी, कारखाना, अलवाल, सैनिकपुरी, ईसीआईएल क्रॉस रोड, कपरा, तारनाका और हब्सिगुडा शामिल हैं। नारायणगुडा, हिमायतनगर और खैरताबाद के कई हिस्सों में भी गर्मियों में गरज के साथ बारिश होने की सूचना है।

इस बीच, भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने कहा है कि आज से रविवार तक तेलंगाना राज्य के सभी जिलों में बारिश होगी। दिन और रात का तापमान, जो पिछले कुछ समय से सामान्य से ऊपर चल रहा था, उसमें भी गिरावट आने वाली है। आईएमडी-हैदराबाद ने तेलंगाना राज्य के सभी जिलों में आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। आईएमडी-हैदराबाद ने अपने नवीनतम पूर्वानुमान में कहा कि आज अधिकतम तापमान में थोड़ी गिरावट आने की संभावना है, कल से अगले 4 दिनों के दौरान धीरे-धीरे 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी। गुरुवार के लिए, आईएमडी-हैदराबाद ने तेलंगाना राज्य में कुछ स्थानों पर 40 से 50 किमी प्रति घंटे और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की तेज हवाओं के साथ पीली (मध्यम) आंधी की चेतावनी जारी की है। जिन जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है उनमें आदिलाबाद, आसिफाबाद, निर्मल, निज़ामाबाद, मेदक, कामारेड्डी, जगतियाल, राजन्ना सिरसिल्ला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, महबूबनगर, नगरकर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल शामिल हैं।

शुक्रवार के लिए, आईएमडी-हैदराबाद ने तेलंगाना के आदिलाबाद, आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, मेदक, कामारेड्डी जिलों में बिजली, तेज़ हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) और ओलावृष्टि के साथ गरज के साथ बारिश का ऑरेंज (हाई) अलर्ट जारी किया है। उसी दिन, तेलंगाना के विकाराबाद, संगारेड्डी, महबूबनगर जगतियाल, राजन्ना सिरसिल्ला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मलकाजीगिरी, नागरकर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गदवाल जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी-हैदराबाद द्वारा तेलंगाना राज्य के सभी जिलों के लिए शनिवार और रविवार के लिए इसी तरह का नारंगी और पीला अलर्ट जारी किया गया है।

फिल्म नगर में नाबालिग लड़की से दुर्व्यवहार करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म नगर में 11 वर्षीय लड़की के साथ दुर्व्यवहार करने वाले 22 वर्षीय युवक को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि युवक की पहचान साई कुमार के रूप में हुई है और लड़की एक ही मोहल्ले के रहने वाले थे तथा लड़की भी साई कुमार को जानती थी। पिछले कुछ दिनों से संदिग्ध व्यक्ति बच्ची के साथ यौन संबंध बनाने की कोशिश कर रहा था और उसने बच्ची को इस बारे में किसी से बात न करने की धमकी भी दी थी। 30 मार्च को फिर से उसने उसके साथ गलत काम किया, जिसके बाद बच्ची ने शोर मचाया और मौके से भाग गई। उनकी शिकायत के आधार पर फिल्म नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

केटीआर ने कांचा गच्चीबावली की भूमि को पुनः प्राप्त करने का लिया संकल्प

> कहा-इसे भारत के सबसे बड़े इको-पार्क में बदलूंगा

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी के सत्ता में वापस आने पर कांचा गच्चीबावली की 400 एकड़ जमीन को देश के सबसे बड़े इको-पार्क में बदल दिया जाएगा, जिससे इसे व्यावसायिक शोषण से हमेशा के लिए बचाया जा सकेगा। कांग्रेस सरकार द्वारा इन जमीनों की नीलामी की योजना के बीच, उन्होंने संभावित खरीदारों को चेतावनी दी कि इन जमीनों में कोई भी निवेश निरर्थक होगा। उन्होंने कहा कि यह हैदराबाद के लोगों और हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों से हमारा वादा है। आप केवल मोरों को गाते सुनेंगे और पेड़ों को फलते-फूलते देखेंगे।

उन्होंने कहा कि बीआरएस ने राजनीतिक रंग लेने से बचने के लिए प्रदर्शनकारी छात्रों से मिलने से परहेज किया, लेकिन अब समय आ गया है कि बीआरएस को कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस सरकार पीछे नहीं हटती है, तो बीआरएस हैदराबाद के लोगों के साथ हैदराबाद विश्वविद्यालय तक मार्च करेगी। उन्होंने कहा कि यह कोई राजनीतिक लड़ाई नहीं है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए लड़ाई है।

गुरुवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हरियाली के निरंतर विनाश की निंदा करते हुए, रामा राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार 'रियल एस्टेट मानसिकता' के साथ काम कर रही है और पैसे के लिए हैदराबाद के हरे भरे इलाकों की नीलामी कर रही है। उन्होंने रियल एस्टेट फर्मों को कड़ी चेतावनी भी दी और उनसे नीलामी में भाग न लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर आप निवेश करते हैं, तो आपको बाद में पछताना पड़ेगा। हमें दोष न दें- हम अभी यह स्पष्ट कर रहे हैं।

हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के छात्र (जो राज्य सरकार द्वारा कांचा गच्चीबावली में जैव विविधता से भरपूर भूमि के विनाश और नीलामी के खिलाफ जोरदार विरोध कर रहे हैं) ने अब गुरुवार को यहां क्रमिक भूख हड़ताल शुरू कर दी है। यूओएच छात्र संघ के महासचिव निहाद सुलेमान सहित करीब 20 छात्र विश्वविद्यालय के उत्तरी गेट पर क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे और वन विनाश को तत्काल रोकने तथा विश्वविद्यालय परिसर से बुलडोजर हटाने की मांग की। उन्होंने विश्वविद्यालय के पूर्वी परिसर में तैनात पुलिसकर्मियों की बड़ी टुकड़ी को हटाने की भी मांग की। बुधवार को उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार को कांचा गच्चीबावली में एक दिन के लिए काम रोकने का निर्देश दिए जाने के बावजूद छात्रों ने दावा किया कि बुधवार रात और गुरुवार सुबह भी काम जारी रहा।

एबीवीपी यूओएच इकाई से जुड़े छात्र भी विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। वे सरकार से वनों की कटाई रोकने और भूमि की नीलामी के फैसले को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। इससे पहले, विश्वविद्यालय छात्र संघ ने कक्षाओं के बहिष्कार का आह्वान किया और कांचा गच्चीबावली में वन भूमि को नष्ट करने तथा राजस्व उत्पन्न करने के लिए उसे नीलाम करने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ अनिश्चितकालीन विरोध की घोषणा की। हैदराबाद विश्वविद्यालय शिक्षक संघ भी छात्रों के साथ एकजुटता दिखाते हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गया। बुधवार को कई छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया, क्योंकि वे विश्वविद्यालय परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे थे, जहां पेड़ों को हटाने और भूमि समतल करने का काम चल रहा था।

डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने तेलंगाना कैडर के आईएएस अधिकारियों से बातचीत की

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने गुरुवार को डीजीपी कार्यालय में 2023 बैच के तेलंगाना कैडर के आईएएस अधिकारियों से बातचीत की। अधिकारी वर्तमान में हैदराबाद में एक अभिविन्यास कार्यक्रम से गुजर रहे हैं। बातचीत के दौरान, डीजीपी ने नागरिक कल्याण से संबंधित विभिन्न मुद्दों और पुलिस और अन्य सरकारी विभागों के बीच समन्वय के महत्व पर चर्चा की। डीजीपी ने सार्वजनिक सेवा वितरण को बढ़ाने और तेलंगाना के लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए निर्बाध अंतर-विभागीय सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. जितेन्द्र ने सार्वजनिक चिंताओं को कुशलतापूर्वक संबोधित करने और अधिक उत्तरदायी प्रशासनिक प्रणाली बनाने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह बातचीत विभिन्न सरकारी विभागों के बीच सहयोग को मजबूत करने और नागरिकों के लाभ के लिए सेवा वितरण को बढ़ाने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा थी। एक सक्रिय शासन ढांचे को बढ़ावा देने में प्रभावी समन्वय की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. जितेन्द्र ने अधिकारियों को राज्य के लिए एक सुरक्षित और

मेडचल कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की मिली धमकी

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल जिला कलेक्ट्रेट परिसर और उसके आसपास के इलाकों में गुरुवार को उस समय दहशत फैल गई जब अधिकारियों को बम की धमकी वाला एक मेल मिला। कलेक्ट्रेट अधिकारियों से सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने परिसर में पहुंचकर विस्फोटक पदार्थ की मौजूदगी की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, प्रशासनिक शाखा के अधिकारियों को एक अज्ञात व्यक्ति से आधिकारिक आईडी पर एक धमकी भरा ई-मेल मिला था, जिसमें दावा किया गया था कि कलेक्ट्रेट परिसर में विस्फोटक रखे गए हैं। जब पुलिस ने गहन जांच के बाद यह पुष्टि की कि वहां कोई बम नहीं है, तो कलेक्ट्रेट के अधिकारियों, कर्मचारियों और आम जनता ने राहत की सांस ली। मेडचल पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्हें संदेह है कि यह किसी शरारती हरकत का नतीजा है।

डीजीपी ने महिला कर्मचारियों के मेडिकल कैंप का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने गुरुवार को डीजीपी कार्यालय में पुलिस विभाग में कार्यरत महिला कर्मचारियों के लिए आयोजित मेडिकल कैंप का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक डॉ.जितेन्द्र ने कहा कि महिला कर्मचारियों के लिए आयोजित चिकित्सा शिविर के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यद्यपि बेहतर चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए उन्नत उपकरण उपलब्ध हैं, लेकिन यदि बीमारियों का शीघ्र पता नहीं लगाया गया तो हमें भविष्य में समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आज चिकित्सा क्षेत्र काफी विकसित हो चुका है और महिलाओं के लिए जरूरी उपचार उपलब्ध हैं। उन्नत चिकित्सा प्रौद्योगिकी के माध्यम से समस्याओं का शीघ्र पता लगाया जाना चाहिए और समय पर उचित उपचार किया जाना चाहिए। खासकर 40 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना चाहिए और साल में कम से कम एक बार या हर दो साल में स्वास्थ्य जांच कराना जरूरी है।

उन्होंने इस चिकित्सा शिविर के सफलतापूर्वक संचालन के लिए एआईजी अस्पताल, गच्चीबावली को धन्यवाद दिया चिकित्सा शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम में महानिदेशक, सीआईडी शिखा गोयल, शांति और सुरक्षा के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महेश एम भागवत, आईजीपी एम रमेश, सचिव स्वास्थ्य और सुरक्षा श्री गोपाल रेड्डी, डॉ. प्रज्ञा चिगुरुपति, एआईजी सीओओ कैपरी जलोटा, मिडे लोकेश और अन्य ने भाग लिया।

मंत्री ने जीएचएमसी अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में कुछ घंटों तक हुई अचानक बारिश के मद्देनजर परिवहन मंत्री और हैदराबाद प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के अधिकारियों को हैदराबाद में हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को हैदराबाद में अप्रत्याशित भारी बारिश के कारण निवासियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सावधानियां लागू करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों को जीएचएमसी क्षेत्राधिकार के भीतर छह क्षेत्रों में सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। जीएचएमसी इंजीनियरिंग अधिकारियों ने जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों, विशेष रूप से सचिवालय, राजभवन रोड और मसाब टैंक के आसपास से बाढ़ के पानी को तुरंत हटाने का निर्देश दिया है। मंत्री ने प्रमुख सड़कों पर इसके प्रभाव के कारण यातायात बाधित होने के कारण पानी को साफ करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। यह देखते हुए कि जल निकासी को रोकने के लिए एचएमडब्ल्यूएसएसबी जेटिंग मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों से पुलिस, जीएचएमसी, जल बोर्ड और बिजली विभागों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में निवासियों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े।

करंट लगने से 2 किसानों की मौत

अचंपेट, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चेदुरुबावी थांडा में बुधवार शाम को बिजली के पंप की मरम्मत करने के दौरान दो किसानों की करंट लगने से मौत हो गई। नागरकर्नूल पुलिस ने बताया कि उनके परिवार के सदस्यों ने कुएं में तैरते शवों को देखा, जिसके बाद उन्होंने खोजबीन शुरू की। किसान कत्रवथ लुक्या और मुदवथ कुमार बुधवार को फसल की सिंचाई करने के लिए अपने खेतों में गए थे। ऐसा लगता है कि जब बिजली का पंप काम नहीं कर रहा था तो वे कुएं में उतरे और उसे ठीक करने की कोशिश कर रहे थे, तभी उन्हें करंट लग गया। जब दोनों घर वापस नहीं लौटे तो उनके परिवार के सदस्यों ने खोजबीन शुरू की और बाद में उनके शव कुएं में तैरते हुए पाए गए, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, RASA DEVI , M/o: SUB SIBESWAR SAHOO R/O: RAGHUNATHPUR, GOPALPUR, JAGATSINGHPUR, ODISHA -754132 -, have changed my name from RASA DEVI to RASAMANI SAHOO and my Date of Birth is: 15-03-1942 vide Affidavit dt.03-04-2025

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भूमि मामले में मंत्रियों का आया बयान

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कंचे गच्चीबावली भूमि मामलें पर उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का और आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू का संयुक्त बयान दिया है। हम कंचे गच्चीबावली भूमि से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा मांगी गई जानकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रदान करेंगे। राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट पर पूरा विश्वास है। न्याय की जीत होगी। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त डीजीपी (इंटेलिजेंस) और साइबराबाद आयुक्तों को छात्रों के खिलाफ कठोर कार्रवाई न करने के निर्देश दिए गए हैं।

पेड़ की टहनी कार पर गिरने से दो महिला यात्री बाल-बाल बचीं

हैदराबाद में आंधी-तूफान

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद के एर्रा मंजिल के पास गुरुवार दोपहर आंधी के दौरान एक पेड़ की टहनी उनकी कार पर गिरने से दो महिला यात्री बाल-बाल बच गईं। यह घटना उस समय घटी जब कार बंजारा हिल्स से खैरताबाद की ओर जा रही थी। शहर में अचानक हुई भारी बारिश के कारण एक पेड़ की टहनी टूटकर कार पर गिर गई। इस घटना में चालक और यात्री सुरक्षित बच गए। अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलने पर जीएचएमसी के कर्मचारी और पुलिस मौके पर पहुंचे, पेड़ की टहनी को हटाया और कार को वहां से हटाया।

भारतीय फार्मा उत्पादों को अमेरिकी टैरिफ से छूट

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के राज्यसभा सदस्य और हेटेरो ग्रुप के चेयरमैन बंडी पार्थसारधि रेड्डी की केंद्र सरकार से की गई अपील रंग लाई है, क्योंकि भारत में बने फार्मास्यूटिकल उत्पादों को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा लगाए गए पारस्परिक टैरिफ से छूट दी गई है। बीआरएस सांसद ने गुरुवार को इस मुद्दे पर हस्तक्षेप करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखकर इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। पार्थसारधि रेड्डी ने 26 मार्च को शून्य काल के दौरान अमेरिकी पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव के बारे में राज्यसभा का ध्यान आकर्षित किया था। उनकी चिंता का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे को उठाया और भारतीय दवा उत्पादों के लिए अमेरिकी पारस्परिक टैरिफ से छूट सुनिश्चित की। पार्थसारधि रेड्डी ने पत्र में कहा कि मैं समझता हूं कि इस छूट से हमारे भारतीय दवा उद्योग को बहुत लाभ होगा। इससे न केवल हमारे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर दवा उत्पादों के एक विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की स्थिति भी मजबूत होगी और फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड का खिताब बरकरार रहेगा। इससे अमेरिकी मरीजों के लिए जीवन रक्षक दवाइयों की उपलब्धता और सामर्थ्य भी बढ़ेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि आपकी सरकार द्वारा अमेरिका के साथ आर्थिक कूटनीति और रणनीतिक जुड़ाव के लिए किए गए अथक प्रयासों से यह अनुकूल परिणाम सामने आया है। पार्थसारधि रेड्डी ने कहा कि मैं इस छूट पर बातचीत करने और इसे हासिल करने में आपकी टीम के प्रयासों की सराहना करता हूं, जिसका हमारी अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. eT_COMML_PRSUTS_216

कार्य का नाम: 02(दो) वर्षों की समयावधि हेतु वाल्टियर मण्डल में 216 संख्यक UTS एवं PRS थिन क्लाइंट्स (Thin clients) के लिए व्यापक वार्षिक रख-रखाव ठेका।

अनुमानित लागत (रुपये में): 18,35,136/-, EMD (रुपये में): 36,700/-, निविदा दस्तावेज की लागत(रुपये में): 2,360/-।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक : 28.04.2025 को 1100 बजे।

संपूर्ण सूचनावली वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

PR-3/Q/25-26

श्री सखी बाबा मठ

स्थान : 19-1-920, पुरानापूल श्मशान वाटिका के सामने, हैदराबाद

सीतारामचंद्र जी का कल्याण उत्सव

5/4/2025 सीतारामचंद्र जी का कल्याण उत्सव सुबह 8:30 बजे

श्री सखी बाबा मठ पुराना पुल, भाग्यनगर, हैदराबाद में श्री रामनवमी महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत मठ में, शनिवार 5 अप्रैल 2025 को शाम 4.00 बजे श्री सत्यनारायण भगवान की कथा एवम् श्री रामचंद्र भगवान श्री सीता देवी का हल्दी अभिषेक का आयोजन होगा। रविवार 6 अप्रैल 2025 को सुबह 10 बजे कल्याण महोत्सव तथा दोप.12 बजे प्रगति उत्सव आरती एवम् दोप.12.30 बजे से प्रसादी का आयोजन होगा।

मुख्य यजमान के रुप में गोपाल बियानी व पवन बियानी
भक्त मंडली : श्यामसुंदर जी लोया दिनेश जी बंग रमेश जी लाखोटिया पवन बियाणी गोविंद मुंदडा रामदेव बंग ओम जी बंग।

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा

GB GOPAL BALDAWA GROUP

अयोध्या में रामपथ पर ठेला लगाने वालों की आई शामत

पुलिस ने महिला को मार दिया थप्पड़

अयोध्या, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। अयोध्या में रामपथ के किनारे बने फुटपाथ पर अतिक्रमण करने वालों की अब खैर नहीं। अयोध्या नगर निगम के प्रवर्तन दल ने यहां ठेले लगाने वालों को डंडा लेकर दौड़ाया। यही नहीं, उन्होंने रामपथ पर सामान बेच रही महिला को थप्पड़ भी मारा। बता दें कि नगर निगम का प्रवर्तन दल व स्थानीय पुलिस रामनवमी मेले को लेकर राम पथ को खाली करवा रही है। इसके तहत अयोध्या धाम के क्षीरेश्वर नाथ मंदिर के सामने यह कार्रवाई की गई है। दरअसल, रामपथ के किनारे फुटपाथ पर पैदल चलने वालों के लिए बनाया गया है। अब लोग इस पर ठेले लगा रहे हैं और वहां आने वाले ग्राहक अपनी मोटरसाइकिल फुटपाथ पर खड़ा करते हैं इससे वहां भीड़ हो जाती है। इसीलिए अब नगर निगम कार्रवाई कर रहा है। 6 महीने पहले भी अयोध्या नगर निगम ने रामपथ के किनारे बने फुटपाथ पर हुए अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया था। तब उन्होंने फुटपाथ पर खड़ी मोटरसाइकिलों का भी चालान काट दिया था। वाहन मालिकों से 500 रुपये का जुर्माना वसूला गया था। सहादतगंज से लता चौक तक बने 13 किलोमीटर रामपथ के किनारे बने फुटपाथ को खाली करवाने के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया था। इससे पहले प्रशासन लगातार लोगों को अतिक्रमण हटाने के लिये चेतावनी दे रहा था। इसके बाद प्रशासन ने बुलडोजर एक्शन लिया।

वक्फ बिल: '21 लाख एकड़ जमीन कहां से'पैदा हो गई'

संजय जायसवाल ने उठाए सवाल, शाहनवाज हुसैन भी खूब बोले

पटना, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक को मंजूरी दिए जाने पर बीजेपी सांसद संजय जायसवाल की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि जब जवाहरलाल नेहरू ने ये बिल बनाया था तब किसी को याद नहीं आया कि ये कानून क्यों बन रहा। 1995 तक के कानून में कोई दिक्कत नहीं थी और किसी को तकलीफ नहीं थी जैसा गृह मंत्री ने बोला, लेकिन 2013 में एक नया परिवर्तन हुआ। गृह मंत्री ने बताया कि 1913-2013 तक 70 लाख एकड़ की जमीन थी और 2013-2024 में 21 लाख एकड़ जमीन बढ़ गई। हमने किसी के द्वारा जमीन दान करते हुए नहीं सुना।

'21 लाख एकड़ जमीन कहां से पैदा हो गई'

बीजेपी सांसद ने आगे कहा कि कोई अमीर मुसलमान ने बड़ी संपत्ति वक्फ किया हो ये हमने कभी नहीं सुना तो ये 21 लाख एकड़ जमीन कहां से पैदा हो गई? विपक्षी को दिक्कत यह है कि 2029 आते-आते इसी वक्फ से कमाई 10,000 करोड़ से ऊपर होगी और हमारे विरोधी दल के सांसद हैं उनसे हर कोई पूछेगा कि 70 साल में आपने जिस वक्फ संपत्ति से पांच रुपये की भी मदद नहीं की और उसी से नरेंद्र मोदी ने कैसे हजारों और करोड़ की मदद कर दी।

'पीएम मोदी ने अपना वादा पूरा किया'

वहीं बीजेपी नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम आधी रात को संसद में पारित हुआ है। पूरे देश में खुशी का माहौल है क्योंकि पीएम मोदी ने अपना वादा पूरा किया है। वक्फ संशोधन विधेयक पर किसी को गलतफमी नहीं होनी चाहिए। यह विधेयक वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के लिए है। जो वक्फ की जायदाद को लीज पर दे देते थे, जो कौड़ी के भाव बेच देते थे, कुछ लोग इस पर काबिज रहते थे उनको ये अधिकार नहीं रहेगा। एक बात साफ हो गई है कि कांग्रेस और विपक्ष की अन्य पार्टियों ने विधेयक को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश की है। अब हम इसे राज्यसभा में ले जाएंगे और वहां भी इसे पारित करवाएंगे।

भतीजी से जबरन संबंध बनाने की कोशिश, एफआईआर दर्ज

इनकार करने पर चाचा ने भतीजी को पंचायत में पिटवाया

हाजीपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। चकसिकंदर गांव में एक चाचा ने अपनी भतीजी से जबरन संबंध बनाने की कोशिश की। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया, तो उसे पंचायत में बुलाकर बेरहमी से पीटा गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया है। पीड़िता ज्योति कुमारी (21) ने बताया कि उसके दो चाचा विभीषण (43) और शत्रुध्न (41) ने पहले उसके पति (25) को फेसबुक मैसेंजर पर गलत संदेश भेजकर शादी में विवाद पैदा किया। इस साजिश के चलते 3 साल पहले हुई शादी के शुरूआती 2 महीने में उसका वैवाहिक रिश्ता खराब हो गया। पीड़िता की मां ने ससुराल वालों पर एफआईआर करने की धमकी दी। इसके बाद पति ने 7 महीने ज्योति को साथ रखा। इस दौरान पीड़िता की चचेरी बहन ने पति को मिसगाइड कर रिश्ता तुड़वा दिया। पीड़िता करीब 2 साल से अपने मायके में ही रह रही है। मायके आने के बाद चाचा ने उस पर अनैतिक संबंध बनाने का दबाव डाला। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया तो आरोपी चाचा धमकाने लगे। 1 अप्रैल 2025 की सुबह चाचा ने गांव में पंचायत बुलाई। पंचायत में मुखिया प्रतिनिधि, सरपंच और अन्य ग्रामीणों के सामने पीड़िता को उसके चाचा सहित कुछ लोगों ने बेरहमी से पीटा।

इलाज के दौरान भाजपा नेत्री की मौत

गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगा परिजनों ने काटा हंगामा

कानपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। कल्याणपुर में एक निजी अस्पताल में भर्ती महिला भाजपा नेता की रात इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। कल्याणपुर के आवास विकास निवासी सुनीता शुक्ला की अचानक तबीयत खराब हो गई। घबराहट के साथ ही पैर सुन्न हो गया। परिजन उन्हें आनन-फानन पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। देर रात इंजेक्शन लगने के बाद मां की मौत हो गई। सुनीता महिला मोर्चा की पूर्व जिलामंत्री रह चुकी हैं। सुनीता की मौत की सूचना पर वहां मौजूद उनके बेटे कृष व बेटियां रिचा, तृप्ति और नैंसी ने हंगामा शुरू कर दिया। आरोप है कि नाराज अस्पताल के कर्मचारियों ने तृप्ति की पिटाई कर दी। उनके सिर में गंभीर चोटें आई। हंगामे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पनकी रोड चौकी इंचार्ज सूर्य प्रकाश दुबे ने रात में परिजनों से मुलाकात की। बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। उसके आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

जीपीएस युक्त वाहनों से ही होगा शराब का परिवहन, बोतलों पर होगा हाई सिक्योरिटी बार कोड

लखनऊ, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी सरकार के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में अब जीपीएस युक्त वाहनों से ही मदिरा का परिवहन होगा और आबकरी लाइसेंस्ड परिसरों की जियो फेसिंग की जाएगी साथ ही बोतलों एवं पेटियों पर हाई सिक्योरिटी बार कोड और क्यूआर कोड होगा। मंत्री नितिन अग्रवाल बृहस्पतिवार को मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग की कार्य प्रणाली में सुधार एवं कर चोरी रोकने हेतु कार्यवाही की गई है। विभाग में कार्रवाही के लिए सीसीटीवी कैमरा एवं इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल से इंटीग्रेशन किया गया है। मदिरा एवं स्प्रिट टैंकरों में डिजिटल लॉकिंग की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि मास फ्लो मीटर, रडार बेस्ड लेवल सेंटर एवं बॉटलिंग सेंटर बनाए जाएंगे। डिस्टलरीज में डिजिटल अल्कोहल मीटर का उपयोग किया जाएगा और प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाई जाएगी।

मनरेगा फर्जीवाड़ा: क्रिकेटर मोहम्मद शमी के जीजा मास्टरमाइंड बहन की सास से होगी रिकवरी, जांच में 11 लोग दोषी पाए गए

अमरोहा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में हुए मनरेगा फर्जीवाड़े में क्रिकेटर मोहम्मद शमी के जीजा को मास्टरमाइंड माना गया है। वहीं, शमी के जीजा की मां को मुख्य दोषी पाया पाया गया है। जनपद अमरोहा के ग्राम पालौला में मनरेगा फर्जीवाड़ा में डीएम ने जांच रिपोर्ट सौंप दी है। इस जांच में बीडीओ और चार सचिव सहित कुल 11 लोगों को दोषी पाया गया है। डीएम ने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए पत्र भी लिखा है। डीएम ने बताया है कि इस मामले में दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की जा रही है। ग्राम प्रधान के खातों को सीज कर रिकवरी का नोटिस दिया गया है। उनके खिलाफ विभागीय एक्ट के तहत कार्रवाई कराई जाएगी। एक बीडीओ के खिलाफ भी लखनऊ पत्र भेजा गया है। इस फर्जीवाड़े में शमी की सगी बहन शबीना उनके पति गजनवी और परिवार के अन्य लोग भी शामिल हैं। ग्राम प्रधान गुले आयशा शमी की बहन की सास हैं, उन्हें ही पूरे प्रकरण का दोषी माना गया है। अमरोहा की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि ग्राम पलोला में नरेगा के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसके जांच कराई गई तो शिकायत सही पाई गई। इस फर्जीवाड़े में विभाग के जितने अधिकारी या कर्मचारी शामिल थे, उन सभी को निलंबित करते हुए एफआईआर कराने के लिए पत्र दिया है। इसके साथ ही सभी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जा रही है।

चिराग पासवान की बड़ी मां ने देवरानियों पर लगाए गंभीर आरोप, परिवार में बढ़ता ही जा रहा है संपत्ति विवाद

पटना, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के परिवार में संपत्ति विवाद बढ़ता ही जा रहा है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की बड़ी मां और रामविलास पासवान की पहली पत्नी राजकुमारी देवी ने अपनी दो देवरानियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राजकुमारी देवी ने कहा कि पशुपति कुमार पारस की पत्नी और स्वर्गीय रामचंद्र पासवान की पत्नी से मुझे जान का खतरा है। राजकुमारी देवी खगड़िया के शहर बन्नी गांव में अपने आवास पर अकेले रहती हैं। राजकुमारी देवी ने बताया दो दिन पहले भी मेरी देवरानी शोभा देवी और सुनैना देवी मुझ से लड़ने के लिए आई थीं और उन्होंने मेरे बेड रूम और बाथरूम में ताला लगा दिया था। जिससे मैं मानसिक तनाव में आकर बीमार हो गई थी।

दिवंगत रामविलास पासवान की पहली पत्नी राजकुमारी देवी ने अपने आवास पर गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके देवरानियों पर आरोप लगाते हुए अपने देवर पशुपति कुमार पारस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुझे मेरे हिस्से की कुल जमीन नहीं मिली है। मुझे शहरबंनी , खगड़िया ,पटना और दिल्ली के संपत्ति में तीसरा हिस्सा चाहिए। मेरे हिस्से में कम जमीन आई है। चिराग पासवान से उन्होंने संपत्ति का बंटवारा करने की गुहार लगाई है। रामविलास पासवान की पहली पत्नी राजकुमारी देवी ने हाल ही में अपनी दो देवरानी समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। एसपी राकेश कुमार ने केस दर्ज होने की पुष्टि की है।राजकुमारी देवी के लिखित आवेदन पर अलौली थाना में पशुपति कुमार पारस की पत्नी शोभा देवी, रामचंद्र पासवान की पत्नी सुनैना देवी, एक बॉडी गार्ड और दो चालक के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान ने दो शादियां की थीं। पहली पत्नी राजकुमारी देवी थीं।

रोहिणी आचार्य ने वक्फ संशोधन बिल का बताया 'मकसद'

'गुजरात नरसंहार को अंजाम देने वालों के द्वारा कही जा रही बातों पर कतई भरोसा नहीं करने वाला

पटना, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। आरजेडी नेता रोहिणी आचार्य की ओर से वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर प्रतिक्रिया आई है। गुरुवार को उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, वक्फ संशोधन बिल का मकसद साफ है, अल्पसंख्यकों के धार्मिक क्रियाकलापों में दखलंदाजी, संविधान प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का दमन और अल्पसंख्यक समुदाय की धार्मिक संस्थाओं से जुड़ी सम्पत्तियों पर कब्जा। उन्होंने आगे लिखा, जो भाजपा 80 और 20 बंटोगे तो कटोगे जैसे विखंडनकारी नारे देती है, जो बीजेपी वेशभूषा व पहनावे को देखकर अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित करने के लिए टारगेट करती है, वही बीजेपी वक्फ संशोधन बिल लाती है और इसे अल्पसंख्यकों के हित में बताती है। देश व देश का अल्पसंख्यक समुदाय गुजरात नरसंहार को अंजाम देने वालों के द्वारा कही जा रही बातों पर कतई भरोसा नहीं करने वाला।

बिहार बीजेपी अध्यक्ष की भी आई प्रतिक्रिया

उधर बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक 2025 के पारित होने पर कहा, कल जो चर्चा हुई उसमें स्पष्ट था कि वक्फ संपत्तियों को लेकर कानूनी विवाद और काफी कुप्रबंधन हो चुका था। कुछ लोगों का वक्फ पर कब्जा हो गया था, कोई न्यायिक निगरानी नहीं होती थी। वक्फ संपत्तियों का भी अधूरा सर्वेक्षण करवाया गया था। वक्फ कानून का दुरउपयोग किया जाता था। इन सभी कारणों से वक्फ संशोधन बिल को लाया गया। 1995 के पहले बिल में संशोधन करना पड़ा। उन्होंने कहा कि पार्लियामेंट में बहस के दौरान टाइम का भी एक्सटेंशन हुआ, ताकि सभी सदस्य अपने दिल की बातों को रखे सकें, लेकिन सभी के दिल में यही था कि वक्फ संपत्तियों को कानूनी दायरे में रहना चाहिए।

'वे किसी भी चीज को चुनौती दे सकते हैं'

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक को मंजूरी दिए जाने पर लोजपा (आर) सांसद शांभवी चौधरी की भी प्रतिक्रिया आई। विपक्ष द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध किए जाने पर उन्होंन मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि आप इसका विरोध क्यों करेंगे? यह जेपीसी के पास गया, जहां इस पर गहन चर्चा हुई। आपके सभी प्रस्तावित संशोधनों पर विचार किया गया और आपकी चिंताओं को ध्यान में रखा गया। अगर विपक्ष अभी भी इसे चुनौती देना चाहता है, तो वे किसी भी चीज को चुनौती दे सकते हैं।

डीएम की नई पहल, शिकायतों के निस्तारण पर जनता करेगी सार्वजनिक समीक्षा, लापरवाही पर कड़े एक्शन की तैयारी

गोंडा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। डीएम के शिकायतों के निस्तारण को लेकर नए प्लान से एक तरफ जहां पीड़ितों को न्याय मिलेगी। वहीं दूसरी तरफ घर बैठे शिकायतों का निस्तारण करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की अब खैर नहीं है। लापरवाही पाए जाने पर उनके खिलाफ कड़े एक्शन की तैयारी है। इनमें नगर पालिका परिषद गोंडा के लिए विश्व मित्र सिंह अपर उप जिला अधिकारी गोंडा, नगर पालिका करनैलगंज और नगर पंचायत कटरा तथा परसपुर के लिए उप जिलाधिकारी न्यायिक कर्नलगंज नेहा मिश्रा, नगर पंचायत मनकापुर धानेपुर और खरगूपुर के लिए अपर उप जिला अधिकारी यशवंत राव, तथा नगर पालिका परिषद नवाबगंज, नगर पंचायत बेलसर और तरबगंज के लिए अपर उप जिला अधिकारी द्वितीय विशाल को नामित किया गया है। उक्त नामित अधिकारी प्रत्येक शिकायतकर्ता से संपर्क कर उनकी समस्याओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त करेंगे। यदि किसी समस्या का समाधान अपेक्षित रूप से नहीं हुआ है। या उसमें किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है। तो तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। प्रशासन यह भी सुनिश्चित करेगा कि निस्तारण की प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो। गंभीर शिकायतों के मामलों में प्रशासन द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा। ताकि समस्या के समाधान की वास्तविकता को सत्यापित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, जिन मामलों में ऑनलाइन आवेदन की आवश्यकता होगी। प्रशासन संबंधित व्यक्तियों से संपर्क कर आवेदन प्रक्रिया को सुगम बनाएगा। तथा निस्तारण को त्वरित गति प्रदान करेगा। जनवरी और फरवरी माह में जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने नागरिक संगम जनसंवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया था। जिसके अंतर्गत उन्होंने स्वयं नगर पालिका एवं नगर पंचायतों का दौरा कर नागरिकों की शिकायतें सुनीं एवं त्वरित समाधान के निर्देश दिए। अब प्रशासन द्वारा उन शिकायतों पर हुई कार्रवाई की व्यापक समीक्षा प्रारंभ की गई है। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके। कि समस्याओं का समाधान प्रभावी एवं दीर्घकालिक हो।

स्कूल की बाउंड्री तोड़े जाने पर आग-बबूला हुए विधायक गोपाल मंडल, डीएम को दी चुनौती

भागलपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। भागलपुर के गोपालपुर विधायक गोपाल मंडल हमेशा चर्चा में रहते हैं। अब जिले के ममलखा स्थित उच्च विद्यालय के मैदान की बाउंड्री तोड़े जाने पर जदयू विधायक गोपाल मंडल भड़क गए। दरअसल, यहां पहले से खेल का मैदान है, लेकिन डीएम के आदेश पर यहां मवेशियों के अस्पताल का निर्माण कार्य चल रहा है। अब गुस्साए विधायक ने काम रूकवा दिया है। विधायक ने कहा, "जो भी गड़बड़ी हो रही है वो सांसद अजय मंडल और कहलगांव विधायक पवन यादव के कहने पर हो रही है। आज के

समय में अफसर तानाशाह हो गए हैं। उनपर नकेस कसना बहुत जरूरी है। मैं, 5 साल के लिए आया हूं, लेकिन अफसर 60 साल के लिए आते हैं। उन्हें संयम से जनता के लिए काम करना चाहिए।" ममलखा उच्च विद्यालय के ग्राउंड को लेकर डीएम डॉ। नवल किशोर चौधरी ने आदेश जारी करते हुए कहा कि इस मैदान में बड़ा मवेशी अस्पताल बनेगा। इसको लेकर उन्हें 5 एकड़ जमीन की जरूरत है। हालांकि, पहले से ही वहां एक मवेशी अस्पताल संचालित हो रहा था, अब उसका विस्तार करना है। जिसके लिए तीन एकड़ जमीन की और जरूरत पड़ रही थी। इसे लेकर आदेश जारी किया गया और स्कूल की बाउंड्री वॉल को तोड़ दिया गया। इसी पर गोपालपुर विधायक आग बबूला हो गए। घटनास्थल पर पहुंचकर हंगामा करने लगे। विधायक ने कहा कि मैं अफसर की तानाशाही नहीं सहने वाला हूं, यहां पर खेल का मैदान बनेगा। कोई मवेशी अस्पताल नहीं बनने दूंगा। विधायक गोपाल मंडल ने आगे कहा, "मुलाजिम पर लगाम लगाना जरूरी है। स्थिति ठीक नहीं है। अफसर के तेवर इतने तीखे होते हैं, जो बर्दाश्त से बाहर है। जनता इस तेवर को माफ नहीं करेगी। अफसर आए और विद्यालय का बाउंड्री वॉल तोड़ दिए। यह कहीं से सही नहीं है। बच्चे यहां पर फुटबॉल टूर्नामेंट कराते हैं, मैं भी आता हूं। यहां पर कोई मवेशी अस्पताल नहीं बनने दूंगा। खेल मैदान ही रहेगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल काम रोक दिया गया है और अगर फिर से काम शुरू होता है तो मैं अपने दल-बल के साथ वहां धरने पर बैठूंगा।"

विवेका पहलवान के निधन पर आई अनंत सिंह की पहली प्रतिक्रिया, बहुत दुखद समाचार है

पटना, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मशहूर पहलवान 'बिहार केसरी' विवेकानंद सिंह (उम्र करीब 70 साल) का निधन हो गया है। रात उन्होंने आखिरी सांस ली। हार्ट अटैक के बाद उन्हें 27 मार्च को भर्ती कराया गया था। आज ही बाढ़ के उमानाथ सती स्थान में अंतिम संस्कार होगा। उनके निधन पर मोकामा के बाहुबली अनंत सिंह की प्रतिक्रिया आई है। अनंत सिंह ने गुरुवार (03 अप्रैल) को एक्स पर लिखा, बहुत ही दुखद समाचार है। बिहार केसरी श्री विवेका पहलवान जी का देर रात्रि निधन हो गया। काफी समय से इलाजरत थे। उनके निधन से बिहार ने एक महान पहलवान और प्रेरणादायक व्यक्तित्व को खो दिया। उनका जीवन संघर्ष, परिश्रम और समर्पण की मिसाल था। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें और इस कठिन समय में हम परिजनों समेत हर एक सदस्यों को संबल प्रदान करें। उनके योगदान और विरासत को हमेशा याद किया जाएगा। भावपूर्ण श्रद्धांजलि। बता दें कि अनंत सिंह और विवेका पहलवान की दुश्मनी किसी से छिपी नहीं है। 2004 में अनंत सिंह पर जानलेवा हमले का आरोप विवेका पहलवान पर लगा था। इस केस में उन्हें 10 साल की सजा भी हुई थी। दोनों के बीच हुए गैंगवार में कई लोगों की जान चुकी है। कहा जाए तो दोनों ने अपने करीबियों को खोया है। विवेका पहलवान के भाई की भी गैंगवार में हत्या हुई थी। विवेकानंद सिंह कुश्ती के खिलाड़ी थे। उन्होंने बिहार केसरी का खिताब अपने नाम किया था। हालांकि विवेकानंद सिंह उर्फ विवेका पहलवान की छवि भी दबंग वाली थी। कहा जा तो वो भी अनंत सिंह से कम नहीं थे। विवेका पहलवान भी लदमा के ही रहने वाले थे। टाल क्षेत्र में वर्चस्व को लेकर दोनों आमने-सामने होते रहे हैं।

मल्टीप्लेक्स की रसोई में मिली एक्सपायरी चिकन पैटीज, खाद्य विभाग की टीम ने मारा छापा

कानपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। बड़े चौराहे स्थित एक मॉल के मल्टीप्लेक्स की रसोई में एक्सपायरी चिकन पैटीज मिली है। इसकी वैधता 2024 को समाप्त हो गई थी पर उसमें नई रेट स्लिप लगाकर बिक्री की जा रही थी। रसोई में कॉकरोच भी टहलते मिले हैं। खाद्य विभाग की टीम ने यहां छापा मारा तो सच सामने आया। टीम ने पैटीज नष्ट करा दी। पनीर, तेल व तंदूरी ब्रेड के तीन नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा है। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय संजय प्रताप सिंह ने बताया कि नवरात्र को देखते हुए मिलावटी खाद्य व पेय पदार्थों के खिलाफ विभाग लगातार अभियान चल रहा है। खाद्य सुरक्षा टीम मल्टीप्लेक्स पहुंची तो रसोई में कीड़े टहलते मिले। कई अन्य प्रकार की ब्रेड पर भी पुरानी तारीख हटाकर नई स्लिप लगाई गई थी।

नई एक्सपायरी डेट हाथ से लिखी हुई मिली। कुछ एक्सपायरी खाद्य पदार्थ फ्रिज में बिक्री के लिए रखे मिले। रसोई में रखे पनीर, सोयाबीन तेल, तंदूरी ब्रेड की गुणवत्ता ठीक नहीं मिली। बिक्री के लिए रखे गए एक्सपायरी खाद्य पदार्थों को जब्त किया गया है।

संभल सीओ अनुज चौधरी को 'पागल' कहने पर क्या फंस गए कांग्रेस एमपी इमरान मसूद? पंवार खाप ने खोला मोर्चा, क्या हुआ?

संभल, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। संभल के दबंग और चर्चित सीओ अनुज चौधरी को हाल ही में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने 'पागल' कहा था। बता दें कि अब कांग्रेस सांसद इमरान मसूद को लेकर अनुज चौधरी के गांव में काफी नाराजगी देखने को मिल रही है। बता दें कि पंवार खाप में इमरान मसूद को लेकर काफी नाराजगी देखने को मिल रही है। पंवार खाप ने अपना पूरा समर्थन अनुज चौधरी को दिया है और उनके परिवार वालों से मुलाकात की है। इसी के साथ इमरान मसूद को लेकर अनुज चौधरी के गांव बड़ेडी में भी काफी गुस्सा देखने को मिल रहा है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने जब से अनुज चौधरी को लेकर बयान दिया है, तभी से वह निशाने पर हैं। पंवार खाप के चौधरी धर्मवीर सिंह खाप के लोगों के साथ अनुज चौधरी के घर पहुंचे। इस दौरान खाप के लोगों ने अनुज चौधरी के परिजनों से मुलाकात की और अपना पूर्ण समर्थन अनुज चौधरी को दिया। इस दौरान संभल सीओ अनुज चौधरी के भाई अमित चौधरी ने सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा, इमरान मसूद अपनी औकात में रहे। वह ज्यादा हवा में ना आए। अनुज चौधरी के भाई ने कांग्रेस सांसद को लेकर आगे कहा, इमरान मसूद अपने दिमाग से गलतफहमी निकाल दें। लोग अनुज चौधरी से प्रेरणा लेते हैं। इस दौरान उन्होंने इमरान मसूद पर निशाना साधते हुए कहा कि पागल तो वह होता है तो अनगर्ल टिप्पणी करता है। आपको बता दें कि इससे पहले आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने भी अनुज चौधरी को लेकर टिप्पणी की थी। संजय सिंह ने अनुज चौधरी को लफंडर कहा था। इसको लेकर भी खाप और अनुज चौधरी के क्षेत्र में काफी गुस्सा देखने को मिला था।

लोकसभा से वक्फ बिल पास होने पर कंगना रनौत बोलीं

'जो दीमक हमारे देश को खाए जा रहे थे अब अगर वो गैरकानूनी काम करेंगे तो कानूनी व्यवस्थाएं उनसे पूछ सकती हैं'

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा से वक्फ बिल पास होने पर मंडी से बीजेपी की सांसद कंगना रनौत ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये ऐतिहासिक दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से ही हमें ये सौभाग्यशाली दिन देखने को मिला है। क्या इस देश में कोई भी चीज कानून से बढ़कर हो सकती है? गैरकानूनी काम जो दीमक बने हुए हैं और हमारे देश को खा रहे थे इससे मुक्ति मिलेगी। जितना किसी देश का एरिया नहीं होता उनका कब्जा किया हुआ है। पूरा देश उनमुक्त है। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने आगे कहा, अब अगर वो गैरकानूनी काम करेंगे तो कानूनी व्यवस्थाएं उनसे पूछ सकती हैं। इससे पहले क्या हालत थी देश की। देश ये देख रहा है और समझ रहा है कि चाहे वो कश्मीर हो या हिमाचल प्रदेश हो, जितने भी काम रुके हुए थे प्रधानमंत्री उन्हें पूरा कर रहे हैं। विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे गृह मंत्री और किरेन रिजूजू ने वक्फ बिल पर विस्तार से चर्चा की। इससे ज्यादा विस्तार से बताने की जरूरत नहीं है। मोटा-मोटी बात यही है कि कोई भी व्यक्ति, धर्म या संस्था कानून और संविधान से ऊपर नहीं है। बता दें कि बुधवार की देर रात वोटिंग के बाद लोकसभा से वक्फ बिल पास हो गया। अब राज्यसभा में इस पर चर्चा हो रही है। लोकसभा में इसके समर्थन में 288 वोट पड़े वहीं इसके विरोध में 232 वोट मिले। नीतीश कुमार, चिराग पासवान, चंद्रबाबू नायडू और जयंत चौधरी जो एनडीए का हिस्सा हैं, उनके दलों ने इस बिल का समर्थन किया। झारखंड में बीजेपी की सहयोगी आजसू ने भी इसका समर्थन किया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार इस बिल के जरिए वक्फ की संपत्ति को हड़पना चाहती है।

'जब पैसा ही नहीं है तो खर्च कैसे होगा'

दिल्ली सरकार के बजट को लेकर आतिशी का बड़ा दावा

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में एक बार फिर आम आदमी पार्टी ने बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता आतिशी ने वित्त विभाग द्वारा सभी विभागों के लिए जारी आदेश का हवाला देते हुए ये कहा है कि बीजेपी सरकार साल में 60 हजार करोड़ रुपये ही खर्च कर पाएगी, जबकी बजट एक लाख करोड़ रुपये का जारी हुआ है। उन्होंने कहा कि 31 मार्च को जारी आदेश के अनुसार किसी भी विभाग को अप्रैल में कुल बजट का 5 फीसद से ज्यादा खर्च करने पर रोक लगा दी गई है अर्थात बीजेपी सरकार एक महीने में मात्र 5 हजार करोड़ रुपये ही खर्च कर सकती है। ऐसे में पूरे साल में सरकार 60 हजार करोड़ रुपये ही खर्च कर पाएगी। इसका मतलब साफ है कि जब पैसा ही नहीं है तो खर्च कैसे होगा? बीजेपी के झूठ को उसकी सरकार के ही आदेश ने उजागर कर दिया है।

ऐतिहासिक नहीं, झूठा बजट-आतिशी

आतिशी ने कहा कि पिछले दिनों बीजेपी की दिल्ली सरकार ने दिल्ली विधानसभा में बजट पेश किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री रेखा गुप्ता ने बार-बार कहा कि एक लाख करोड़ का बजट दिल्ली विधानसभा में पेश हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक बजट है, क्योंकि पहली बार इतना बड़ा बजट दिल्ली विधानसभा में पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार यह बजट ऐतिहासिक इसलिए नहीं है कि यह दिल्ली विधानसभा का सबसे बड़ा बजट है, बल्कि बीजेपी सरकार का यह बजट ऐतिहासिक इसलिए है, क्योंकि यह दिल्ली विधानसभा के इतिहास में अब तक का सबसे झूठा बजट है।

आतिशी ने कहा कि मैंने बजट सत्र में अपने संबोधन में इसे सिलसिलेवार और तार्किक तरीके से समझाया कि दिल्ली सरकार के पास एक लाख करोड़ रुपये की न आय है और न तो हो सकती है।

अगर टैक्स के आंकड़े देखें तो जितने आंकड़े इस बजट में दिए गए हैं, उससे कम से कम 5,000 करोड़ रुपये कम टैक्स आएगा, 10 हजार करोड़ रुपये कम लोन मिलेगा और केंद्र सरकार ने अभी तक अपने बजट में दिल्ली सरकार के लिए एक पैसा भी नहीं रखा है। मैंने अनुमान लगाया था कि दिल्ली सरकार का बजट वास्तविक करीब 78 हजार करोड़ रुपये का है।

सरकार के पास 78 हजार करोड़ रुपये का भी बजट नहीं

आप नेता ने दिल्ली सरकार के कागजात का हवाला देते हुए कहा कि वित्त विभाग को भी पता है कि सरकार के पास एक लाख करोड़ तो छोड़िए, 78 हजार करोड़ रुपये का भी बजट नहीं है। दिल्ली सरकार के पास महज 60 हजार करोड़ रुपये का बजट है। उन्होंने कहा कि 31 मार्च को बीजेपी की दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने आदेश जारी कर सभी विभागों को आवंटित बजट में 5 फीसद राशि ज्यादा खर्च करने पर रोक लगा दिया है। जिन विभागों को यह हवा-हवाई और जुमलों वाला बजट कागजों पर मिल गया है, उन विभागों को उसे खर्च करने पर रोक लगा दी गई है।

कर्नल से मारपीट मामला

हाईकोर्ट ने पंजाब पुलिस की एसआईटी कैंसिल की, अब चंडीगढ़ पुलिस करेगी जांच

चंडीगढ़, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पटियाला में कर्नल पुष्पिंद्र बाठ व उनके बेटे अंगद के साथ हुई मारपीट मामले की जांच अब चंडीगढ़ पुलिस करेगी। हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ पुलिस को कर्नल के साथ हुई मारपीट मामले में जांच के आदेश दिए। हाईकोर्ट ने पंजाब पुलिस की एसआईटी को कैंसिल कर आदेश जारी किए। इससे पहले कर्नल पुष्पिंदर सिंह बाठ ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए उन पर हुए हमले की जांच किसी केंद्रीय एजेंसी को सौंपने की मांग की थी, क्योंकि उन्हें पंजाब पुलिस की जांच पर संदेह था। बाठ वर्तमान में नई दिल्ली स्थित आर्मी हेडक्वार्टर्स में तैनात हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 13 मार्च की रात पंजाब पुलिस के चार इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारियों और उनके हथियारबंद अधीनस्थों ने बिना किसी उकसावे के उन पर और उनके बेटे पर हमला किया। गंभीर अपराध के बावजूद स्थानीय पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने दावा किया कि वरिष्ठ अधिकारियों को कई बार फोन किया गया लेकिन उनकी गुहार को अनसुना कर दिया गया। उनकी शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज करने के बजाय किसी तीसरे व्यक्ति की शिकायत पर 'अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ लड़ाई' का फर्जी मुकदमा दर्ज कर लिया गया। जब कर्नल बाठ के परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और पंजाब के राज्यपाल से संपर्क किया, तो आठ दिन बाद उचित एफआईआर दर्ज की गई। पटियाला निवासी जसविंदर कौर बाठ ने बताया कि उनके पति पुष्पिंद्र सिंह भारतीय सेना में मौजूदा समय में कर्नल के पद पर तैनात है। बीती 13 मार्च की रात को उनके पति बेटे अंगद सिंह के साथ शहर में गए हुए थे। इसी दौरान पटियाला में राजिंद्रा अस्पताल के पास स्थित ढाबे के नजदीक कुछ पुलिस कर्मियों ने शराब के नशे में उसके पति व बेटे के साथ दुर्व्यवहार करते हुए उनके साथ मारपीट की। उनके पति ने मारपीट करने वालों को यह भी बताया कि वह सेना में कर्नल है

कर्नाटक में बंद होगी ओला, उबर और रैपिडो की सर्विस, हाई कोर्ट ने बताई वजह

बेंगलूरू, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने ऐप-आधारित राइड-हेलिंग सर्विसेज को बाइक टैक्सी सेवाएं बंद करने का आदेश दिया है। हालांकि, इन्हें छह सप्ताह का समय दिया गया है, ताकि वे अपना संचालन पूरी तरह से रोक सकें। प्लेटफॉर्म के अधिकारियों का कहना है कि वे इस फैसले के खिलाफ अपील करने पर विचार कर रहे हैं। न्यायमूर्ति बीएम श्याम प्रसाद ने फैसला सुनाते हुए कहा- जब तक राज्य सरकार मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 93 के तहत नियम नहीं बनाती, तब तक बाइक टैक्सियां संचालित नहीं हो सकतीं। यह आदेश रैपिडो, उबर इंडिया और ओला की याचिकाओं पर आया, जिनमें सरकार से एग्रीगेटर लाइसेंस जारी करने और बाइक टैक्सियों को ट्रांसपोर्ट सेवा के रूप में रजिस्टर करने की मांग की गई थी। जुलाई 2021 में, कर्नाटक सरकार ने बाइक टैक्सी सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया था। इसके खिलाफ रैपिडो, उबर और ओला ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान, हाईकोर्ट ने अस्थायी रूप से सरकार को इन प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई करने से रोका था।

संचालन बंद करने के लिए मिले छह हफ्ते

न्यायमूर्ति श्याम प्रसाद ने प्लेटफॉर्म्स को छह हफ्तों के भीतर अपना संचालन बंद करने का आदेश दिया। इसके अलावा, उन्होंने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि इस समय सीमा के बाद सभी बाइक टैक्सी सेवाएं पूरी तरह से बंद कराई जाएं। वहीं, कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि सरकार को उचित नियम बनाने के लिए तीन महीने का समय दिया गया है। उन्होंने बताया कि ऐप-आधारित प्लेटफॉर्म बिना किसी नियम के काम कर रहे थे, जिससे इन सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ रही थीं। उन्होंने कहा कि वह फैसले का अध्ययन करने के बाद प्रतिक्रिया देंगे।

हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील करेंगे

वहीं, एक राइड-हेलिंग कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा- हम इस आदेश के खिलाफ अपील करेंगे। केंद्र सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि मोटरसाइकिलें कॉन्ट्रैक्ट कैरिज की परिभाषा में आती हैं, जो मोटर वाहन अधिनियम के तहत वैध है। हालांकि, केंद्र सरकार बाइक टैक्सी की अनुमति देती है, लेकिन परिवहन राज्य का विषय है, इसलिए इसकी कानूनी स्थिति तय करने का अधिकार राज्य सरकार के पास होता है।

नशा तस्कर महिला दोषी, परिवार के सदस्यों पर 22 मामले हैं दर्ज

नूरपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। (कांगड़ा)हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले में छन्नी की नशा तस्कर महिला ही नहीं, बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों पर भी एनडीपीएस एक्ट में मामले दर्ज हैं। नशा तस्कर महिला दलवीरो को न्यायालय ने 1 अप्रैल को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। महिला के रिहायशी मकान से पुलिस ने 30 मई 2017 को 6.150 ग्राम चिट्टा और 3,500 रुपये नकद बरामद किए थे। दोषी महिला नशा तस्कर के खिलाफ मादक द्रव्य अधिनियम में पांच मामले दर्ज हैं, जो विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन हैं। महिला तस्कर के परिवार के सदस्यों के खिलाफ भी नशीले पदार्थों की तस्करी के कुल 22 मामले दर्ज हैं।

इकरा हसन का उत्तराखंड में क्यों हो रहा विरोध? कैराना सांसद के खिलाफ प्रदर्शन के बाद जमकर हुई नारेबाजी

कैराना, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। (शामली)। देहरादून में हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने कैराना से समाजवादी पार्टी की वर्तमान सांसद इकरा हसन के ईद की नमाज को लेकर दिए बयान पर विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया। इसके बाद गुस्साए कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए सांसद का पोस्टर दहन किया। इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो तेजी से प्रसारित हुआ, जिसमें उत्तराखंड के देहरादून में हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता कैराना की वर्तमान सांसद इकरा हसन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में दिखाई दे रहे कार्यकर्ता कैराना सांसद द्वारा हाल ही में ईद की नमाज को लेकर दिए गए बयान पर आपत्ति जता रहे हैं। एक कार्यकर्ता तो सपा सांसद के घर के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने की बात कर रहा है। विरोध-प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ता सपा सांसद के पोस्टर का दहन कर देते हैं। इससे पूर्व सपा सांसद के खिलाफ संगठन के कार्यकर्ता जमकर नारेबाजी करते हैं। वहीं, वीडियो में सपा सांसद के विधायक भाई नाहिद हसन के बारे में भी टिप्पणी की गई है। गौरतलब है कि अलविदा जुमे पर सांसद इकरा हसन ने कहा था कि 10 मिनट की ईद की नमाज से देश की सरकारों को आपत्ति हो रही है। मुसलमानों से लगातार उनका हक छीना जा रहा है। वक्फ संशोधन विधेयक पर सदन में कैराना सांसद इकरा हसन ने कहा वक्फ बाई यूजर बिल मुसलमान की भलाई का नहीं ये उनकी विरासत व वजूद को मिटाने का बिल है। वहीं सरकार पर दोहरे रवैए को अपनाने की बात कही। समाजवादी पार्टी की कैराना सांसद इकरा हसन ने वक्फ संशोधन विधेयक के अवसर पर सदन में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड हटाने से लाखों की जमीन जायजाद अपना स्टेट्स खो देंगी। वहीं कुछ इस तरह के लोग सड़को पर भी आजाएंगे। उन्होंने कहा वक्फ बाई यूजर कका मतलब हैं कि जो जमीन जायजाद सालों से दीन व समाज के लिए प्रयोग की जा रही हो। वह खुद वक्फ की संपति मानी जाएगी। हिंदुस्तान की अदालतों ने भी तस्लीम किया हैं।

सास की हत्या कर बोरे में भरी लाश, फिर फरार हुई कातिल बहू; आरोपी परभणी से गिरफ्तार

जालना, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र। जालना जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई हैं, जहां एक महिला ने अपनी ही सास की कथित तौर पर हत्या कर शव को ठिकाने लगाने में असमर्थ होने पर घर से भाग गई। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार रात की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष नोपनी ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि आरोपी महिला प्रतीक्षा शिंगारे ने छह महीने पहले आकाश शिंगारे से शादी की थी। आकाश लातूर में एक निजी कंपनी में काम करता है। उन्होंने बताया कि आरोपी महिला अपनी सास सविता शिंगारे के साथ जालना की प्रियदर्शनी कॉलोनी में किराए के मकान में रहती थी। वो कथित तौर पर अपनी सास की हत्या कर फरार हो गई थी, जिसे परभणी शहर से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस उपनिरीक्षक राजेंद्र वाघ ने बताया कि रात दोनों महिलाओं के बीच बहस हुई, इस दौरान आरोपी महिला ने कथित तौर पर अपनी सास का सिर दीवार पर दे मारा और बाद में उस पर रसोई के चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में सविता शिंगारे की मौत हो गई। इसके बाद आरोपी बहू ने शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे एक बोरे में रखा। लेकिन वजन के कारण वह उसे हिला नहीं पाई और बुधवार सुबह करीब 6 बजे घर से भाग गई। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद वह अपने पैतृक शहर परभणी के लिए ट्रेन में सवार हो गई। बाद में घर के मालिक ने बैग में शव पाया और स्थानीय पुलिस को सूचना दी। वाघ ने बताया कि पुलिस ने इसके बाद आरोपी की तलाश शुरू की और उसे परभणी से गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पीड़िता की मौत सिर में चोट लगने के कारण हुई। उन्होंने बताया कि मामले की आगे जांच की जा रही है।

हिमाचल: भरमौर के लूणा में भीषण अग्निकांड

चार दुकानें और गाड़ी जलकर राख, लाखों का नुकसान

शिमला, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के भरमौर उपमंडल के अधीन आने वाले लूणा में आधी रात को हुए भीषण अग्निकांड में चार दुकानों समेत माल वाहक वाहन जलकर राख हो गया। इससे प्रभावितों को लाखों का नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। बुधवार रात के समय अचानक से दुकानों से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग के भीषण रूप ले लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने मौके पर पहुंच कर आग बुझाने के प्रयास आरंभ किए।

साथ ही अग्निशमन विभाग को भी सूचित किया। सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों संग आग बुझाने का काम शुरू किया। हालांकि, आग पर काबू पाने तक चार दुकानें जल चुकी थीं। गुरुवार सूचना मिलने के बाद राजस्व और प्रशासन की संयुक्त टीम मौके के लिए रवाना हुई। टीम आग से हुए नुकसान का आकलन करने के बाद रिपोर्ट भरमौर प्रशासन को सौंपेगी। एसडीएम भरमौर कुलवीर सिंह ने बताया कि लूणा में भीषण अग्निकांड में तीन दुकानें और एक माल वाहक वाहन जल गया है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

हाईकोर्ट ने भोपाल कलेक्टर को किया तलब

अवमानना याचिका में नहीं दी संबंधित जानकारी

जबलपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। आदेश के बावजूद भोपाल कलेक्टर ने जबलपुर हाईकोर्ट में कार्रवाई के संबंध में जानकारी प्रस्तुत नहीं की, जिसे गंभीरता से लेते हुए हाईकोर्ट के जस्टिस एके सिंह की एकलपीठ ने भोपाल कलेक्टर को तलब किया है। एकलपीठ ने अवमानना याचिका पर अगली सुनवाई 28 अप्रैल को निर्धारित की है। भोपाल निवासी अधिवक्ता अरविंद वर्मा द्वारा दायर अवमानना याचिका में कहा गया था कि रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण, मध्य प्रदेश ने बिल्डर के खिलाफ कलेक्टर भोपाल के माध्यम से लगभग 20 लाख रुपये प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत ब्याज के साथ आरआरसी वर्ष 2020 में जारी की थी। कलेक्टर द्वारा जारी आरआरसी का निष्पादन नहीं किए जाने के खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने याचिका का निराकरण करते हुए 60 दिनों में आरआरसी के निष्पादन के आदेश कलेक्टर भोपाल को जारी किए थे। हाईकोर्ट द्वारा निर्धारित समयावधि में आदेश का पालन नहीं किए जाने के कारण अवमानना याचिका दायर की गई थी।

हाईकोर्ट ने आरआरसी के निष्पादन के लिए तीस दिनों का समय प्रदान किया था। अपने आदेश में हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि यदि याचिकाकर्ता को दूसरी बार अवमानना याचिका दायर करनी पड़ी तो प्रथम और द्वितीय अवमानना याचिका की लागत जिला कलेक्टर भोपाल से वसूली जाएगी। निर्धारित समयावधि के बावजूद आदेश का पालन नहीं किए जाने के कारण दूसरी बार अवमानना याचिका दायर की गई है।

वक्फ बिल पर उद्धव ठाकरे ने खुद साफ किया स्टैंड, कहा- 'कुछ बदलाव अच्छे'

मुंबई, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन बिल को लोकसभा की मंजूरी मिल चुकी है। अब ये बिल राज्यसभा में पेश होगा। इससे पहले पक्ष-विपक्ष में घमासान मचा है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि इनके दिखाने के दांत अलग हैं और खाने के दांत अलग हैं। वक्फ विधेयक में कुछ बदलाव अच्छे भी हैं। उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस पर पलटवार करते हुए कहा, "वो कल मुस्लिमों पर भाषण दे रहे थे, तो आप बताओ किसने हिंदुत्व छोड़ा है।" साथ ही उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी झंडे से हरा रंग हटा दे। ठाकरे ने कहा कि अनुच्छेद 370 का समर्थन किसने किया? हमने इसका समर्थन किया। उन्होंने सौगात ए मोदी किट पर तंज कसते हुए कहा, "ईद हुई है, सबने ईद में बहुत कुछ खा कर डकार दिए हैं, कल वक्फ बिल विधेयक पेश किया गया। कल यह विधेयक किरण रिजिजू ने पेश किया। जिन्होंने गोमांस को लेकर बयान दिया था।"

बीजेपी के निशाने पर उद्धव ठाकरे

दरअसल, बीजेपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना उद्धव ठाकरे पर वक्फ बिल को लेकर निशाना साध रही है। शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे ने ठाकरे पर तंज कसते हुए कहा कि यूबीटी को अपनी अंतरात्मा से पूछना चाहिए कि बालासाहेब होते तो क्या ये यहां भाषण कर पाते। वक्फ बिल का शिवसेना यूबीटी विरोध कर रही है।

पेट के अंदर थी ककड़ी जितनी बड़ी पथरी, सर्जरी करने वाले डॉक्टरों की भी फटी रह गईं आंखें

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पथरी की बीमारी से बहुत से लोग परेशान हैं। शुरुआत में लोग इस बीमारी को अनदेखा कर देते हैं, लेकिन कई बार ये बड़ी समस्या बन जाती है। एक मामला दिल्ली से सामने आया है, जहां डॉक्टरों ने एक महिला के पित्ताशय से ककड़ी के साइज की पथरी ऑपरेशन से निकाली है। इस पथरी को देखकर डॉक्टर भी हैरान थे। महिला के पेट में 88 मिमी लंबी पथरी थी। पित्ताशय की लंबाई सामान्य तौर पर 10 सेमी और चौड़ाई 3 से 4 सेमी होती है, लेकिन महिला के पित्ताशय में 88 मिमी की पथरी थी। इसकी वजह से गंभीर सूजन, संक्रमण और पित्ताशय के फटने का भी खतरा बना हुआ था। महिला इस समस्या से पिछले 5 सालों से जूझ रही थी। हालांकि शुरुआत में महिला को पेट में दर्द और उल्टी जैसी परेशानियां हुई थीं, लेकिन उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया था।

इनवेसिव लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी टेक्नोलॉजी

88 मिमी की पथरी को ऑपरेशन के जरिए निकालने की भी डॉक्टरों के सामने एक बड़ी चुनौती थी। हालांकि 66 साल की महिला के पित्ताशय का ऑपरेशन सफलतापूर्वक कर लिया गया और पथरी को बाहर निकाल लिया गया। न्यूनतम इनवेसिव लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर महिला का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अब महिला की हालत ठीक है।

देश में पहली बार सामने आया ऐसा केस

महिला का ऑपरेशन करने वाले डॉक्टरों ने ये दावा किया है कि देश में पहली बार ऐसा कोई केस सामने आया है, जब किसी के पित्ताशय से इतनी बड़ी पथरी निकाली गई हो। लेप्रोस्कोपिक, जीआई और जनरल सर्जरी डिपार्टमेंट के चीफ डॉक्टर आदर्श कुमार चौहान ने बताया कि पथरी अक्सर बिना किसी लक्षण के विकसित हो जाती है। हालांकि कुछ केस ऐसे होते हैं, जिनमें पेट दर्द और उल्टी जैसी परेशानी होती है। लेकिन कुछ लोगों को पथरी होने के बाद भी कोई परेशानी नहीं होती और फिर अचानक से मरीज की तबीयत बहुत ज्यादा बिगड़ जाती है। पथरी की समस्या बहुत से लोगों में देखने को मिलती है। ज्यादातर लोगों के गुर्दे में पथरी हो जाती है, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है।

'कल रात संसद में सब बेनकाब हो गए'

वक्फ बिल पर लोकसभा में मुहर के बाद जेडीयू में महाभारत

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन बिल को लेकर अब जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में घमासान मच गया है। संसद में वक्फ बिल का समर्थन करने पर नीतीश कुमार की पार्टी में ही विरोध के स्वर उठने लगे हैं। जेडीयू महासचिव मौलाना गुलाम रसूल बलियावी ने अपनी पार्टी के स्टैंड पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस बिल पर सेक्युलर और कम्यूनल सब बेनकाब हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इस बारे में वो जल्द बैठक कर रणनीति बनाएंगे। वहीं, जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि बिल पर चर्चा के बाद सारे भ्रम दूर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने वोट के लिए लोगों में भ्रम फैलाने की कोशिश की है।

लोकसभा में मुहर, अब राज्यसभा की बारी

वक्फ संशोधन बिल को लेकर नरेंद्र मोदी की सरकार ने लोकसभा में बिल को पास कराकर पहली अग्निपरीक्षा तो पास कर ली है लेकिन मोदी सरकार को आज दूसरी अग्निपरीक्षा से गुजरना होगा। राज्यसभा में दोपहर 1 बजे बिल पेश किया जाएगा। बिल पर राज्यसभा में बहस होगी, उसके बाद वोटिंग की प्रक्रिया होगी।

क्या है नंबर गेम?

अगर राज्यसभा का नंबर गेम देखें तो आंकड़ा यहां भी सरकार के फेवर में है। क्योंकि राज्यसभा में मौजूदा सांसदों की संख्या 236 है और बिल को पास कराने के लिए 119 सांसदों की जरुरत पड़ेगी। एनडीए जो बिल का सपोर्ट कर रही है उसके सांसदों की संख्या 119 है और 6 मनोनीत सदस्य हैं जो सरकार का साथ ही देते हैं। ऐसे में बिल के समर्थन में 125 सांसद हैं। तो वहीं, बिल का विरोध करने वाली इंडिया ब्लॉक के सांसदों की संख्या 88 है और वाईएसआर कांग्रेस ने बिल का विरोध करने का ऐलान कर दिया है। ऐसे में बिल का विरोध करने वालों का आंकड़ा बढ़कर 95 हो जा रहा है। जबकि 16 सांसद ऐसे हैं जिनपर संस्पेंस है कि वो बिल का समर्थन करेंगे या विरोध। सरकार का कहना है कि विपक्ष इस पर सिर्फ फेक नैरेटिव फैला रही है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 4 अप्रैल - 2025

ट्रंप टैरिफ का भारत पर क्या असर पड़ेगा ?

अशोक भाटिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को वह कर दिया है, जिसकी धमकी वह वॉइट हाउस में वापसी के बाद से दे रहे थे। उन्होंने बुधवार को दुनियाभर के देशों के खिलाफ व्यापक टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी, जिसमें भारत भी शामिल है। ट्रंप ने जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान करते हुए इसे अमेरिका का स्वतंत्रता दिवस बताया। वॉइट हाउस के रोज गार्डन में बोलते हुए ट्रंप ने कहा, 'यह हमारी स्वतंत्रता की घोषणा है। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने टैरिफ की घोषणा करते हुए कहा यह मुक्ति दिवस है, एक ऐसा दिन जिसका हम लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। 2 अप्रैल 2025 को हमेशा उस दिन के रूप में याद किया जाएगा जिस दिन अमेरिकी इंडस्ट्री का पुनर्जन्म हुआ था, जिस दिन अमेरिका की नियति को फिर से प्राप्त किया गया था, और जिस दिन हमने अमेरिका को फिर से अमीर बनाना शुरू किया था, हम इसे अमीर, अच्छा और अमीर बनाने जा रहे थे। ट्रंप के भारत सहित दुनिया के कई देशों पर लगाए गए टैरिफ ने चौतरफा ट्रेड वॉर की आशंका को बढ़ा दिया है। ट्रंप ने कहा कि हमारे देश को अन्य देशों द्वारा लूटा गया है। साथ ही ट्रंप ने कहा कि करदाताओं को 50 से अधिक वर्षों से लूटा जा रहा है, लेकिन अब ऐसा नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा, ₹मैं दुनिया भर के देशों पर पारस्परिक (रेसिप्रोकल) टैरिफ लगाने वाले एक ऐतिहासिक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर रहा हूं। रेसिप्रोकल, इसका मतलब है कि वे हमारे साथ जैसा कर रहे हैं, वैसा ही हम उनके साथ करेंगे।₹ ट्रंप ने विदेश से आने वाली सभी वस्तुओं पर 10% से लेकर 49% तक टैरिफ लगाने की घोषणा की। इनमें भारत से आने वाले सामानों पर 26% टैरिफ के अलावा चीन से आने वाले सामानों पर 34% टैरिफ, यूरोपीय संघ से आने वाले सामानों पर 20% टैरिफ और यूनाइटेड किंगडम से आने वाले सामानों पर 10% टैरिफ शामिल है। साथ ही वियतनाम पर 46% टैरिफ, ताइवान पर 32%, जापान पर 24%, दक्षिण कोरिया पर 25%, थाईलैंड पर 36% और कंबोडिया पर 49%। अगर रेंज देखें तो तमाम देशों पर 10% से लेकर 49% तक के व्यापक टैरिफ लागू किए हैं। ज्ञात हो कि पिछले कुछ हफ्तों में भारत ने भी अपने टैरिफ़ सिस्टम में बदलाव किया है। भारत ने 8,500 औद्योगिक वस्तुओं पर आयात शुल्क कम कर दिया है। इनमें अमेरिकी सामान जैसे कि बर्बन व्हिस्की और हार्ले-डेविडसन की महंगी मोटरसाइकिलें शामिल हैं। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति की एक पुरानी शिकायत दूर हो गई है। भारत ने यह भी संकेत दिया है कि वह अमेरिका से ज़्यादा तेल, LNG और रक्षा उपकरण खरीदेगा। अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि आगे और भी टैरिफ़ में कटौती की जाएगी। ट्रंप के ताजा टैरिफ से भारत पर अपने टैरिफ सिस्टम में और भी ज़्यादा कटौती करने का दबाव बढ़ेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबक भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों पर शुल्क में कटौती की अमेरिकी मांगों पर विचार कर रहा है। नए टैरिफ से भारत पर गैर-टैरिफ व्यापार बाधाओं को हटाने का भी दबाव बढ़ सकता है। इनमें कुछ आयातों पर अपारदर्शी आयात प्रतिबंध और लाइसेंसिंग आवश्यकताएं शामिल हैं। अपारदर्शी का मतलब है कि ये नियम और प्रतिबंध स्पष्ट नहीं हैं और आसानी से समझ में नहीं आते हैं। मौजूदा तथ्यों के बावजूद कि भारत और अमेरिका को किसी भी आर्थिक मानदंड पर समान नहीं किया जा सकता है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की 2 अप्रैल से अमेरिका की यात्रा के दौरान घोषणा की कि भारतीय उत्पादों पर समान आयात शुल्क लगाया जाएगा। वास्तव में, ट्रम्प के दूसरी बार पद संभालने के बाद मोदी की यह पहली अमेरिका यात्रा थी। लेकिन फिर भी, ट्रम्प ने सभी राजनयिक प्रोटोकॉल को एक तरफ रख दिया और भारत पर एक समान आयात शुल्क की घोषणा की। यह भारत की दूसरी उपमा है। इससे पहले, ट्रम्प प्रशासन ने उन्हें हाथों-हाथ सैन्य विमान पर घर भेजकर हमारा अपमान किया था। उस समय, हमने वास्तव में अमेरिकी कार्रवाई का विरोध किया, लेकिन यह नहीं मिला, क्योंकि जब मोदी अमेरिका में थे, तब भी अमेरिका भारतीय शरणार्थियों पर यही कर भेजता रहा। ऐसा लगता है कि यह वास्तव में आ जाएगा। दरअसल, भारतीय उद्यमी इस उम्मीद में जी रहे थे कि मोदी और ट्रंप की दोस्ती उन्हें बचा लेगी। लेकिन ऐसा होने के कोई संकेत नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि अंतिम समय में ₹ट्रम्पोजी के दिमाग में आओ₹ कहकर भारत के बैग में कुछ रियायतें नहीं डाली जाएंगी। लेकिन यह संभावना धूमिल लगती है। ऐसी स्थिति में, हमें यह अनुमान लगाने की आवश्यकता है कि यदि यह आयात कर समानता वास्तविकता बन जाती है तो क्या होगा। यह इस समय सीमा की पूर्व संध्या पर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा जारी एक रिपोर्ट में परिलक्षित होता है, देश का व्यापार विभाग, जिसका शीर्षक 'विदेश व्यापार बाधाओं पर राष्ट्रीय व्यापार अनुमान' है, जो भारत द्वारा लगाए गए आयात करों का विवरण देता है। कृषि उत्पाद, मोटर और संबंधित उद्योग, दवाएं और शराब चार कारक हैं जो संयुक्त राज्य अमेरिका के गुस्से का कारण बने हैं। यह अमेरिका की शिकायत है। ट्रम्प ने पहले अल्ट्रा-रिच हार्ले-डेविडसन पर भारत में लगाए गए कर पर टिप्पणी की थी। शुरू में, उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया। लेकिन जब उन्हें एहसास हुआ कि मामला गंभीर है, तो ट्रम्प संतुष्ट नहीं दिखे। वह संतुष्ट नहीं लग रहे हैं। वह चाहते हैं कि भारत मोटर उद्योग से संबंधित सभी करों में कटौती करे। दूसरा मुद्दा दवाओं का है। हम चीन के बाद सबसे बड़े थोक दवा निर्माता हैं। हम इससे रसायन बनाते हैं। उन्हें अमेरिकी कंपनियों द्वारा खरीदा जाता है। अमरीका उन पर लगाए गए आयात शुल्क को स्वीकार नहीं करता है जब उन्हें अंतिम रूप से भेषज उत्पादों में परिवतत किया जाता है और वे भारतीय बाजार में आते हैं। हम स्थानीय उत्पादों को आकर्षक बनाने के लिए विदेशी आयातित वस्तुओं/उत्पादों पर आयात कर लगाते हैं। ट्रंप चाहते हैं कि रेट कम किया जाए। वही विदेशी शराब के लिए जाता है। ब्रिटेन ने भी इस मुद्दे को उठाया है और यह भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते में एक बड़ी बाधा रहा है। इसकी एक वजह उन देशों में शराब की गुणवत्ता और भारतीय बाजार में बढ़ती मांग है। बड़े पैमाने पर भारतीय उन लक्जरी शराब का खर्च नहीं उठा सकते हैं। साथ ही, हमने 'भारत निर्मित विदेशी शराब' की भ्रामक श्रेणी बनाई और विदेशी बाजार में बसने की कोशिश की। वह असफल रहा। शराब बनाने के 'उनके' नियमों के कारण, हम कहते हैं कि हमें उन्हें लागू नहीं करना चाहिए। क्योंकि हमारे देश में अधिक गर्मी है, यह तर्क कि शराब कम समय में मर जाती है, अमेरिकी देशों को स्वीकार्य नहीं है। इसलिए हमारी शराब पर प्रतिबंध हैं और हम देखते हैं कि उनकी शराब कैसे अधिक से अधिक महंगी हो जाएगी। ट्रम्प इस बात को स्वीकार नहीं करते हैं। इसलिए, उनकी स्थिति यह है कि भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में उतना ही कर लगाया जाना चाहिए जितना भारत इन चार घटकों में अमेरिकी उत्पादों पर लगाता है। इसका मतलब है कि अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पाद और महंगे हो जाएंगे और उनकी मांग घट जाएगी। दूसरे शब्दों में, इन उत्पादों के भारतीय निर्माता प्रभावित होंगे। नतीजतन, हमारी पहले से ही धीमी अर्थव्यवस्था और भी धीमी हो जाएगी। इससे बचने के लिए हमारे सामने एक ही उपाय है कि हम अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क कम करें। ट्रंप की बयानबाजी यह है कि उन्होंने पारस्परिक रूप से यह भी कहा है कि भारत आयात करों की मात्रा कम करने के लिए तैयार है। ये कटौती वास्तव में हो रही है या नहीं, यह अब पता चलेगा। लेकिन ऐसा करना उतना आसान नहीं है जितना लगता है। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर हम वास्तव में अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क कम करते हैं, जैसा कि ट्रंप चाहते हैं, तो इसका नतीजा यह होगा कि इस क्षेत्र में अमेरिकी उत्पादों की कीमतें भारतीय बाजार में कम हो जाएंगी और उनकी मांग बढ़ जाएगी। यह स्पष्ट है कि यह केवल स्थानीय उत्पादों और परिणामस्वरूप हमारे कारखानों को प्रभावित करेगा। यह एक 'अच्छी तरह से यहाँ और वहाँ' स्थिति है। सवाल यह है कि हम इसके माध्यम से कैसे प्राप्त करते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है।

नक्सलियों पर नकेल

केंद्र सरकार ने नक्सल प्रभावित राज्यों की लिस्ट में बदलाव किया है। इसके तहत बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल और उत्तर प्रदेश को इस लिस्ट से बाहर कर दिया गया है। इसका मतलब है कि अब इन राज्यों को सुरक्षा संबंधी खर्च के लिए केंद्र से मदद नहीं मिलेगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2004 से 2024 के बीच लेफ्ट विंग उग्रवादियों ने 8,851 लोगों की हत्या की है। सरकारी प्रयासों के चलते उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है। अब उग्रवाद सिर्फ 18 जिलों तक ही सीमित रह गया है जबकि पहले यह संख्या 38 थी। जिस राज्यों में नक्सली गतिविधियों में कमी है सरकार ने उसे ही नक्सल मुक्त राज्य घोषित किया है। जिन जिलों में अभी नक्सली खतरा बाकी है वहां सरकार विकास कार्य के जरिए और सुरक्षा बलों की तैनाती करके स्थिति को सामान्य करने की कोशिश कर रही है। बता दें कि साल 2004 में पीपुल्स वॉर और माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर ऑफ इंडिया (एमसीसीआई) के विलय से सीपीआई(माओवादी) बना था। उस समय पीपुल्स वॉर आंध्र प्रदेश में सक्रिय था तो एमसीसीआई बिहार और आसपास के इलाकों में फैला हुआ था। गृह मंत्रालय के बयान के मुताबिक एसआरई योजना के तहत केंद्र सरकार ने 2017-18 से अब तक 2,568.49 करोड़ रुपये जारी किए हैं। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल को इस कार्यक्रम के तहत फंडिंग मिली थी। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2004 से 15 दिसंबर 2024 तक भारत के अलग-अलग हिस्सों में वामपंथी उग्रवादियों ने 8,851 लोगों की जान ली है। इनमें से ज्यादातर आदिवासी हैं, जिन्हें अक्सर 'पुलिस मुखबिर' बता कर मौत के घाट उतार दिया गया। समीक्षा के बाद छत्तीसगढ़ के चार जिलों (बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा) और झारखंड के (पश्चिम सिंहभूम) और महाराष्ट्र के (गढ़चिरौली) से एक-एक जिले को एलडब्ल्यूई प्रभावित जिलों की लिस्ट से हटा दिया गया है। चिंताजनक जिलों की संख्या भी 9 से घटकर छह रह गई है। ये 6 जिले आंध्र प्रदेश (अल्लूरी सीतारामा राजू), मध्य प्रदेश (बालाघाट), ओडिशा (कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी) और तेलंगाना का (भद्राद्री-कोठागुडेम) हैं। अन्य प्रभावित जिलों की संख्या 17 से घटकर छह हो गई है। ये जिले छत्तीसगढ़ का (दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी), झारखंड (लातेहार), ओडिशा (नुआपाड़ा) और तेलंगाना (मुलुगु) में हैं। इस बीच, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय 34 जिलों में सड़क संपर्क बढ़ाने के लिए एक कार्यक्रम चला रहा है। इस योजना में 5,361 किलोमीटर सड़कों का निर्माण शामिल था, जिनमें से 5,178 किलोमीटर सड़कें बन चुकी हैं। सरकार ने नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास कार्य में तेजी लाई है। सड़कों के बनने से लोगों को आने-जाने में आसानी हो रही है। साथ ही, सुरक्षा बलों की तैनाती से नक्सलियों पर अतिरिक्त दबाव बना हुआ है। इससे उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में नक्सलवाद पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। गृह मंत्रालय के मुताबिक सरकार लगातार स्थिति पर नजर रखे है। जिन इलाकों में अभी भी खतरा है, वहां विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि इन इलाकों में भी जल्द ही शांति स्थापित हो जाए। इसके लिए विकास कार्य में तेजी लाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध दिखाई दे रही है।

मानव निर्मित विकास को क्षणभंगुरता का अहसास कराते भूकम्प

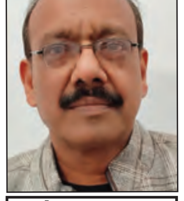

मनोज कुमार अग्रवाल

यह प्रकृति है जब अपना विकराल रौद्र रूप दिखाती है, तो इंसान की बनाई ऊंची-ऊंची इमारतें भी कुछ ही क्षण में धूल धुसरित हो जाती हैं। बेशक मानव अंतरिक्ष तक उडान भरे चांद और कई अन्य ग्रहों को छू लेने वाला विज्ञान भी विकसित करे लेकिन प्राकृतिक आपदाओं के सामने विवश है। बीते शुक्रवार को म्यांमार और थाईलैंड में आए 7.7 तीव्रता के भीषण भूकंप ने विनाश का ऐसा तांडव मचाया है कि दोनों देशों में त्राही त्राही मच गयी है। इन दोनों ही देशों में भूकप के झटके इतने तीव्र थे कि म्म्यांमार की राजधानी नेपीडों और थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में ऊंची इमारतें झूलने लगीं और हजारों लोग जान बचाने के लिए घरों से बाहर भाग निकले। भूकंप का केंद्र म्यांमार में था और इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.7 होने के कारण इन दोनों ही देशों में कई बहुमंजिला इमारत भूकंप के झटकों से भरभराकर कह गई। शुरुआती खबरों के अनुसार, अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और जर्मनी के जीएफजेड भूविज्ञान केंद्र ने जानकारी दी है कि दोपहर को यह भूकंप 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर आया, जिसका केंद्र पड़ोसी देश म्यांमार में था। अकेले म्यांमार में 144 लोगों की मौत हुई है, जबकि यहां 732 लोग घायल हैं। वहीं, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में अंडर कंस्ट्रक्शन 30 मंजिला इमारत गिर गई। इस साइट पर 400 लोग काम कर रहे थे। इनमें से 80 लोग लापता हैं, जबकि 3 लोगों की मौत हुई है। मृतकों और घायलों की संख्या में बढ़ोत्तरी होने की उम्मीद है।आपको पता रहे कि भूकंप पृथ्वी के अंदर अचानक होने वाली हलचल है जो जमीन को हिला देती है, और यह टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने या खिसकने से होता है। कुछ प्रमुख भूकंपों के हादसे समूचे मानव सभ्यता पर गहरे घाव देकर गए आपको बता दें कि 2004 का हिंद महासागर भूकंप:26 दिसंबर 2004 को हिंद महासागर में आए इस भूकंप की तीव्रता 9.0-9.3 थी, जिसने विनाशकारी सुनामी पैदा की और 2,00,000 से अधिक लोगों की जान ले ली. 1960 का वाल्डिविया भूकंप (चिली): 22 मई 1960 को चिली में आया यह भूकंप रिक्टर पैमाने पर 9.5 तीव्रता का था, जो अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप था. 1934 का नेपाल-बिहार भूकंप: 15 जनवरी 1934 को नेपाल और बिहार में 8.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे भारी तबाही हुई. 2001 का भुज भूकंप (भारत): 26 जनवरी 2001 को गुजरात में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे 20,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई. 1993 का लातूर भूकंप (भारत) में 30 सितंबर 1993 को महाराष्ट्र में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे 7,600 लोगों की मौत हो गई. 1991 का उत्तर प्रदेश भूकंप: 20 अक्टूबर 1991 को उत्तर प्रदेश में 6.6 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे 768 लोगों की मौत हो गई थी। ताज़ा भूकम्प के बारे में अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, इस भूकंप से होने वाली मौतों की आशंका को रेड कैटेगरी में रखा गया है। इस कैटेगरी में 10 हजार से 1 लाख मौतें तक हो सकती हैं, जिसकी संभावना 34 प्रतिशत यानी सबसे ज्यादा है। म्यांमार, जो दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में से एक पर स्थित है और इस देश पर प्रकृति का कहर टूटा है। अगर देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों में कुदरत के अक्रोश के जो खतरनाक मंजर देखने को मिले हैं उन्हें देखकर ऐसा लगता है कि प्रकृति मानव के व्यवहार को लेकर काफी नाराज है और वह भूकंप, सुनामी, बालू, तूफान आदि के रूप में मानव को अपनी चपेट में ले रही है।

स्कूलों में बच्चों को बंट रहे खाने में न्यूट्रिएंट की कमी

पुनीत उपाध्याय

यूनेस्को ने विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले भोजन यानि मिड-डे-मील में न्यूट्रिएंट की कमी पर चिंता जताते हुए स्वस्थ और अधिक पौष्टिक खाद्य पदार्थों के उपयोग और स्कूली पाठ्यक्रम में खाद्य शिक्षा को शामिल करने की वकालत की है। यूनेस्को की रिपोर्ट बच्चों के स्वास्थ्य और सीखने में स्कूली भोजन के महत्व को रेखांकित करती है। 27 और 28 मार्च को फ्रांस द्वारा आयोजित 'पोषण के लिए विकास' सेमिनार के अवसर पर यूनेस्को ने परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक नई रिपोर्ट प्रकाशित की। रिपोर्ट से पता चलता है कि 2022 में दुनिया भर में लगभग करीब 27 फीसदी स्कूली भोजन पोषण विशेषज्ञों के परामर्श से तैयार नहीं किए गए थे। मूल्यांकन किए गए 187 देशों में से केवल 93 देशों में स्कूल के भोजन और पेय पर कानून, मानक या दिशा-निर्देश थे और इन 93 देशों में से केवल 65 फीसदी में स्कूल कैफेटेरिया, खाद्य दुकानों और वेंडिंग मशीनों में भोजन और पेय की बिक्री को नियंत्रित करने वाले मानक थे। यूनेस्को महानिदेशक ऑड्रे अज़ोले के अनुसार हाल के वर्षों में किए गए निवेशों की बदौलत दुनिया के लगभग आधे प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को अब स्कूली भोजन उपलब्ध है लेकिन हमें और आगे जाकर यह देखने की ज़रूरत है कि उनकी थाली में क्या है। हमें संतुलित भोजन और बच्चों को स्वस्थ रहने के लिए अच्छी खाने की आदतें सिखाने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। यह स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए एक बड़ा मुद्दा है। खाद्य शिक्षा के लिए यूनेस्को के सद्भावना राजदूत डेमियन हम्म के अनुसार स्कूल एक ऐसा स्थान होना चाहिए जहां स्वस्थ आदतें विकसित की जाएं न कि उन्हें कमतर आंका जाए। स्थानीय रूप से उत्पादित, ताज़ा स्कूली भोजन खाना, पोषण विशेषज्ञों द्वारा दिया जाना बच्चे की शिक्षा का हिस्सा है।ताजा और न्यूनतम प्रसंस्कृत भोजन को प्राथमिकता अपनी रिपोर्ट में यूनेस्को ने स्कूल में पोषण में सुधार के लिए कई सकारात्मक पहलों पर प्रकाश डाला है। ब्राज़ील ने हाल ही में अल्ट्रा.प्रोसेस्ड उत्पादों पर प्रतिबंध लगाए हैं। चीन में ग्रामीण स्कूलों में सब्जियां, दूध और अंडे शुरू करने वाले सुधारों ने बच्चों के पोषक तत्वों के सेवन में वृद्धि की है और स्कूल में उपस्थिति बढ़ाने में मदद की है। नाइजीरिया में 2014 में शुरू किए गए होम-ग्रोन स्कूल फीडिंग प्रोग्राम ने प्राथमिक स्कूल में नामांकन दर में 20 फीसदी की वृद्धि की है। भारत में महाराष्ट्र राज्य में स्कूल के भोजन में आयरन से भरपूर फोर्टिफाइड ऑर्गेनिक मोती बाजरा की शुरूआत ने किशोरों की ध्यान अवधि और याददाश्त में सुधार किया है। यूनेस्को की मंशा है कि सरकारों और शिक्षा हितधारकों को ताजा, स्थानीय उपज पर आधारित स्कूल भोजन प्रदान करने और शर्करायुक्त और अति प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की उपस्थिति को कम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। स्कूल पाठ्यक्रम में खाद्य शिक्षा को शामिल किया जाना चाहिए। इस वर्षए यूनेस्को सरकारों और शिक्षा पेशेवरों के लिए इन स्वास्थ्य और पोषण मुद्दों को बेहतर ढंग से एकीकृत करने के उद्देश्य से उपकरणों की एक श्रृंखला विकसित करेगा जिसमें एक व्यावहारिक मैनुअल और एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल है। शिक्षा और पोषण का है सीधा संबंध रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक खाद्य असुरक्षा एक बढ़ता हुआ जोखिम है जो जलवायु परिवर्तनए संघर्ष और आर्थिक अस्थिरता से और भी बढ़ गया है। इस बीच खाद्य उत्पादन प्रथाओंए अस्वास्थ्यकर आहार पैटर्न के विपणन और गतिहीन जीवन शैली के कारण मोटापे की दर में वृद्धि हुई है। खाद्य सुरक्षा बेहतर पोषण शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाता है। पर्याप्त प्रारंभिक बचपन का पोषण विकास, शैक्षिक प्राप्ति और समग्र कल्याण के लिए मौलिक है। पौष्टिक स्कूली भोजन और अनुभवात्मक सीखने के अवसर प्रदान करने वाली शैक्षिक व्यवस्थाएँ व्यक्तियों को ऐसे आहार विकल्पों को अपनाने में मदद करती हैं जो व्यक्तिगत स्वास्थ्य और ग्रहीय स्थिरता दोनों के लिए लाभकारी हों। स्पष्ट अंतरनिर्भरता के बावजूद शिक्षा और पोषण के बीच संबंधों पर अभी भी कम शोध किया गया है। भारतः मद्रास नगर निगम ने 1925 में ही कर दी थी शुरुआत भोजन और शिक्षा भारत की गरीब आबादी के बीच चिंता के दो सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। सीमित साधनों के साथ रहने वाले लोगों के पास खाद्य संसाधनों तक सीमित पहुंच होती है और वे शायद ही कभी औपचारिक शिक्षा में दाखिला लेते हैं।

बच्चे जो भारत का भविष्य हैं, निम्न आय वर्ग से संबंधित हैं, उन्हें ये दो बुनियादी ज़रूरतें नहीं मिलती हैं। इसलिए शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों को बुनियादी पोषण प्रदान करने के लिएए भारत सरकार द्वारा मध्याह्न भोजन योजना शुरू की गई थी। इस योजना को आधिकारिक तौर पर प्राथमिक शिक्षा के लिए पोषण सहायता का राष्ट्रीय कार्यक्रम कहा जाता था। सितंबर 2021 में कार्यक्रम का नाम बदलकर पीएम पोषण कर दिया गया। यूं तो मध्याह्न भोजन योजना आधिकारिक तौर पर 15 अगस्तए 1995 को शुरू की गई थी, लेकिन इसका इतिहास स्वतंत्रता पूर्व काल से जुड़ा हुआ है। मद्रास नगर निगम में वर्ष 1925 में वंचित बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन कार्यक्रम शुरू किया गया था। 1980 के दशक के मध्य तक मध्याह्न भोजन कार्यक्रम केरल, गुजरात, तमिलनाडु और पांडिचेरी के स्कूलों में एक आम बात बन गई। इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था करने के लिए अपने स्वयं के संसाधनों का उपयोग किया। वर्ष 1990-91 तक मध्याह्न भोजन कार्यक्रम अपनी लोकप्रियता और सार्वभौमिक प्रासंगिकता के कारण भारत के 12 राज्यों में लागू किया गया था। अगस्त 1995 में इस योजना को प्राथमिक शिक्षा के लिए पोषण सहायता के राष्ट्रीय कार्यक्रम के नाम से आधिकारिक तौर पर शुरू किया गया। 1995 में यह योजना भारत में केवल 2048 ब्लॉकों में शुरू की गई थी। वर्ष 1997-98 तकए यह योजना देश के सभी भागों में लागू हो गई। शुरू में इस योजना में सरकारी स्कूलों, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों या स्थानीय स्कूलों में कक्षा 1 से 5 में पढ़ने वाले बच्चे शामिल थे। 2002 मेंए इस योजना को शिक्षा गारंटी योजना और वैकल्पिक और अभिनव शिक्षा केंद्रों में पढ़ने वाले बच्चों को शामिल करने के लिए विस्तारित किया गया था। अक्टूबर 2007 में लगभग 1.7 करोड़ अतिरिक्त बच्चों को इस योजना के तहत शामिल किया गया। हमारे यहां समुदाय की भागीदारी बढ़ाने का भी हो रहा प्रयास तिथि भोजन की अवधारणा एक नई अवधारणा है जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया है। इस पहल का उद्देश्य मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के अंतर्गत समुदाय की भागीदारी को बढ़ाना भी है। हालांकि, योजना के अंतर्गत आने वाले बच्चों की माताओं को प्रोत्साहित करने के बजाए तिथि भोजन का उद्देश्य समुदाय के सदस्यों को मध्याह्न भोजन योजना में भाग लेने और योगदान देने के लिए शामिल करना है। तिथि भोजन की अवधारणा को सबसे पहले गुजरात में लागू किया गया था और उसके बाद इसे सभी भारतीय राज्यों में लोकप्रिय बनाया गया। इस अवधारणा का उद्देश्य समुदाय के सदस्यों को मध्याह्न भोजन कार्यक्रम में स्वेच्छा से योगदान करने के लिए लक्षित करना है। किसी विशेष त्यौहार या अवसर पर रसोई के बर्तन या भोजन के रूप में योगदान दिया जा सकता है।

भारतीय न्यायपालिका को चेक एवं बैलेंस सिस्टम की जरूरत

वीरेंद्र सिंह परिहार

न्याय में अत्यधिक देरी, न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति में गोपनीयता और न्यायिक अधिकारियों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपो के कारण न्यायिक सुधारो की मांग देश में पिछले कई वर्षों से की जा रही है लेकिन अब जस्टिस यशवंत वर्मा के प्रकरण के चलते यह एक राष्ट्रव्यापी ज्वलंत मुद्दा बन गया है। इस संबंध में बहुत पहले जस्टिस ब्यकंट चलैया समिति जजों की नियुक्ति में पारदर्शिता, न्यायिक जवाबदेही और अनुशासन की बात पर जोर दे चुकी है। देश में इसके लिए एक राष्ट्रीय न्यायिक आयोग की जरूरत सतत महसूस की जाती रही। इस संबंध में 2014 में सत्ता में आने पर मोदी सरकार ने न्यायपालिका में सुधारो के लिए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग का गठन किया लेकिन अक्टूबर 2015 में सर्वोच्च न्यायालय ने उसे यह कहते हुए निरस्त कर दिया की संविधान द्वारा न्यायपालिका की स्वतंत्रता का अधिकार है और राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्त आयोग से इस अधिकार में हस्तक्षेप का डर होगा। यद्यपि 1030 पेज के फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्वीकार किया कि कॉलेजियम प्रणाली में कुछ खामियां हैं जैसे पारदर्शिता की कमी। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस संबंध में सरकार और याचिकाकर्ता से मदद भी चाही गई। इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सरकार से एमओपी जिसे मेमोरेंडम ऑफ प्रोसीजर कहते हैं वह बनाने को कहा गया जिसे मोदी सरकार ने जुलाई 2015 में ही प्रस्तुत कर दिया। इसमें यह लेख किया गया कि कॉलेजियम जिन नामों पर विचार करें, उन नामों की योग्यता और पात्रता साफ-साफ दिखने चाहिए। कॉलेजियम द्वारा प्रस्तावित नाम की ईमानदारी और निष्ठा पूरी तरह असंदिग्ध होनी चाहिए। किसी सेशन जज को हाई कोर्ट का जज बनते समय उसके पूर्व के 15 वर्ष का पूरे कामकाज का ब्योरा संलग्न किया जाना चाहिए। एक स्थाई पारदर्शी और एक समान सचिवालय बनना चाहिए। उसका मुखिया और प्रक्रिया भी तय होना चाहिए लेकिन बड़े दुर्भाग्य का विषय है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सरकार की इस पहल को भी गंभीरता से नहीं लिया गया और मामला जहां का तहा अटका पड़ा है। जस्टिस ब्यकट चलैया ने भी एक न्यायिक आयोग जैसी संस्था के गठन की जरूरत महसूस की थी और कमोबेश उसी तर्ज पर मोदी सरकार द्वारा न्यायिक नियुक्त आयोग का गठन किया गया था पर सर्वोच्च न्यायालय ने इस आपत्ति के साथ इसे खारिज कर दिया कि विधि मंत्री और दो विधि विशेषज्ञ जो इस कमेटी के सदस्य होंगे, उससे न्यायिक आजादी में दखल होगा पर लोगों को यह समझ में नहीं आया कि उक्त आयोग में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के साथ दो वरिष्ठतम जज तो होते ही, इसके साथ ही दोनों विधि विशेषज्ञों के चुनाव में प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता के साथ मुख्य न्यायाधीश को भी उनके चयन का अधिकार होता पर सर्वोच्च न्यायालय न्यायालय की आजादी के नाम पर भारतीय संविधान की मूल अवधारणा चेक एंड बैलेंस सिस्टम से ऊपर खड़ा होना चाहती है। 2011 में जब लोकपाल को लेकर अन्ना हजारे द्वारा आंदोलन किया जा रहा था और इसके समर्थन में पूरा देश सड़कों पर आ गया था। तब उसे समय विपक्ष की तत्कालीन नेता सुषमा स्वराज ने विपक्ष में होते हुए भी यह कहा था कि लोकपाल के मामले में चुनी हुई सरकार की कोई भूमिका ही ना हो, यह कतई उचित नहीं है। ठीक यही बात न्यायपालिका के संदर्भ में भी कहीं जा सकती है। चेक एंड बैलेंस सिद्धांत के साथ ही न्यायपालिका, कार्यपालिका एवं व्यवस्थापिका दोनों को ही नियंत्रित करती है लेकिन न्यायपालिका पर कोई नियंत्रण ही ना हो, यह भारतीय संविधान की मूल अवधारणा संतुलन एवं निरोध के खिलाफ है। न्यायपालिका के मामले में भी यदि जस्टिस वर्मा के घर में आग ना लगी होती तो सच्चाई सामने न पाती। सच्चाई यह है कि दुनिया के किसी भी देश में भारत के अलावा न्यायपालिका सर्वशक्तिमान नहीं है। यह विडंबना है कि देश के सभी लोक सेवकों को अपने और अपने परिवार की आमदनी बताने का दायित्व है लेकिन देश के 25 उच्च न्यायालय के 763 जजों में से केवल 57 ने ही अपने संपत्ति की घोषणा की है। जस्टिस वर्मा की तरह यह किसी दूसरे लोक सेवक के यहां यदि करोड़ो के नोट बरामद होते तो उसके विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज हो जाता। यह कहा जा सकता है कि जजों के मामलों में भारतीय संविधान में दिया गया समानता का अधिकार पूरी तरह बेमानी है।

इसलिए बेहतर यह होगा कि न्यायपालिका स्वतः इस दिशा में आगे बढ़कर सरकार और प्रबुद्ध जनों से चर्चा कर जजों की मनमानी एवं भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए एक न्यायिक आयोग गठित करने की दिशा में आगे बढ़े ताकि जवाबदेही एवं पारदर्शिता जो लोकतंत्र का मूलाधार है, उसके दायरे में न्यायपालिका भी आ सके ।

पढ़ने के फायदा ?

डॉ टी महादेव राव

भैया! एक सवाल मेरे जहन में कौंध रहा है। मुझे लगता है आप उसका जवाब दे सकेंगे। यही कि पढ़ाई से क्या फायदा?तुम्हारा सवाल आज के माहौल में एक अजीब सी स्थिति पैदा कर रहा है छोटू! फिर भी पढ़ाई से व्यक्तित्व विकास होता है, ज्ञान मिलता है। संस्कार और समाज से समरस स्थापित करने में मदद करती है पढ़ाई। तुम यह क्यों पूछ रहे हो छोटू? भैया! आप किताबों से बाहर आइए, वास्तविकता परखेंगे तो नए नए अर्थ और नई परिभाषाएं सामने आएंगी। आपके ज़माने और वर्तमान समाज में जमीन आसमान का अंतर आ गया है भैया !तो क्या पढ़ाई का, कॉलेजों का, यूनिवर्सिटियों का महत्व कम हो गया है? लोग पढ़ना लिखना छोड़ दिए हैं? नई नई यूनिवर्सिटियां आ गई हैं। व्हाट्सएप नॉलेज यूनिवर्सिटी, इंस्टाग्राम इंस्टीट्यूट, ट्विटर ट्यूशन सेंटर, ग्रोक ज्ञान भंडार, गूगल ग्रन्थालय यह सब इतने सशक्त शिक्षा संस्थान हो गए हैं कि क्या कहें? लेकिन उनमें जो लिखा है उसे पढ़ने, समझने और आत्मसात करने के लिए भी तो पढ़ना लिखना जरूरी है। पढ़ लिख कर क्या हासिल होगा भैया? रोजगार मिलने से रहा। इस महंगाई में अगर मां बाप पर पढ़ाने में हो रहे खर्चे का भार अगर कम कर सकेंगे तो महंगाई से उनको लड़ने में कुछ मदद तो मिलेगी! निरक्षर हो जाएं और अंगूठा छाप कहलाएं? भैया! थोड़ा बहुत पढ़ लें तो बहुत है कि मोबाइल पर सक्रिय हो सकते हैं। जहां से ज्ञान का भंडार पा सकेंगे। अपने आप को अद्यतन वही अप टू डेट रख सकेंगे। तुमने जो एम बी ए किया तो उसका कोई मतलब नहीं है? मैं जो कह रहा हूं, आज का ट्रेंड है भैया। मेरे समय भी उन्नति, प्रगति और विकास यह दौर कहां था? डिजिटल युग में पल पल प्रगति तो अब जाकर हुई है न? तो फिर जो लोग डॉक्टर, इंजीनियर, आई ए इस, आई पी एस, बिजनेसमैन बनने के लिए कड़ी मेहनत करके पढ़ाई करते हैं, गलत है? उनकी शिक्षा दीक्षा का कोई मोल नहीं? इसका भी एक फंडा है। मगर आप मुझे मारेंगे नहीं वादा कीजिए तभी कुछ बताऊंगा क्योंकि आप बहुत ज्यादा पढ़े लिखे हैं, ज्ञानी हैं। गुस्सा जल्दी आता है। इसलिए! ठीक है, कुछ नहीं कहूंगा और मारूंगा भी नहीं। अब बोलो। भैया! पढ़ाई का स्तर और क्रम के अनुसार आज अधिकार का क्षेत्र बंटा हुआ है। प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले डॉक्टर या इंजीनियर की पढ़ाई करते हैं। द्वितीय श्रेणी में पास होने वाले आईपीएस, आईएएस जैसी स्पर्धाओं में लगे रहते हैं।

कानपुर के नौ देवी मंदिर

नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है और मंदिरों में भक्तों की कतार भी लग रही है। नवरात्रि पर अलग अलग दिवस में नौ देवियों की पूजा होती है, प्रथम शैलपुत्री से शुरुआत होती है और महागौरी के पूजन के साथ समापन। कानपुर नगर में भी नौ देवियों की प्रसिद्ध सिद्धपीठ हैं, आइए आपको उन नौ सिद्ध मंदिरों के बारे में बताते हैं, जहां नवरात्रि पर आस्था का ज्वार उमड़ता है।

मां तपेश्वरी देवी मंदिर

कानपुर के बिरहाना रोड में मां तपेश्वरी देवी का मंदिर आस्था का केंद्र है, मान्यता है कि यहां पर अखंड ज्योति प्रज्जवलित करने से मनोकामना पूर्ण होती है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान राम द्वारा त्यागे जाने पर माता सीता ब्रह्मावर्त (बिठूर) में महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में आई थी।
उन्होंने पुत्र प्राप्ति के लिए कठोर तप किया, जिससे तपेश्वरी माता का प्राकट्य हुआ था। इसी स्थान पर माता सीता अपने पुत्रों लव-कुश का मुंडन संस्कार कराया था।
इसी स्थान पर आज सिद्धपीठ तपेश्वरी माता का दरबार है। यहां दूर-दराज से लोग बच्चों का मुंडन कराने आते हैं और अखंड ज्योति भी जलाते हैं।

बारा देवी का दरबार

कानपुर शहर के दक्षिण क्षेत्र मां बारा देवी का दरबार है, इस मंदिर का इतिहास कितना पुराना है यह कोई नहीं जानता है। ऐसा कहा जाता है कि कुछ समय पहले एएसआइ की टीम ने मंदिर का सर्वेक्षण किया था तो यहां की मूर्तियों को लगभग 15 से 17 सौ वर्ष पुराना बताया था। पूरे साल मंदिर में भक्तों का आना होता है लेकिन नवरात्रि पर भीड़ उमड़ती है।
मंदिर से जुड़ी कथा प्रचलित है कि पिता से नाराज होकर घर से एक साथ 12 बहनें चली गईं और फिर पत्थर की हो गईं। कन्याओं की ये प्रतिमाएं बारादेवी मंदिर के नाम से प्रसिद्ध हुईं। भक्त मनोकामना पूर्ण होने के लिए चुनरी बांधते हैं और नवरात्रि पर जवारे के जुलूस में सांग लगाकर पहुंचते हैं।

आसा देवी मंदिर

कल्याणपुर स्थित मां आसा देवी का मंदिर भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। तपेश्वरी मंदिर की तरह यहां का भी इतिहास माता सीता से जुड़ा है। किवदंती है कि माता सीता ने शिला पर देवी मां की आकृति बनाकर पूजन किया था और उन्हें भगवान श्रीराम के दर्शन मिलने पर मनो कामना पूरी हुई। तब से देवी मां सबकी आस पूरी कर रही हैं और मंदिर का नाम आसा देवी मंदिर हो गया। मंदिर में प्राचीन शैली की अन्य मूर्तियां भी हैं।

काली बाड़ी मंदिर

कानपुर लालबंगला हरजेंदर नगर में कालीबाड़ी मंदिर हैं, यहां मां काली करुणामयी स्वरूप में विराजमान हैं और भक्तों की मनोकामना पूर्ण करती हैं। नवरात्रि पर मां के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं। कोलकाता के ऐतिहासिक मां दक्षिणेश्वर काली मां के दरबार की तरह ही यहां कालीबाड़ी मंदिर की स्थापना हुई।मान्यता है मां भगवती ने स्वप्न दिया, जिससे प्रेरित होकर बंगाली समाज के बुजुर्गों ने मंदिर की स्थापना कराई थी। राजस्थान के किशनगढ़ से विशेष कोष्ठी पत्थर से प्रतिमा बनाई गई थी।

चण्डिका देवी मंदिर

कानपुर शहर के मध्य देवनगर में मां चण्डिका देवी मंदिर स्थापित है, जो 200 वर्ष से भी प्राचीन है। यहां कमल के पत्ते पर अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित है। साल में शारदीय और चैत्र नवरात्र पर अखंड ज्योति के पात्र में घृत डालते हैं। मंदिर के गर्भ गृह में दर्पण लगा है, जिससे दर्शन करने पर मां का शीश हल्का झुका दिखता है और मान्यता है कि अष्टमी पूजन के समय कुछ समय के लिए शीश सीधा दिखता है। भक्त इसे मां का चमत्कार मानते हैं। राजस्थानी शिल्पकला वाले मंदिर में भैरव महाराज की मूर्ति भी है और नवरात्रि पर 108 नारियल की भेंट अर्पित किया जाता है।

कूष्मांडा देवी मंदिर

नवरात्रि पर देवी मां के चतुर्थ स्वरूप कूष्मांडा देवी का उत्तर भारत में एकमात्र मंदिर कानपुर के घाटमपुर में स्थापित है, जिसका हजारों साल पुराना इतिहास है। इतिहासकारों की मानें तो सन 1380 में राजा घाटमपुर दर्शन ने मंदिर की नींव रखी थी और 1890 में व्यवसायी चंदीदीन भुर्जी ने मंदिर का निर्माण पूर्ण कराया था। मराठा शैली में बने मंदिर में स्थापित मूर्तियां संभवतः दूसरी से दसवीं शताब्दी के मध्य की हैं।
भदरस गांव के कवि उम्मेदराय खरे ने सन 1783 में फारसी में ऐश आफ्जा नाम की पांडुलिपि लिखी थी, जिसमें माता कूष्मांडा और भदरस की माता भद्रकाली का वर्णन किया है। मंदिर में मां पिंडी के रूप में विराजित हैं और लेटी मुद्रा में प्रतीत होती हैं। पिंड रूपी मूर्ति से चमत्कारी जल लगातार रिसता है, जिसे लेकर मान्यता है कि जल को आंखों पर लगाने से नेत्ररोग दूर हो जाते हैं।

भद्रकाली माता मंदिर

घाटमपुर तहसलीर के भदरस गांव स्थित भद्रकाली माता का मंदिर भी हजारों साल पुराना है। कहा जाता है कि मां भद्रकाली के नाम पर पहले भदरस गांव का नाम भद्रपुर था। कवि उम्मेदराय खरे की पांडुलिपी में माता भद्रकाली का जिक्र है। मान्यता है कि भद्रकाली माता मंदिर में रोज सुबह माता की पहली पूजा अपने आप हो जाती है। मान्यता के मुताबिक अदृश्य भक्त भोर पहर में उनकी पूजा करता है। आज तक उसे कोई देख नहीं पाया है।

जंगली देवी मंदिर

कानपुर शहर में किदवई नगर के पास माता जंगली देवी का भव्य मंदिर है। यहां मां के खजाने का जिस दिन वितरण होता है उस दिन श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। मान्यता है कि खजाने को घर में रखने से धन की कमी नहीं होती है। प्राचीन मंदिर की खोज वर्ष 1925 में खोदाई के दौरान मिले ताम्रपत्र के आधार पर हुई।
जब उस ताम्रपत्र को पुरातत्व विभाग लखनऊ को सौंपा गया तो पता चला कि मंदिर पर विक्रम संवत 893 अंकित है। इसमें लिखा था कि यह भूभाग कान्यकुब्ज प्रदेश है, जो राजा भोज देव के आधीन आता है। राजा भोज ही मंदिर की देखरेख करते थे। जहां पर खोदाई के दौरान एक मठिया भी मिली। घने जंगल में मठिया मिलने और देवी मां का मंदिर होने से इसका नाम जंगली देवी मंदिर पड़ा।

नगेली माता मंदिर

घाटमपुर क्षेत्र के नगेलिनपुर गांव स्थित नगेली माता का मंदिर सैकड़ों साल पुराना है। नगेली माता मंदिर की मीनारें व कलाकृति मस्जिद नुमा आकार की बनी हैं। बाहर से देखने में इस मंदिर का गुंबद मस्जिद की तरह दिखाई देता है, जिससे यह अनुमान लगाया जाता है कि इस मंदिर क निर्माण मुगल शासन काल में हुआ होगा। करीब पांच सौ से छह सौ साल पुराना मंदिर बताया जाता है। नगेली देवी मंदिर के पीछे एक तलाब स्थित है। मान्यता है की तालाब के जल के स्पर्श मात्र से रोगों का निवारण होता है।

मंगल का राशि परिवर्तन

कर्क राशि में मंगल के आने से मेष और सिंह राशि के लोगों रहना होगा अलर्ट

ग्रहों का सेनापति मंगल मिथुन से कर्क राशि में आ गया है। ये ग्रह 6 जून तक कर्क राशि में ही रहेगा। मंगल के इस राशि परिवर्तन से कुछ राशियों के लोगों के लिए परेशानियां बढ़ सकती हैं। कर्क राशि का मंगल मेष, सिंह, धनु राशि के लोगों को अलर्ट रहना होगा।
वृषभ, वृश्चिक और मकर राशि के लिए समय सामान्य रहेगा। शेष सभी राशियों के लिए मंगल शुभ स्थिति में रहेगा।
मंगल की पूजा से इस ग्रह के दोषों का असर कम हो सकता है। मंगल की पूजा से शक्ति, आत्मविश्वास, ऊर्जा और साहस मिलता है। मंगल की पूजा खासतौर पर मंगलवार को करनी चाहिए।

पूजा के लिए जरूरी चीजें

मंगल ग्रह की मूर्ति, लाल वस्त्र, लाल पुष्प (गुलाब या गुड़हल), चंदन, रोली, कुमकुम, चावल, गुड़, लाल मसूर की दाल, मिठाई, तांबे का लोटा, जल, दूध, पंचामृत, मूंगा रत्न, दीपक, धूप, मंगल ग्रह यंत्र, लाल गुलाल, जनेऊ आदि। अगर मंगल की मूर्ति न हो तो शिवलिंग की पूजा भी कर सकते हैं। मंगल की पूजा शिवलिंग रूप में भी की जाती है। शिवलिंग पूजा में बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल भी रखें।

ऐसे करें मंगल की पूजा

मंगल पूजा में लाल वस्त्र पहनेंगे तो बहुत शुभ रहेगा। घर के मंदिर में मंगल ग्रह की मूर्ति और मंगल ग्रह का यंत्र स्थापित करें। दीप प्रज्वलित करें। धूप जलाएं।
भगवान गणेश का ध्यान करें।
मंगल ग्रह के मंत्र ॐ भौमाय नमः, ॐ अं अंगारकाय नमः का जप करें।
मंगल ग्रह का अभिषेक करें। तांबे के लोटे में जल, गुड़ और लाल फूल डालकर मंगलदेव की प्रतिमा पर चढ़ाएं। पंचामृत भी चढ़ाएं। शुद्ध जल चढ़ाएं। इसके बाद पूजन से जुड़ी सभी चीजें मंगल देव को अर्पित करें। हार-फूल और वस्त्र से श्रृंगार करें। धूप-दीप जलाकर आरती करें।
पूजा के अंत में भगवान से क्षमा याचना करें। पूजा के बाद प्रसाद बांटें और खुद भी लें। घर के आसपास जरूरतमंद व्यक्ति को मसूर की दाल और गुड़ का दान करें।
जो लोग शिव जी की पूजा करना चाहते हैं, वे मंगल ग्रह के मंत्रों का जप करते हुए शिवलिंग का विधिवत अभिषेक करें, मंगल से जुड़ी पूजन सामग्री शिवलिंग पर अर्पित करें।
मंगलवार को हनुमान जी की भी विशेष पूजा करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ करें।
लाल रंग की वस्तुओं का दान करें। जैसे लाल वस्त्र, मसूर की दाल, लाल फूल, लाल गुलाल।

शिला माता मंदिर जयपुर

हिंदू देवी काली को समर्पित यह शिला देवी मंदिर आमेर किले के परिसर में स्थित है। राजा मान सिंह काली माता के बहुत बड़े भक्त थे। उन्होंने बांग्लादेश से यह मूर्ति लाने के बाद इस मंदिर का निर्माण करवाया था। शिला माता नाम के पीछे की कहानी कुछ इस प्रकार है कि राजा मान सिंह ने पानी से शिला (स्लैब) के रूप में मूर्ति पाई थी, और जब इसे साफ किया गया और पोंछा गया, तो वर्तमान मूर्ति प्रकट हुई, इसलिए इसका नाम शिला माता पड़ा। मूर्ति की खोज के पीछे की किंवदंती यह है कि देवी महाराजा के सपने में प्रकट हुईं और उन्हें निर्देश दिया कि वे उनकी मूर्ति प्राप्त करें, जो जेसोर (अब बांग्लादेश में) के पास समुद्र में तैर रही थी, और उसे एक मंदिर में स्थापित करें।
आमेर की संरक्षिका मानी जाने वाली देवी शिला माता पूरे देश में प्रसिद्ध हैं।
दूर-दूर से भक्त इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। राजस्थान के इस देवी मंदिर का आंतरिक भाग असाधारण है। पूरे मंदिर में सफ़ेद संगमरमर का उपयोग करके एक सुंदर निर्माण किया गया है। इस मंदिर के मुख्य द्वार पर चाँदी की परत है जिस पर "माँ दुर्गा" के सभी अनेक अक्षर अंकित हैं। इस मंदिर में शिला देवी की मूर्ति की टेढ़ी गर्दन की मूर्ति स्थापित है।

इससे सम्बंधित किवदंती:
मंदिर में स्थापित शिला देवी की टेढ़ी गर्दन वाली मूर्ति के बारे में भी एक किवदंती है। मान्यताओं के अनुसार, देवी राजा मानसिंह से बातचीत करती थीं। राजा मानसिंह देवी को नर बलि चढ़ाते थे, लेकिन एक बार बातचीत के दौरान राजा मानसिंह ने नर बलि की जगह पशु बलि की बात कही। इससे देवी क्रोधित हो गईं और गुस्से में उन्होंने अपनी गर्दन मानसिंह की तरफ से दूसरी तरफ घुमा दी। तब से इस मूर्ति की गर्दन टेढ़ी है।

चामुंडा माता मंदिर जोधपुर

मेहरानगढ़ किले के दक्षिणी छोर पर स्थित चामुंडा माता मंदिर राजस्थान के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित देवी मंदिरों में से एक है। जोधपुर के निवासी देवी को जोधपुर के निवासियों की मुख्य देवी मानते हैं। देवी चामुंडा माताजी को राजपरिवार की 'ईष्ट देवी' माना जाता है। माना जाता है कि चामुंडा माता राव जोधा की पसंदीदा देवी थीं, इसलिए उन्होंने 1460 में मेहरानगढ़ किले में उनकी मूर्ति स्थापित की थी। राव जोधा मंडोर के शासक थे और वे मंडोर से ही मूर्ति लाए थे।

इससे सम्बंधित किवदंती:
राव जोधा ने मेहरानगढ़ किले के निर्माण के समय इस मंदिर का निर्माण करवाया था। मंदिर के निर्माण से पहले यह पहाड़ी साधुओं के कब्जे में थी। परिणामस्वरूप, उन्होंने राजा को श्राप दिया कि उनके किले में हमेशा पानी की कमी रहेगी। इस श्राप को संतुलित करने के लिए, राव जोधा ने एक संत की मदद से पूरी धार्मिक प्रक्रिया का पालन करते हुए इस मंदिर का निर्माण करवाया और मूर्ति स्थापित की। उन्होंने किले और उसके लोगों की सुरक्षा के लिए किले के अंदर चामुंडा माता मंदिर का निर्माण करवाया। तब से, देवी चामुंडा यहाँ रहने वाले राजपूतों की मुख्य देवी बन गईं।
एक किंवदंती यह भी है कि चामुंडा मां ने 1965 के युद्ध के दौरान बाज का रूप धारण करके जोधपुर के निवासियों की जान बचाई थी।

देवी कात्यायनी

चन्द्रहासोज्जवलकरा शार्दूलावरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्यादेवी दानवघातिनी।।

अर्थ

चंद्रमा की तरह देदिप्यमान, शेर पर सवार, दानवों का विनाश करने वाली मां कात्यायनी हमारे लिए शुभ फलदायी हो।

पूजा विधि

देवी का ध्यान कर कलश पर चावल चढ़ाकर गंगाजल छिड़कें। कलश पर कुमकुम, अक्षत और लाल चंदन लगाएं। इसके बाद गुलाब और अन्य लाल फूलों के साथ पूजन सामग्री चढ़ाएं। देवी को शहद का भोग लगाएं। केला भी चढ़ा सकते हैं।

कैला देवी मंदिर, करौली

कैला देवी मंदिर राजस्थान के करौली जिले से लगभग 23 किलोमीटर दूर कालीसी नदी के तट पर स्थित है। यह मंदिर मानवता की रक्षक देवी कैला को समर्पित है। मंदिर का निर्माण महंगे संगमरमर से किया गया है और इसमें चेकर्ड फ़्लोरिंग वाला एक बड़ा प्रांगण है।
मंदिर में, आप कई लाल झंडे देख सकते हैं जिन्हें यहाँ भक्त चढ़ाते हैं। हर साल, भक्त यहाँ भोग के साथ देवी को अर्पित करने के लिए लाल झंडे लगाते हैं।
मान्यताओं के अनुसार कैला देवी यदुवंशी हैं और यहां के लोग उन्हें भगवान श्री कृष्ण की बहन मानते हैं। कैला देवी मंदिर की एक खास बात यह है कि यहां जो भी आता है वह कभी खाली हाथ नहीं लौटता। कैला देवी अपने भक्तों की हर मनोकामना पूरी करती हैं। राजस्थान के प्रसिद्ध देवी मंदिरों में से एक यह मंदिर भी पूरी दुनिया में काफी प्रसिद्ध है और इस मंदिर में साल भर भक्तों की भारी भीड़ रहती है।

श्रीराम की पूजा के साथ ही रामायण की सीख

रविवार, 6 अप्रैल को श्रीराम का प्रकट उत्सव यानी राम नवमी है। इस पर्व पर भगवान राम की विशेष पूजा करने के साथ ही रामायण का पाठ करने की परंपरा है। रामायण में रावण सीता का हरण करके देवी को लंका ले गया था। रावण ने सीता को अशोक वाटिका में कैद कर रखा। हनुमान जी ने लंका में देवी को खोज लिया, इसके बाद राम वानर सेना के साथ लंका पहुंच गए थे। जब मंदोदरी को मालूम हुआ कि राम पूरी वानर सेना के साथ लंका तक आ गए हैं तो मंदोदरी रावण के जीवन को लेकर डरने लगी थीं। वो अक्सर अपने दुर्भाग्य पर रोती थीं। मंदोदरी को दुखी देखकर रावण ने रानी से पूछा कि तुम्हारी आंखों में आंसू क्यों हैं?
मंदोदरी ने हाथ जोड़कर कहा कि मैंने आपसे पहले भी निवेदन किया है और अब फिर से आपको सलाह दे रही हूं कि राम कोई साधारण मानव नहीं हैं, उनसे दुश्मनी न करें। सीता को सकुशल लौटा दीजिए। इसी में सबकी भलाई है।
रावण ने मंदोदरी की ये सलाह नहीं मानी। बल्कि, उसका अपमान करते हुए कहता है कि तुम औरतों में आठ अवगुण होते हैं। ये आठ अवगुण हैं - साहस, झूठ, चंचलता, छल, डरपोकपन, मूर्खता, अपवित्रता और निर्दयता।रावण की बात सुनकर मंदोदरी कहती हैं कि स्त्रियों का परिहास करके आप कोई बुद्धिमानी नहीं कर रहे हैं। राम लगातार आप पर विजय प्राप्त कर रहे हैं। वे समुद्र पार करके पूरी वानर सेना के साथ लंका तक आ गए। ये कोई सामान्य बात नहीं है। आप ये बात कब समझेंगे?
रावण कहता है कि तुमने ये बड़ी गहरी बात कही है। ऐसा कहकर तुम मेरे ही बल का बखान कर रही हो, मेरा ऐसा प्रभाव है कि जिसे सब भगवान मान रहे हैं वो राम मुझसे लड़ने के लिए वानरों की सेना लेकर मेरे नगर तक आया है। मंदोदरी, मैं तुझे अब मान गया। ऐसा कहकर रावण जोर से हंसा और अपने दरबार की ओर चला गया। मंदोदरी ने रावण को जाता हुआ देखकर सोचा कि इनका ये अहंकार कहीं इनके प्राण न ले ले। अंत में हुआ भी यही। रावण का अभिमान उसके लिए घातक साबित हुआ। पत्नी की अच्छी सलाह का मजाक उड़ाना उसे भारी पड़ गया, राम के हाथों रावण के साथ ही उसके पूरे वंश का नाश हो गया।

रामायण की सीख

पारिवारिक जीवन में पति-पत्नी एक-दूसरे को सलाह देते हैं। कभी पति सही हो सकता है, कभी पत्नी सही हो सकती है। सलाह नहीं मानी जाती है तो वह अपनी जगह है, लेकिन कभी भी एक-दूसरे की सलाह का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। अगर जीवन साथी की सलाह सही है तो उसे जरूर अपनाएं। ऐसा करने से पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

इंटीमेट सीन के दौरान को-स्टार्स ने किया असहज

'पद्मावत' एक्ट्रेस अनुप्रिया बोलीं- जबरदस्ती पकड़ने और एक्साइटमेंट दिखाने की हरकतों से परेशान हो गई थीं

फिल्म 'पद्मावत', 'टाइगर जिंदा है' और 'वार' जैसी हिट फिल्मों में नजर आ चुकीं अनुप्रिया गोयनका ने हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उनके को-स्टार्स ने कई बार ऐसा बर्ताव किया, जिससे उन्हें असहज महसूस हुआ।

को-स्टार की एक्साइटमेंट से हुई असहज

यूट्यूबर सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में अनुप्रिया ने कहा, 'ऐसा दो बार हुआ। पहली बार मैं नहीं कहूंगी कि वह व्यक्ति मुझे नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन एक अजीब सा एक्साइटमेंट था, जो नहीं होना चाहिए। मुझे साफ दिख रहा था कि वह उत्साहित हो रहा है, जिससे मुझे अजीब महसूस हुआ और असहजता हुई। यह घटना एक किसिंग सीन के दौरान हुई थी।'

शूटिंग के दौरान को-स्टार ने की गलत हरकत

अनुप्रिया ने आगे बताया कि एक और सीन में जब वह ठीक से कंफर्टेबल नहीं थीं, तब उनके को-स्टार ने उन्हें इस तरह पकड़ लिया, जो जरूरी नहीं था। 'मैंने सोचा था कि एक मर्द होने के नाते उन्हें समझ होना चाहिए कि ऐसे सीन में कमर पर हाथ रखना आसान होता है। लेकिन उन्होंने मेरे बट के पास हाथ रख दिया, जो सही नहीं था। वह आराम से कमर पर हाथ रख सकते थे।'

खुद समझाकर ठीक कराया सीन

उन्होंने कहा कि यह अनुभव काफी असहज करने वाला था। 'बाद में मैंने खुद उनके हाथ ऊपर किए और कहा कि यहां रखिए, नीचे नहीं। उस वक्त मैं उनसे सवाल नहीं कर सकी कि उन्होंने ऐसा क्यों किया, क्योंकि वह इसे गलती बता सकते थे। लेकिन मैंने साफ कहा कि अगले टेक में ऐसा न करें। इसके बाद उन्होंने वैसा ही किया।'

सेट पर इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर जरूरी

अनुप्रिया ने यह भी कहा, 'इंटीमेट सीन को भी बहुत सॉफ्ट तरीके से किया जा सकता है, लेकिन कई बार लोग बस आपके ऊपर झपट पड़ते हैं, और यह सहना बहुत मुश्किल हो जाता है।'

अनुप्रिया गोयनका ने 'बॉबी जासूस', 'पाठशाला', 'सर', 'मेरा देश की धरती' और 'बर्लिन' जैसी फिल्मों में काम किया है। वहीं, उन्होंने 'सैक्रेड गेम्स', 'अभय', 'क्रिमिनल जस्टिस', 'असुर' और 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' जैसे वेब शोज में भी काम किया है।

टेरेंस लुईस ने कहा- रियलिटी शो स्क्रिप्टेड होते हैं

सिर्फ डांस और डिसीजन असली होता है, गेस्ट और कंटेस्टेंट्स की बातचीत भी पहले से फिक्स

कोरियोग्राफर टेरेंस लुईस ने हाल ही में रियलिटी शोज को लेकर बात की है। कोरियोग्राफर का कहना है कि रियलिटी शो में काफी चीजें स्क्रिप्टेड होते हैं। सिर्फ डांस और डिसीजन असली होता है। टेरेंस ने बताया कि उन्हें गेस्ट और कंटेस्टेंट्स के साथ बातचीत भी स्क्रिप्टेड करने के लिए कहा जाता है।

कोरियोग्राफर टेरेंस लुईस कई सालों से डांस रियलिटी शो में बतौर जज नजर आ रहे हैं। टेरेंस ने हाल ही में पिंकविला के साथ बातचीत की, इस दौरान उन्हें डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स की एक पुरानी फोटो दिखाई गई। टेरेंस इस तस्वीर में दीपिका पादुकोण के साथ डांस करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

यह फोटो 'चेन्नई एक्सप्रेस' के प्रमोशन के दौरान की थी। फोटो पर रिएक्शन देते हुए टेरेंस ने कहा कि ऐसे मोमेंट शायद ही कभी नेचुरल होते हैं। इन सारे मोमेंट्स को ऑडियंस को अट्रैक्ट करने के लिए बनाया जाता है। टेरेंस लुईस रियलिटी शोज के स्क्रिप्टेड होने के बारे में बात करते हुए कहते हैं, 'बहुत से लोगों को यह लगता है कि हम डांस करना चाहते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि हमें ऐसे मोमेंट क्रिएट करने के लिए कहा जाता है। तो जब आप पूछते हैं कि क्या चीजें स्क्रिप्टेड होती हैं, तो मैं उसके जवाब में यहीं कहूंगा कि हां, शो के गेस्ट और कंटेस्टेंट्स के बीच की सारी बातचीत को पहले से प्लान किया जाता है। हालांकि, हमारा डांस, लोगों का टैलेंट, हमारा डिसीजन और कमेंट सब नेचुरल होता है।'

इसके अलावा टेरेंस ने शेयर किया कि उन्हें स्टेज पर एक बड़ा मोमेंट क्रिएट करने के लिए कहा गया था। इसलिए उन्होंने दीपिका को डांस करने के लिए कहा। दीपिका को स्टेज पर डांस करना है, वह इसके बारे में नहीं जानती थीं। टेरेंस लुईस को रियलिटी डांस शो 'डांस इंडिया डांस' (2009-2012) और 'नच बलिए' (2012-2017) को जज करने के लिए जाना जाता है। साथ ही वह मुंबई में अपनी 'टेरेंस लुईस कंटेम्परेरी डांस कंपनी' भी चलाते हैं।

विक्रांत: कॉफी शॉप में नौकरी, फिल्मों के लिए ठुकराई 35 लाख की मंथली इनकम

पत्नी के पैर छूने पर ट्रोल, 12th फेल ने बदली किस्मत

भले ही ये विक्रांत मैसी की फिल्म 12th फेल के एक गाने के बोल हैं, लेकिन ये लाइनें उनकी जिंदगी पर बिल्कुल सटीक बैठती हैं। आज विक्रांत किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। फिल्म 12th फेल के बाद उन्हें बच्चा-बच्चा जानता है, लेकिन इस मुकाम को हासिल करना उनके लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था।

विक्रांत का बचपन गरीबी में बीता। उनके पिता की सैलरी महीने के शुरुआती 15 दिनों के भीतर ही खत्म हो जाती थी। ऐसे में विक्रांत ने महज 16 साल की उम्र में खुद डांस सीखा और सिखाना भी शुरू किया। इसके साथ ही उन्होंने एक कॉफी शॉप में काम भी किया, ताकि वे परिवार की मदद कर सकें।

लेकिन उनके मन में हमेशा से एक्टर बनने का ख्वाब था। इसके लिए उन्होंने जी-तोड़ मेहनत भी की। शाहरुख खान की तरह विक्रांत ने भी छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत की। टीवी इंडस्ट्री में तो वे एक जाना-माना चेहरा बन गए, लेकिन बॉलीवुड में एंट्री के दौरान उन्हें काफी ताने मिले।

कोई भी प्रोड्यूसर उन पर पैसे लगाने को तैयार नहीं होता था। इसके बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी और इसी का परिणाम है कि जो विक्रांत कभी 800 रुपए कमाते थे, आज उनकी नेटवर्थ 20 से 26 करोड़ रुपए है।

विक्रांत मैसी चार धर्मों के परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता जॉली क्रिश्चियन हैं और मां मीना सिख परिवार से हैं। उनके बड़े भाई मोहसिन ने बहुत कम उम्र में ही इस्लाम अपना लिया था। बताया जाता है कि विक्रांत के माता-पिता की लव स्टोरी भी काफी फिल्मी है। वे दोनों एक-दूसरे को बचपन से पसंद करते थे।

अलग-अलग धर्मों के होने के कारण जब परिवार ने विरोध किया, तो उन्होंने भागकर शादी की थी। जबकि उनकी पत्नी हिंदू धर्म से आती हैं। एक इंटरव्यू में विक्रांत ने बताया था कि मेरे घर में एक मंदिर है। मेरे पिता ईसाई होते हुए भी छह बार वैष्णो माता के मंदिर गए हैं।

विक्रांत मैसी के घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। उनका बचपन गरीबी में बीता। जब पिता की सैलरी आती थी, तो महीने के पहले 15 दिन तक तो सब कुछ ठीक रहता था, लेकिन 16वें दिन के बाद यह समझ में नहीं आता था कि अब घर कैसे चलाया जाए। परिवार की मुश्किलों को देखकर विक्रांत ने अपने ग्रेजुएशन के दौरान ही डांस सीखना और

सिखाना शुरू कर दिया था।

सुबह उठकर सबसे पहले वे श्यामक डावर की डांस क्लास में बच्चों को डांस सिखाने जाते थे। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने मुंबई के वर्सोवा में एक कॉफी शॉप में भी काम किया था।

विक्रांत के दादा रविकांत मैसी थिएटर आर्टिस्ट और फिल्मों में कैरेक्टर आर्टिस्ट थे। उन्हें पूर्व राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद से दो बार ऑल इंडिया ड्रामेटिक कॉम्पिटिशन में स्वर्ण पदक भी मिला था। उन्होंने दिलीप कुमार और देवआनंद जैसे बड़े कलाकारों के साथ नया दौर और गाइड जैसी फिल्मों में काम भी किया था। भले ही विक्रांत के खून में एक्टिंग का हुनर था, लेकिन एक्टर बनने का ख्वाब उन्होंने तब देखा, जब उनके आस-पास फिल्मों की शूटिंग हुआ करती थी। उन्होंने बचपन से ही सुनील दत्त, गुलशन ग्रोवर और जैकी श्रॉफ जैसे एक्टर्स को शूटिंग करते हुए देखा था, जिस कारण उनके मन में भी एक्टर बनने का ख्याल आया। एक इंटरव्यू में विक्रांत ने बताया भी था कि कॉफी शॉप में काम करने के दो बड़े मकसद थे। पहली घर की आर्थिक स्थिति और दूसरी उस दुकान पर फिल्म लाइन के बहुत सारे लोग आते थे। ऐसे में उन्हें उम्मीद थी कि यहीं से उनका फिल्मी सफर भी शुरू हो सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

विक्रांत मैसी को 16 साल की उम्र में एक सीरियल का ऑफर मिला था। इसके लिए उन्होंने श्यामक डावर की नौकरी छोड़ दी थी, जहां 2 साल तक काम किया था, लेकिन वो टीवी शो कभी टेलीकास्ट ही नहीं हुआ। हालांकि किस्मत ने उनके लिए दूसरे दरवाजे भी खोले। एक बार वे बाथरूम की लाइन में खड़े थे, तभी वहां एक महिला ने आकर उनसे एक्टिंग के लिए पूछा और अपने ऑफिस बुलाया।

विक्रांत ने ऑफर एक्सेप्ट कर लिया। ऐसे ही उन्हें टीवी शो 'धूम मचाओ धूम' मिला। इसके हर एपिसोड के लिए 6 हजार रुपए मिले। 4 एपिसोड करके एक्टर ने 24 हजार कमाए थे। इसके बाद विक्रांत धरम वीर, कुबूल है, बाबा ऐसो वर ढूंढो और बालिका वधु जैसे शो में नजर आए थे।

विक्रांत मैसी हमेशा से एक्टिंग में अपना करियर बनाना चाहते थे और उनका यह सपना आखिरकार पूरा भी हुआ। उन्होंने टीवी के कई शोज में काम किया, जिससे उनकी कमाई 35 लाख रुपए हर महीने होने लगी थी, लेकिन उनके सपने बड़े थे और इसलिए उन्होंने टीवी इंडस्ट्री छोड़ दी।

पांच साल की हुई फुलेरा वाली 'पंचायत'

मेकर्स ने सीजन 4 को लेकर दिया बड़ा अपडेट

'देख रहा है बिनोद', 'पंचायत' के चाहने वालों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। जी हां, अगर आप भी प्राइम वीडियो की सीरीज पंचायत के फैन हैं तो आपके लिए भी एक बड़ी खुशखबरी है। पंचायत के पहले सीजन को रिलीज हुए पांच साल हो गए हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि इसमें क्या बड़ी बात है, जिस पर खुश हुआ जाए। तो खुशखबरी ये है कि पांच साल पूरे होने के मौके पर मेकर्स ने पंचायत के अगले सीजन की रिलीज डेट का भी एलान कर दिया है। सही सुना आपने, पंचायत का नया सीजन इसी साल आ रहा है।

2020 में शुरू हुई ये पसंदीदा सीरीज आज अपने पांच साल पूरे कर चुकी है। इस खुशी में मेकर्स ने अपने प्रशंसकों को तोहफा देते हुए 'पंचायत सीजन 4' की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। मेकर्स की ओर से पांच साल पूरे होने पर एक मजेदार वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया गया है। इस वीडियो में ही मेकर्स ने पंचायत के पांच साल पूरे होने और अगले सीजन की रिलीज डेट का एलान किया है। इस वीडियो में सीरीज के कुछ फेमस डायलॉग और किरदार भी नजर आ रहे हैं। इसमें सचिव जी, भूषण और बिनोद दिखाई पड़ते हैं।

वीडियो में भूषण बिनोद से कहता है कि देख रहा है बिनोद पांच साल में सचिव जी कुछ करे ही नहीं। अब इन्हें वायरल करेंगे। जिसके बाद सचिव जी बाकी सबसे पूछते हैं कि तुमने पांच साल में क्या किया? फिर वो कहते हैं कि अरे हमे लगा आप लोग खुश होंगे क्योंकि हम पंचायत का नया सीजन इसी साल ला रहे हैं। जिसके बाद सब उत्साहित हो जाते हैं और बाद में पता चलता है कि सीरीज का अगला सीजन 2 जुलाई को रिलीज हो रहा है।

पंचायत के अब तक तीन सीजन आ चुके हैं और तीनों सीजन को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया है। इन तीनों सीजन में सीरीज की कहानी को आगे बढ़ाया गया है। तो वहीं सीरीज के किरदार भी सेम ही रहे हैं। पंचायत का सीजन 3 पिछले साल 28 मई को रिलीज हुआ था। अब मेकर्स ने एक साल के बाद ही सीरीज के अगले सीजन का भी एलान कर दिया है। जिससे 'पंचायत' के फैंस काफी उत्साहित हो गए हैं।

पंचायत में फुलेरा नाम के एक गांव की कहानी दिखाई गई है। जिसमें एक सचिव है, प्रधान है, प्रधान पति है, उप प्रधान है और सचिव का सहायक है। जबकि दूसरी ओर एक व्यक्ति है जो प्रधानी का चुनाव लड़ना चाहता है और सचिव व प्रधान से नाराज रहता है। सीरीज में बहुत ही खूबसूरती से एक गांव को दिखाया गया है। वहां का रहन-सहन और वहां की बोली सबकुछ काफी वास्तविक लगती है। यही कारण है कि इस सीरीज को दर्शकों ने काफी पसंद किया है और क्रिटिक्स ने भी बहुत सराहा है। इसकी लोकप्रियता का ही नतीजा है कि इस सीरीज को कई अवॉर्ड भी मिले हैं। इसी साल हुए आईफा में भी में पंचायत के सीजन 3 का जलवा देखने को मिला था। जहां बेस्ट एक्टर और निर्देशक समेत तीन अवॉर्ड सीरीज ने अपने नाम किए।

सीरीज के पिछले तीन सीजन में जीतेंद्र कुमार, रघुबीर यादव, नीना गुप्ता, फैसल मलिक, चंदन रॉय, सान्विका, दुर्गेश कुमार, सुनीता राजवार और पंकज झा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इस पूरी स्टारकास्ट के सीजन 4 में भी नजर आने की संभावना है।

नदी में बहाई गई थीं लाशें

सच सामने लाएंगे अक्षय कुमार अंग्रेजी हुकूमत को बचाने निकले माधवन

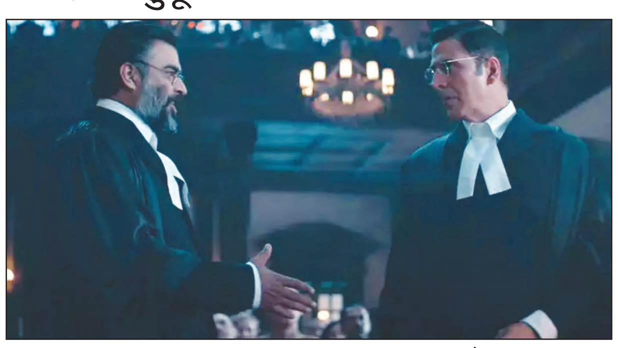

अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे की 'केसरी चैप्टर 2' का ट्रेलर 3 अप्रैल, गुरुवार रिलीज कर दिया गया है। ये 3 मिनट 2 सेकेंड का वीडियो आपका दिल छलनी कर देगा। अक्षय इस बार पर्दे पर अमृतसर में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड की अनसुनी कहानी लेकर आ रहे हैं, जिसे जानकर आपका खून खौल उठेगा, आंखें नम हो जाएंगी।

'केसरी चैप्टर 2' में अक्षय कुमार ने सी. शंकरन नायर का किरदार निभाया है, जिन्होंने साल 1919 में हुए जलियांवाला बाग नरसंहार के बाद ब्रिटिश एम्पायर से लोहा लिया था।

इस नरसंहार में हजारों भारतीयों को गोलियों से भून दिया गया था। आज भी उस बाग की दीवारों पर गोलियों के निशान मौजूद हैं।

केसरी चैप्टर 2 - द अनटोल्ड स्टोरी आफ जलियांवाला बाग फिल्म 16 दिन बाद थिएटर्स में दस्तक देगी। ये 18 अप्रैल 2025 को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी।

विजय राज बने कन्हैया लाल दर्जी, हत्या धर्म और इंसाफ की बानगी देगी फिल्म

बीते कुछ साल में देश के विवादित मुद्दों पर फिल्में बनाने का चलन बढ़ा है। इनमें से 'द कश्मीर फाइल्स', 'द केरल स्टोरी', 'द साबरमती रिपोर्ट', 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' जैसी फिल्में जहां रिलीज हो चुकी हैं, वहीं 'द दिल्ली फाइल्स' रिलीज होने वाली है। अब एक ऐसी ही मामले पर एक नई फिल्म आ रही है, जिसका नाम 'ज्ञानवापी फाइल्स' है। खास बात यह है कि इस फिल्म में विजय राज लीड रोल में हैं। विजय उन कलाकारों में से हैं, जो किसी भी रोल में ढल जाते हैं। फिर चाहे कॉमेडी हो या क्राइम या फिर पुलिस अफसर। इस फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर और रिलीज डेट का ऐलान हो गया है।

'ज्ञानवापी फाइल्स' के पोस्टर में विजय राज इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। वह फिल्म में दर्जी कन्हैया लाल की भूमिका में हैं। जिसकी उदयपुर में क्रूर हत्या कर दी गई थी। पोस्टर में विजय राज

सिलाई मशीन लिए बैठे दिख रहे हैं, जबकि उनके पीछे एक तरफ मस्जिद और दूसरी ओर नंदी बाबा हैं। नीचे एक तरह पुलिस है, तो दूसरी ओर उग्र उन्मादियों की भीड़। 'रिलायंस एंटरटेनमेंट' के बैनर तले बनी यह फिल्म 'ज्ञानवापी फाइल्स' इसी साल 27 जून 202 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने फिल्म की घोषणा करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्टर को कैप्शन दिया है, 'उस कहानी के साक्षी बनें जिसे बताया जाना चाहिए! ज्ञानवापी फाइल्सः एक दर्जी की हत्या की कहानी।

27 जून को सिनेमाघरों में!' फिल्म को भरत श्रीनेता ने डायरेक्ट किया है, जबकि कहानी जयंत सन्हिा ने लिखी है। फिल्म की कहानी जिस कन्हैया लाल दर्जी पर बनी है, उसकी जून 2022 में उदयपुर में दो हमलावरों ने दिनदहाड़े बेरहमी से हत्या कर दी थी। इन दरिंदों ने उनका सिर काट दिया था।

आखिरी सांसें गिन रही 'छावा' 48वें दिन वर्ल्डवाइड 800 करोड़ पार

चौंका देगी 'एम्पुरान' की कमाई

विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना की पीरियड-ड्रामा 'छावा' 48 दिनों की लंबी यात्रा के बाद अब थक चुकी है। बॉक्स ऑफिस पर ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हो चुकी इस फिल्म की कमाई बुधवार को और गिर गई है। बीते तीन दिनों से यह फिल्म लाखों में कारोबार कर रही है और अब इसका ऊपर उठना मुश्कलि है। हालांकि, यह देश में 600 करोड़ रुपये की कमाई से अभी भी करीब 5 करोड़ दूर है। लेकिन वर्ल्डवाइड कमाई में अब यह 800 करोड़ पार हो चुकी है। दूसरी ओर, मोहनलाल और पृवीराज सुकुमारन की 'एल 2: एम्पुरान' ने भी सात दिनों में वर्ल्डवाइड 235 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। लक्ष्मण उतेकर के डायरेक्शन में बनी 'छावा' की सफलता किसी जादू से कम नहीं है। इस फिल्म ने महाराष्ट्र मास सर्किट के बूते कमाई का पहाड़ खड़ा कर दिया है। 130 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 48 दिनों में देश में हिंदी और तेलुगू मिलाकर 595.30 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर लिया है। हालांकि, यह अभी भी 'स्त्री 2' को पछाड़कर हिंदी में सबसे अधकि कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म नहीं बन पाई है। 'स्त्री 2' ने 597.99

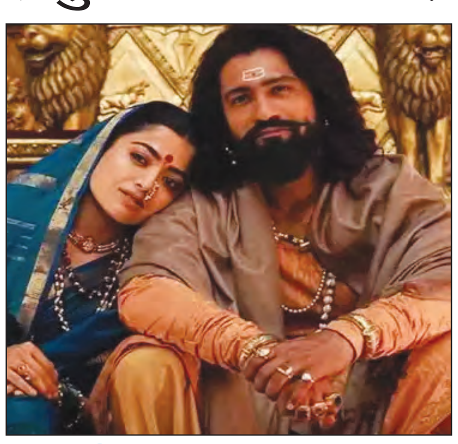

करोड़ का बिजनस किया था। जबकि हिंदी में 'छावा' ने अब तक 579.43 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। सैकनिक के मुताबिक, 'छावा' ने बुधवार को रिलीज के 48वें दिन देश में 41 लाख रुपये का टोटल कलेक्शन किया है।

इसमें से 40 लाख की कमाई हिंदी में और 1 लाख का काराबार तेलुगू वर्जन से हुआ है। इससे पहले मंगलवार को 47वें दिन इसने 54 लाख रुपये और सोमवार को 89 लाख रुपये का बिजनस किया था। बॉक्स ऑफिस पर अब 'छावा' का जोर खत्म हो चला है। हालांकि, जाते-जाते भी इसने वर्ल्डवाइड कमाई में 800 करोड़ रुपये का मुकाम हासिल कर लिया है।

मैं कपड़े बदल रही थी, वो डायरेक्टर मेरी वैन में घुस आया

शालिनी पांडे ने सुनाई साउथ सिनेमा की खौफनाक आपबीती

साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में एक्ट्रेसेस के शोषण, फिल्ममेकर्स की बेहूदा और घटिया मनमानी के आरोप नए नहीं हैं। बीते साल जस्टसि हेमा कमेटी की रिपोर्ट ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की बखिया उधेड़कर रख दी थी। यह इंडस्ट्री की खौफनाक सच्चाई और महिलाओं पर अत्याचार की सिर्फ एक बानगी थी। अब 31 साल की पॉपुलर एक्ट्रेस शालिनी पांडे ने अपने साथ हुई एक ऐसे ही वीभत्स वाकये की आपबीती सुनाई है, जिसे जानकार आपकी रूह भीतर तक हिल जाएगी। शालिनी ने बताया है कि कैसे उनकी फिल्म का डायरेक्टर उनके वैनिटी वैन में तब जबरन घुस गया, जब वह कपड़े बदल रही थीं। मध्य प्रदेश की रहने वाली शालिनी पांडे ने 2017 में 'अर्जुन रेड्डी' फिल्म से एक्टगि डेब्यू किया। इसी सुपरहिट फिल्म का रीमेक शाहिद कपूर की 'कबीर सिंह' है।

शालिनी ने रणवीर सिंह के साथ 'जयेशभाई जोरदार' और 2024 में जुनैद खान के साथ OTT पर रिलीज 'महाराज' में नजर आईं। बीते दिनों वह शबाना आजमी और ज्योतिका के साथ वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' में नजर आई हैं। 'मैंने भयानक और अराजक पुरुषों संग काम किया है'

खाकी के सेट पर घबरा गई थीं चित्रांगदा सिंह

एक सीन में 400 लोगों के सामने भाषण देना था; पहली बार पॉलिटिशियन के किरदार में दिखीं

चित्रांगदा सिंह की खाकी- द बंगाल चैप्टर वेब सीरीज हाल ही में रिलीज हुई। सीरीज के रिलीज होने के बाद एक्ट्रेस ने शूटिंग के कुछ किस्से शेयर किए। उन्होंने कहा कि वह शूटिंग के समय 400 लोगों के सामने काफी नर्वस फील कर रही थीं।

चित्रांगदा सिंह ने सेट के किस्से शेयर करते हुए कहा कि कुछ मोमेंट ऐसे हैं, जिन्हें वह कभी नहीं भूल पाएंगी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए चित्रांगदा ने बताया, 'एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा चैलेंजिंग किरदारों को चुनती हूं। नॉर्मल किरदार निभाना कॉमिक बुक जैसा लगता है।'

चित्रांगदा ने कहा कि निबेदिता बसाक की भूमिका निभाना मुश्किल था। एक स्पेशल सीन को करते हुए एक्ट्रेस को काफी घबराहट हुई। उन्होंने कहा, 'फिल्म के सेट पर मुझे करीब 400 लोगों के सामने भाषण देना था। इस सीन को विक्टोरिया मेमोरियल के ठीक सामने एक बड़े मैदान में शूट किया गया था। मैंने डायरेक्टर के साथ वैन में अपने भाषण की प्रैक्टिस की। लेकिन जैसे ही मैं स्टेज पर चढ़ी और 'रेडी टू रोल' सुना, मुझे काफी घबराहट होने लगी और मैं कुछ सेकेंड के लिए फ्रिज हो गई थी। हालांकि, भीड़ की एनर्जी ने मुझे आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया। यह मोमेंट मुझे हमेशा याद रहेगा।'

'खाकीः द बंगाल चैप्टर' नेटफ्लिक्स पर हिंदी और बंगाली में एक साथ स्ट्रीम होने वाली पहली हिंदी सीरीज है। इसमें चित्रांगदा सिंह, निबेदिता बसाक की भूमिका में नजर आ रही हैं। इनके अलावा जीत मदनानी, प्रोसेनजीत चटर्जी, परमब्रत चटर्जी भी लीड रोल में हैं। 'खाकीः द बंगाल चैप्टर' वेब सीरीज 20 मार्च 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। यह सीरीज 'खाकीः द बिहार चैप्टर' का स्टैंड अलोन सीक्वल है। इसको नीरज पांडे ने क्रिएट किया है।

सलमान की 'सिकंदर' पर मचा बवाल

प्रोड्यूसर की पत्नी वर्धा नाडियाडवाला ने ट्रोल्स को जवाब देकर बढ़ाया विवाद, फिल्म की कमाई में आई गिरावट

सलमान खान की फिल्म सिकंदर को ना सिर्फ क्रिटिक्स बल्कि ऑडियंस से भी मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर निगेटिव कमेंट्स की बाढ़ आ गई है।

इस बीच, प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला की पत्नी वर्धा नाडियाडवाला के कुछ ट्वीट चर्चा में हैं। कहा जा रहा है कि वह ट्रोल्स को करारा जवाब दे रही हैं। हालांकि, कुछ ट्वीट अब डिलीट हो चुके हैं। इससे उनकी सच्चाई की पुष्टि नहीं हो सकी है।

2 अप्रैल को वर्धा नाडियाडवाला ने X (पहले ट्विटर) पर सिकंदर के हाउसफुल थिएटर्स के वीडियो और कुछ पॉजिटिव रिव्यूज री-शेयर किए। इस दौरान एक यूजर ने कमेंट किया –'यही ट्वीट भाई (सलमान) को दिखा देना और कहना कि फिल्म ब्लॉकबस्टर हो गई... जाहिल औरत!'वर्धा ने इसका जवाब देते हुए लिखा, 'गेट वेल सून! हालांकि, कुछ यूजर्स ने दावा किया कि वर्धा ने कुछ ट्रोल्स को तीखे शब्दों में जवाब दिया। एक सोशल मीडिया यूजर ने स्क्रीनशॉट शेयर कर लिखा –

'आपसे इस तरह की भाषा की उम्मीद नहीं थी। कम से कम फिल्म की असफलता को स्वीकार कर लीजिए। पेड रिव्यूज का सलमान सर से कोई नाता नहीं रहा। उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन सच मानने में क्या दिक्कत है?'लेकिन, जिन ट्वीट्स के स्क्रीनशॉट शेयर किए गए, वे अब सोशल मीडिया पर नहीं दिख रहे। इससे यह साफ नहीं हो सका कि वे असली थे या नहीं।

बॉक्स ऑफिस पर धीमी रफ्तार से बढ़ रही 'सिकंदर'

फिल्म ने पहले दिन 26 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली। ईद के मौके पर इसकी कमाई बढ़ी। दूसरे दिन फिल्म ने 29 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। लेकिन, तीसरे दिन इसका कलेक्शन गिरकर 19.5 करोड़ रुपये पर आ गया। चौथे दिन फिल्म को झटका लगा। फिल्म ने महज 9.75 करोड़ रुपये ही कमाए। अब तक फिल्म का कुल कलेक्शन 84.25 करोड़ रुपये हो चुका है। लेकिन आगे की कमाई पर बड़ा सवाल बना हुआ है।

गोविंदा ने यशवर्धन से कहा फिल्मों में गाली मत देना

यशवर्धन आहूजा जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। इसी बीच उन्होंने अपने पिता और एक्टर गोविंदा की दी हुई एडवाइस के बारे में बात की है। यशवर्धन ने 2016 में आई फिल्म डिशूम और बागी में सपोर्टिंग रोल किया। स्टार किड होने के बावजूद उन्होंने 9 साल तक ऑडिशन दिए। हालांकि, बाद में यशवर्धन को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्ममेकर साई राजेश के साथ अपना पहला प्रोजेक्ट मिला। हाल ही में यशवर्धन ने शेयर किया कि उनके पिता गोविंदा ने उन्हें फिल्मों में करियर के लिए एक एडवाइस दी थी। टाइम्स एंटरटेनमेंट से बातचीत में यशवर्धन ने बताया, मेरे पिता ने कभी भी स्क्रीन पर गाली नहीं दी। बॉलीवुड में आने से पहले उन्होंने मुझसे भी यही कहा कि फिल्मों में कभी गाली-गलौज मत करना।'

यशवर्धन आहूजा ने आगे कहा, मेरे पिता का मानना है कि हर किसी की अपनी जर्नी होती है। मैंने उन्हें कभी भी अपने डायलॉग सीखते या याद करते नहीं देखा। लेकिन, फिर भी उनकी टाइमिंग एकदम सही है। उनकी याददाश्त बहुत अच्छी है।

कुणाल कामरा को तीसरा समन, 5 अप्रैल को बुलाया

पहले 2 समन में पेश नहीं हुए; मद्रास हाईकोर्ट से ट्रांजिट अग्रिम जमानत मिल चुकी

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर पैरोडी सॉन्ग मामले में कॉमेडियन कुणाल कामरा को पुलिस ने तीसरा समन भेजा है। उन्हें 5 अप्रैल को खार पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले पुलिस कामरा को 2 समन भेज चुकी है।

इधर, मंगलवार को कुणाल कामरा मद्रास हाईकोर्ट में पेश हुए। उन्होंने दावा किया कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है, इसलिए उन्हें ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी जाए। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुंदर मोहन ने कामरा को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे दी। इससे पहले 28 मार्च को हाईकोर्ट ने कामरा को 7 अप्रैल तक की अग्रिम जमानत दी थी। कामरा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की। इसका शीर्षक था – 'एक कलाकार को खत्म करने की स्टेप-बाय-स्टेप गाइड'। कामरा ने लिखा- आज के दौर में कलाकारों के पास दो ही विकल्प हैं – या तो अपनी आत्मा बेचकर डॉलर की कठपुतली बन जाएं या फिर चुपचाप खत्म हो जाएं।

कामरा वर्तमान में तमिलनाडु में हैं। कामरा ने एक स्टैंडअप कॉमेडी शो में पैरोडी की थी, जिसमें शिंदे को गद्दार कहा गया था। इसके खिलाफ मुंबई के खार थाने में FIR दर्ज की है। इसी केस में पुलिस ने उन्हें तीसरा समन भेजा है। इससे पहले 31 मार्च को मुंबई पुलिस कामरा के शिवाजी पार्क स्थित घर पहुंची थी।

मुंबई पुलिस ने कुणाल कामरा के शो में गए एक बैंकर को गवाह के तौर पर समन भेजा है। हालांकि, पुलिस ने बताया कि उनकी तुरंत उपस्थिति जरूरी नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैंकर 6 अप्रैल तक के लिए छुट्टियों पर गया था। लेकिन नोटिस की वजह से बैंकर को ट्रिप कैंसिल करके 31 मार्च (सोमवार) को ही लौटना पड़ा। इस पर कामरा ने सोशल मीडिया पर बैंकर को हुई परेशानी को लेकर खेद जताया। उन्होंने कहा कि मेरे शो में शामिल होने से आपको हुई दिक्कत के लिए मुझे माफ कर दीजिए। 36 साल के स्टैंडअप कॉमेडियन ने अपने शो में शिंदे के राजनीतिक करियर पर कटाक्ष किया था। कामरा ने फिल्म 'दिल तो पागल है' के एक गाने की पैरोडी की थी, जिसमें शिंदे को गद्दार कहा गया। उन्होंने गाने के जरिए शिवसेना और एनसीपी में विभाजन को लेकर भी मजाकिया लहजे में कमेंट किया था।

पिता बोनी और बहन जान्हवी भी नजर आए; शिखर पहाड़िया के बर्थडे पर जामनगर पहुंचे

रूमर्ड बॉयफ्रेंड वेदांग रैना के साथ दिखीं खुशी कपूर

फिल्ममेकर बोनी कपूर की बेटी और एक्ट्रेस जान्हवी कपूर की छोटी बहन खुशी कपूर अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। काफी वक्त से चर्चा है कि खुशी अपनी डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' के को-एक्टर वेदांग रैना को डेट कर रही हैं। इसी बीच दोनों साथ में एयरपोर्ट के बाहर स्पॉट हुए। इस समय खुशी और वेदांग के साथ बोनी कपूर और जान्हवी कपूर भी नजर आए।

दरअसल, जान्हवी कपूर गुजरात के जामनगर में अपने बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया का बर्थडे सेलिब्रेट करने पहुंची हैं। फैमिली का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में जान्हवी और बोनी कपूर मुंबई के एक एयरपोर्ट पर दिखाई दे रहे हैं।

इसी वीडियो में खुशी कपूर को वेदांग के साथ देखा गया। खुशी ने अपने पालतू कुत्ते को भी गोद में उठा रखा था।

इसके बाद सभी का एक और वीडियो में सामने आया, इसमें वह जामनगर एयरपोर्ट से बाहर निकलते दिखाई दे रहे हैं। खुशी की बेस्ट फ्रेंड मुस्कान भी कपूर फैमिली के साथ नजर आईं।

खुशी कपूर और वेदांग रैना ने जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

इसके बाद से अक्सर दोनों साथ में नजर आते हैं। हालांकि, दोनों में से किसी ने अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियली एक्सेप्ट नहीं किया है।

इस बीच वर्क फ्रंट की बात करें तो खुशी इस साल दो फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने 2025 की शुरुआत अद्वैत चंदन की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म लवयापा से की। इस फिल्म से उन्होंने आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ थिएटर में डेब्यू किया। इसके बाद वह डायरेक्टर शौना गौतम की फिल्म नादानियां में नजर आईं। इसमें खुशी के साथ सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान भी हैं।

पंजाबी गायक हंसराज हंस की पत्नी का निधन

बीमारी के चलते जालंधर के अस्पताल में अंतिम सांस ली; दलेर मेहंदी की समधन थीं

पंजाब के जालंधर से संबंध रखने वाले प्रसिद्ध सूफी गायक व भाजपा के पूर्व सांसद हंसराज हंस की पत्नी रेशम कौर का निधन हो गया है। बीमारी के बाद आज दोपहर को उन्होंने जालंधर के टैगोर अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह बॉलीवुड सिंगर दलेर मेहंदी की समधन थीं।

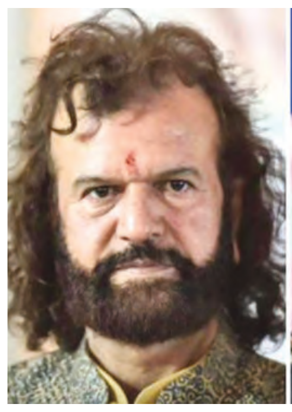

दलेर मेहंदी की बेटी अजीत कौर की शादी रेशम कौर के बेटे नवराज हंस से हुई है। बता दें कि आज से करीब 16 दिन बाद 18 अप्रैल को हंसराज हंस की एनिवर्सरी थी। रेशम कौर के निधन के बाद से परिवार में शोक की लहर है। हंसराज हंस के घर में उनके रिश्तेदार दुख प्रकट करने के लिए पहुंच रहे हैं। घर के अंदर टेंट सहित अन्य तैयारी शुरू हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, हंसराज हंस की पत्नी रेशम कौर लंबे समय से हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित थीं। कुछ समय से वह जालंधर के टैगोर अस्पताल में भर्ती थीं। हाल ही में बीमारी के चलते उनके स्टंट भी डाला गया था। इसके बाद भी उन्हें कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ा था। अब 62 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली है।

पंजाबी सूफी गायक हंसराज हंस मूल रूप से जालंधर के गांव शफीपुर के रहने वाले हैं। उनका जन्म 9 अप्रैल 1962 में हुआ था। पंजाब के सूफी गायकों में हंसराज हंस अपने समय पर पहले नंबर पर थे। वह पाकिस्तान के सबसे बड़े गायक हुए नुसरत फतेह अली खान के साथ भी गाना गा चुके हैं।

नए लुक को लेकर ट्रोल हुई मौनी रॉय

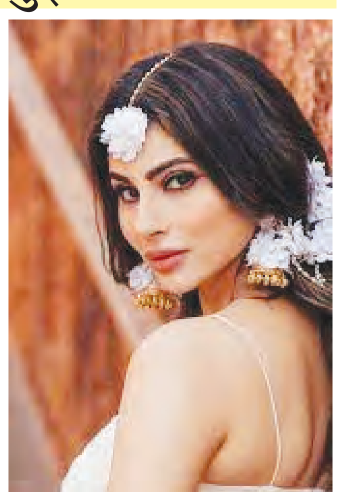

टीवी और बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय जल्द ही संजय दत्त के साथ फिल्म भूतनी में नजर आएंगी। एक्ट्रेस हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुई। इस इवेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। जिसके बाद यूजर्स एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। इसमें मौनी का लुक काफी बदला हुआ नजर आ रहा हैं। यूजर्स का कहना है कि एक्ट्रेस ने अपने होंठों की सर्जरी करा ली है।

मौनी रॉय इस इवेंट में ब्लैक ड्रेस में नजर आईं। इस दौरान एक्ट्रेस के साथ सोनम बाजवा और दिशा पाटनी भी दिखाई दीं। इवेंट में मौनी रॉय का फेस काफी बदला हुआ नजर आ रहा था। वीडियो में एक्ट्रेस नए हेयरस्टाइल में दिखाई दे रही हैं, उनके लिप्स भी थोड़े फुलर नजर आ रहे हैं।

मौनी रॉय के इस लुक पर फैंस का मिला-जुला रिएक्शन सामने आ रहा है। कुछ लोगों ने उनके इस लुक की तारीफ की। लेकिन कुछ ने कहा कि यह कितनी बार प्लास्टिक सर्जरी कराएंगी। कुछ यूजर्स ने इसे बोटॉक्स और लिप फिलर का नतीजा बताया है।

रेणुका स्वामी मर्डर केस में कन्नड़ एक्टर दर्शन की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

हाई प्रोफाइल रेणुकास्वामी मर्डर केस में कन्नड़ एक्टर दर्शन थुगुदीपा, पवित्रा गौड़ा और अन्य को जमानत मिलने के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई होगी। कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को इसी साल मार्च में कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। कर्नाटक सरकार की ओर से एडवोकेट अनिल सी निशानी ने कोर्ट से तत्काल सुनवाई की अपील की थी।

बता दें कि एक्टर दर्शन को रेणुकास्वामी मर्डर केस में पिछले साल 13 दिसंबर को हाईकोर्ट से जमानत मिली थी, जिसके बाद वो जेल से रिहा हुए थे।

दरअसल, कन्नड़ एक्टर दर्शन थुगुदीपा पर फैन रेणुकास्वामी की हत्या का आरोप है। रेणुकास्वामी की लाश 9 जून को बेंगलुरु के कामाक्षीपाल्या इलाके के एक अपार्टमेंट के पास मिली थी। जब पुलिस ने क्राइम सीन के आसपास की जांच की तो उन्हें सीसीटीवी फुटेज में दर्शन और पवित्रा क्राइम सीन से निकलते दिखे। रात 11 बजे से 3 बजे तक दोनों के मोबाइल नंबर उसी एरिया में एक्टिव थे।

रेणुकास्वामी की लाश 9 जून को मिली थी। इसके दो दिन बाद 11 जून को दर्शन और पवित्रा को गिरफ्तारी किया गया। इस मामले में दर्शन और पवित्रा समेत 19 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी।

पुलिस इन्वेस्टिगेशन के मुताबिक, 33 साल का मृतक रेणुकास्वामी एक्टर दर्शन का फैन था। जनवरी 2024 में कन्नड़ एक्ट्रेस पवित्रा गौड़ा ने दर्शन के साथ अपनी 10वीं एनिवर्सरी मनाई थी। इससे दोनों की रिलेशनशिप विवादों में आ गई, क्योंकि दर्शन पहले से शादीशुदा हैं। इस खबर से रेणुकास्वामी काफी नाराज था।

सारा ने कहा- ट्रोलिंग से अब कोई फर्क नहीं पड़ता

सारा अली खान को अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ और पर्सनल लाइफ को लेकर ट्रोल किया जाता है। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया ट्रोलिंग को लेकर बात की। उनका मानना है कि नेगेटिविटी को सिर्फ मेडिटेशन से ही कम किया जा सकता है।

सारा अली खान ने टाइम्स नाउ समिट में बातचीत के दौरान सवाल किया गया कि वह सोशल मीडिया ट्रोलिंग को कैसे डील करती हैं और उससे कैसे डील करती हैं?

सारा ने ट्रोलिंग को लेकर बात करते हुए कहा, मुझे मेरे धर्म को लेकर भी ट्रोल्स किया जाता है, लोग कहते हैं कि तुम मुस्लिम हो और हिंदू मंदिरों में जाती हो। लेकिन मुझे अब इन सब बात से फर्क पड़ना बंद हो गया है। मुझे ट्रोलिंग से डील करने में सबसे ज्यादा हेल्प मेडिटेशन करता है। मुझे मेडिटेशन से यह पता चलता है कि क्या रियल है और क्या नहीं। मेरे लिए समस्या कभी भी ट्रोलिंग नहीं थी, मेरा यह सोचना था कि मैं ही सबसे अच्छी हूं। अब, मैंने यह सोचना ही बंद कर दिया है।'

सारा ने आगे कहा, 'मैं एक एक्टर के रूप में अभी भी टॉप पर नहीं हूं। कुछ लोग कुछ कलाकारों को पसंद करते हैं, और कुछ को नहीं। एक एक्टर के रूप में मुझे अभी काफी लंबा सफर तय करना है। अभी एक लंबी लाइफ है, अभी काफी कुछ करना है।'

सारा अली खान ने साल 2018 में फिल्म 'केदारनाथ' से अपने करियर की शुरुआत की थी। सारा को हास ही में फिल्म स्काई फोर्स में देखा गया था। इसमें उनके साथ अक्षय कुमार, वीर पहाड़िया और निमरत कौर भी मुख्य भूमिकाओं में थे। सारा जल्द ही अनुराग बसु की रोमांटिक ड्रामा मेट्रो इन दिनों में नजर आएंगी। यह फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो (2007) का सीक्वल है। इसमें आदित्य रॉय कपूर, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल और फातिमा सना शेख जैसे कलाकारों भी दिखाई देंगी। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अमेरिका ने भारत पर 26 नहीं 27% का टैरिफ लगाया

ट्रंप की घोषणा और आधिकारिक आदेश में दर अलग–अलग

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारत पर 26 नहीं बल्कि 27% का टैरिफ लगाया है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी आधिकारिक आदेश इसकी पुष्टि करता है। इससे पहले टैरिफ के एलान के वक्त ट्रंप जिस तख्ती के साथ मीडिया के सामने आए थे। उस पर भारत के लिए 26% टैरिफ का जिक्र था। लेकिन ट्रंप प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक आदेश में भारत के लिए 27% टैरिफ की बात कही गई है। भारत पर बोलते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नई दिल्ली की ओर से जाने वाले टैरिफ को बहुत, बहुत कठोर बताया। उन्होंने कहा, उनके प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) अभी-अभी (हाल ही में अमेरिका से) गए हैं... वे मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं, लेकिन मैंने उनसे कहा कि 'आप मेरे दोस्त हैं, लेकिन आप हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं।' भारत हमसे 52 प्रतिशत शुल्क लेता है, इसलिए हम उनसे इसका आधा शुल्क लेंगे- 26 प्रतिशत। यह फैसला लेना बहुत कठिन रहा। हालांकि, जब ट्रंप की ओर से जारी टैरिफ चार्ट में भारत की टैरिफ दर 26 प्रतिशत बताए जाने से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई, क्योंकि व्हाइट हाउस के आधिकारिक आदेश में 27 प्रतिशत टैरिफ की बात कही गई थी। भारत के अलावा दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, म्यांमार और अन्य देशों के लिए भी टैरिफ की दरों में घोषणा और आधिकारिक आदेश में बदलाव दिखा।

अमेरिकी टैरिफ पर वाणिज्य मंत्रालय ने क्या प्रतिक्रिया दी?

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने भी अमेरिका की जवाबी टैरिफ पर प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने पारस्परिक शुल्क पर एक कार्यकारी आदेश जारी किया है, जिसके तहत सभी व्यापारिक साझेदारों से आयात पर 10% से 50% तक अतिरिक्त समानमूल्य शुल्क लगाया जाएगा। 10% का आधारभूत शुल्क 05 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगा और शेष शुल्क 09 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगा। अमेरिकी प्रशासन के कार्यकारी आदेश के अनुलग्नक I के अनुसार भारत पर 27% टैरिफ लगाया गया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा है, हम अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से की गई घोषणाओं के निहितार्थों की सावधानीपूर्वक जांच कर रहे हैं। विकसित भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, विभाग भारतीय उद्योग और निर्यातकों सहित सभी हितधारकों के साथ संपर्क में है और टैरिफ के बारे में उनके आकलन पर प्रतिक्रिया ले रहा है। हम स्थिति का आकलन कर रहे हैं। विभाग अमेरिकी व्यापार नीति में इस नए बदलाव के कारण पैदा हुए अवसरों का भी अध्ययन कर रहा है।

सोना ऑलटाइम हाई पर, चांदी में गिरावट

91,205 रुपए पर पहुंचा सोना, क्यों बढ़ रहे हैं दाम और कहां तक जाएंगे

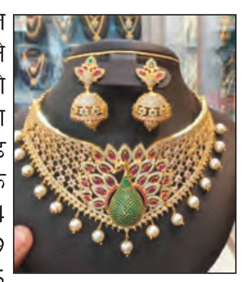

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने ने आज यानी 3 अप्रैल को ऑल टाइम हाई बनाया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 209 रुपए बढ़कर 91,205 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इससे पहले सोना 90,996 रुपए पर था। वहीं 1 अप्रैल को सोने ने 91,115 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। हालांकि चांदी के दाम में आज गिरावट है। एक किलो चांदी की कीमत 2,236 रुपए गिरकर 97,300 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इससे पहले चांदी का भाव 99,536 रुपए प्रति किलो पर था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 85,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 93,530 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 85,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 93,380 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 85,600 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 93,380 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 85,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 93,380 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 85,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 93,430 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 93,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 85,600 रुपये है।

सेंसेक्स 322 अंक गिरकर 76,295 पर बंद

निफ्टी 82 अंक फिसलकर 23,250 पर आया, टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयर 4% टूटे

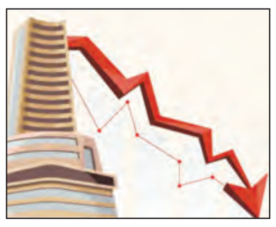

मुंबई,3 अप्रैल (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 3 अप्रैल को गिरावट रही। सेंसेक्स 322 अंक की गिरावट के साथ 76,295 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 82 अंक की गिरावट रही, ये 23,250 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयर में से 18 में गिरावट और 12 में तेजी रही। आज आईटी, ऑटो और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही। टीसीएस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा के शेयर करीब 4% टूटे। वहीं पावर और फार्मा के शेयर में बढ़त रही।

एशियाई मार्केट में रही गिरावट

एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 2.77%, चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.24% और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 1.52% की गिरावट रही।

2 अप्रैल को अमेरिका का डाओ जोंस 0.56% बढ़कर 42,225 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट में 0.87% की तेजी रही, जबकि एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.67% चढ़कर बंद हुआ।

2 अप्रैल को विदेशी निवेशकों (एफआईआईएस) ने 1,538 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू निवेशकों (डीआईआई) ने 2,808 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

बाजार में गिरावट के तीन कारण

ट्रम्प का रेसिप्रोकल टैरिफः अमेरिका ने भारत पर 26% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। भारत के अलावा चीन पर 34%, यूरोपीय यूनियन पर 20%, साउथ कोरिया पर 25%, जापान पर 24%, वियतनाम पर 46% और ताइवान पर 32% टैरिफ लगेगा। विदेशी निवेशकों की बिकवालीः फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एफआईआई) लगातार भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। यह बिकवाली बाजार में दबाव बढ़ाने का एक प्रमुख कारण हो सकती है, खासकर अगर निवेशक अन्य बाजारों की ओर रुख कर रहे हों।आर्थिक अनिश्चितताः वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका और अमेरिकी जीडीपी के 2025 की पहली तिमाही में 2.8% तक गिरने के अनुमान से निवेशकों का भरोसा कम हुआ है। इससे स्टॉक मार्केट में अस्थिरता बढ़ रही है।

कल बाजार में रही थी बढ़त

कल यानी 2 अप्रैल को शेयर बाजार में बढ़त रही थी। सेंसेक्स 592 अंक चढ़कर 76,617 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में 166 अंक की बढ़त रही, ये 23,332 के स्तर पर बंद हुआ था।

ग्वाटेमाला से केला, थाईलैंड से चावल, चिली से अंगूर, कोलंबिया से कॉफी, भारत से सी फूड मंगाता है अमेरिका

नई दिल्ली,3 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 60 से अधिक देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा है। इससे देश में महंगाई बढ़ने की आशंका है। यूबीएस की एक रिपोर्ट के मुताबिक इससे महंगाई में 5% तेजी आ सकती है और जीडीपी ग्रोथ प्रभावित हो सकती है। इसकी वजह यह है कि अमेरिका दुनिया के कोने-कोने से खाने-पीने की चीजें मंगाता है। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है और दुनिया का हर छोटा-बड़ा देश अमेरिका के साथ अपना ट्रेड बढ़ाना चाहता है। इसकी वजह यह है कि उसका बाजार बहुत बड़ा है। अमेरिका के बाजार में ज्यादातर चीजें इम्पोर्टेड हैं। देश में पीने का पानी भी विदेश से आता है। खाने-पीने की ज्यादातर चीजें पड़ोसी देशों मेक्सिको और कनाडा से आती हैं। नए टैरिफ में इन दोनों देशों पर लागू नहीं होंगे। मेक्सिको अमेरिका का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है जबकि कनाडा तीसरे नंबर पर है। चीन कई साल तक उसका सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर रहा। लेकिन पिछले कुछ साल से दोनों देशों को रिश्तों में तल्खी आई है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि अमेरिका किस देश से खाने-पीने का क्या सामान मंगाता है। अमेरिका अपने पड़ोसी देश कनाडा से मशरूम, पशु मीट, सुअर का मीट, मछली, लॉबस्टर, केकड़े, कैनोला ऑयल, गेहूं, मक्का, ओट्स, जौ और मैपल सिरप मंगाता है। इसी तरह टमाटर, एवोकाडो, शिमला मिर्च, क्रेनबेरीज, स्ट्रॉबेरीज, रैस्पबेरीज, ककड़ी, ब्रोकोली, तरबूज, आम, एस्पेरेगस, नींबू, प्याज, पालक, लेट्यूस, अखरोट और चीनी का सबसे ज्यादा आयात मेक्सिको से किया जाता है। चीन से सबसे ज्यादा ऐपल जूस और फ्रोजन फिश आती है। चिली से अंगूर और पोल्ट्री का आयात होता है जबकि कोलंबिया से कच्ची कॉफी आती है। अमेरिका सबसे ज्यादा पानी फिजी से मंगाता है। अमेरिका में भेड़ का सबसे ज्यादा मीट ऑस्ट्रेलिया से आता है जबकि ब्राजील से ओरेंज जूस का सबसे ज्यादा आयात किया जाता है। ब्राजील पर 10% टैरिफ लगाया गया है। इसी तरह अमेरिका को अन्नानास का सबसे बड़ा सप्लायर कोस्टारिका है जबकि आइवरी कोस्ट से कॉफी बीन्स आती है। ग्वाटेमाला से केला और तरबूज आता है जबकि इंडोनेशिया पाम ऑयल और कोको बटर का एक्सपोर्ट करता है। स्पेन रिफाइंड ऑलिव ऑयल का सबसे बड़ा सप्लायर है, स्विट्जरलैंड से रोस्टेड कॉफी आती है, थाईलैंड से चावल आता है और वियतनाम काली मिर्च और काजू का सबसे बडा सप्लायर है। अमेरिका ने वियतनाम पर 46% टैरिफ लगाया है। अमेरिका को बटर सप्लाई के मामले में यूरोपीय देश आयरलैंड सबसे आगे है जबकि इटली से ऑलिव ऑयल, सॉल्टेड स्वाइन मीट और चीज आता है। अमेरिका को सबसे ज्यादा दूध की सप्लाई न्यूजीलैंड से होती है। इसी तरह नीदरलैंड्स से कोको पाउडर आता है। जहां तक भारत का सवाल है तो अमेरिका सबसे ज्यादा झींगा मछली भारत से मंगाता है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2023-24 में अमेरिका ने भारत से 2,97,571 मीट्रिक टन फ्रोजन झींगे का आयात किया। इस दौरान भारत का सीफूड एक्सपोर्ट ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। भारत ने 2023-24 में 17,81,602 मीट्रिक टन सीफूड का एक्सपोर्ट किया जिसकी कीमत 60,523.89 करोड़ रुपये रही। अमेरिका के बाद चीन, यूरोपीय यूनियन, साउथईस्ट एशिया, जापान और मिडल ईस्ट भारतीय सीफूड के सबसे बड़े बाजार हैं।

19 साल पहले 10,000 डॉलर के मालिक थे वॉरेन बफे

इस साल की है सबसे ज्यादा कमाई, अब 118 अरब डालर नेटवर्थ

नई दिल्ली,3 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका का दिग्गज इनवेस्टर वॉरेन बफे इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शख्स हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ में इस साल 26 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह 168 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। उनकी कंपनी बर्कशायर हैथवे के पास 334 अरब डॉलर कैश है। यह कंपनी 1.160 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया की आठवीं बड़ी कंपनी है। 94 साल के बफे आज भी काफी सक्रिय रहते हैं। बफे ने बचपन से ही शेयरों में निवेश करना शुरू कर दिया था। जब वह 19 साल के थे तब उनकी नेटवर्थ 10,000 डॉलर थी। बफे जब 20 साल के हुए तो उनकी नेटवर्थ 105,000 डॉलर पहुंच गई। इसके 10 साल बाद वह 90 लाख डॉलर के मालिक हो गए। 40 की उम्र में उनकी नेटवर्थ 26.5 करोड़ डॉलर पहुंच गई और 50 की उम्र में 93.7 करोड़ डॉलर के आसपास पहुंच गए। बफे जब 60 साल के हुए तो उनकी नेटवर्थ 8 अरब डॉलर हो गई। इसके 10 साल बाद वह 39 अरब डॉलर के मालिक बन गए। बफे जब 80 साल के थे तो उनकी नेटवर्थ 56 अरब डॉलर पहुंच गई । अगले 10 साल में उनकी नेटवर्थ में 40 अरब डॉलर की उछाल आई और यह 96 अरब डॉलर पहुंच गई।

कितनी बढ़ी नेटवर्थ

इसके बाद एक साल में बफे की नेटवर्थ 118 अरब डॉलर पहुंच गई। यानी एक साल में इसमें 22 अरब डॉलर की उछाल आई। हालांकि इसके बाद उनकी नेटवर्थ में गिरावट आई और 92 साल की उम्र में वह 106 अरब डॉलर के मालिक रह गए। फिर अगले एक साल में उनकी झोली में 27 अरब डॉलर आए और उनकी नेटवर्थ 133 अरब डॉलर पहुंच गई। 94 साल में वह 166 अरब डॉलर के मालिक हैं। पिछले एक साल में उनकी नेटवर्थ 33 अरब डॉलर बढ़ी है।

पीपीएफ में निवेश करने वाले लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी! अब फ्री में कर सकेंगे अपडेट

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि अब कस्टमर्स अपने पीपीएफ अकाउंट में बिना किसी चार्ज के अपने नॉमिनी में बदलाव कर सकते हैं. पहले इस बदलाव के लिए आपको 50 रुपए का शुल्क देना पड़ता था. इसको लेकर वित्त मंत्री ने एक पोस्ट किया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, कि हाल ही में मुझे बताया गया कि वित्तीय संस्थाओं द्वारा पीपीएफ खातों में नामांकित व्यक्ति के डिटेल्स को अपडेट या फिर बदलने के लिए शुल्क लगाया जा रहा है. अब सरकारी बचत संवर्धन सामान्य नियम 2018 में गजट अधिसूचना 02/4/25 के माध्यम से कुछ जरूरी बदलाव किए गए हैं. ताकि पीपीएफ खातों के लिए नामांकित व्यक्ति के अपडेट पर कोई भी शुल्क हटाया जा सके. उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में संसद में पारित बैंकिंग संशोधन विधेयक 2025 के नियमों के मुताबिक, अब कस्टमर्स के बैंक में पैसे, लॉकर के भुगतान के लिए 4 व्यक्तियों को नॉमिनी बनाने को मंजूरी देता है. बता दें, कि नए बैंकिंग संशोधन विधेयक 2025 में सरकार की तरफ से कई सारे जरूरी बदलाव किए गए हैं. इसमें से एक बड़ा बदलाव महत्वपूर्ण हित की परिभाषा को लेकर भी किया गया है. पहले अगर किसी व्यक्ति का किसी बैंक में 5 लाख रुपए का निवेश होता था तो उसे महत्वपूर्ण हित माना जाता था. लेकिन अब यह सीमा बढ़ाकर 2 करोड़ रुपए कर दिया गया है. इस बदलाव को करने का कारण यह था कि यह पुरानी सीमा लगभग 60 साल पहले तय की गई थी.सरकार के इस फैसले से पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना सहित अन्य छोटी बचत योजनाओं के खाताधारकों को राहत मिलेगी.

इनकम टैक्स ने भेज दिया गलत नोटिस तो तुरंत करें ये काम, इस तरह सुलझाएं मामला

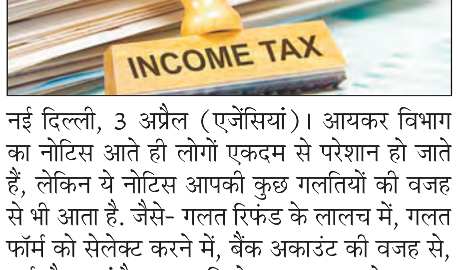

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। आयकर विभाग का नोटिस आते ही लोगों एकदम से परेशान हो जाते हैं, लेकिन ये नोटिस आपकी कुछ गलतियों की वजह से भी आता है. जैसे- गलत रिफंड के लालच में, गलत फॉर्म को सेलेक्ट करने में, बैंक अकाउंट की वजह से, हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन आदि के कारण आपको इनकम टैक्स नोटिस भेज सकता है. लेकिन इनकम टैक्स नोटिस के जरिए आपको एक तरह का मौका देता है, जिससे टैक्सपेयर्स किसी भी तरह से मिसमैच को एक्सप्लेन कर सकें. चलिए आपको बताते हैं आयकर विभाग के नोटिस मिलने पर आपको क्या करना चाहिए.एक बार जब आईटीआर वेरिफाई हो जाता है तो उसके बाद आयकर विभाग की तरफ से उसकी प्रोसेसिंग शुरू होती है. इसके तहत सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट अपनी प्राथमिक जांच में आईटीआर को अपने खुद के रिकॉर्ड से फॉर्म 16, फॉर्म 26एएस, एआईएस, टीआईएस आदि का इस्तेमाल करते हुए वैलिडिटी करता है. जैसे ही आईटीआर प्रोसेस हो जाने के बाद आयकर विभाग की तरफ से सेक्शन 143(1) के तहत लोगों को नोटिस जारी किए जाते हैं.

क्या करें जब नोटिस आ जाए?

आपके पास आयकर विभाग की तरफ से कई वजहों से नोटिस आ सकता है. अगर आपको भी आयकर विभाग की तरफ से अधिक टैक्स बकाया होने के नोटिस मिला है, तो घबराने की जरूरत नहीं है. इसे आप ध्यान से पढ़ें और समझें कि आपको किस वजह से यह नोटिस आया है. नोटिस में लिखा होगा कि आपको कितना अतिरिक्त टैक्स देना है और किस आकलन वर्ष से जुड़ा है. इसके साथ ही, इसमें बताया गया है कि यह नोटिस किस सेक्शन के तहत जारी किया गया है. जैसे धारा 143(1), 147, 156 आदि. आप इसमें फाइल किए गए आईटीआर फिर से देखें.a

ऑनलाइन आईटीआर रिवाइज

फिर भी आपको लगता है कि नोटिस में दी गई जानकारी सही नहीं है तो आप ऑनलाइन आईटीआर रिवाइज कर सकते हैं या उत्तर दर्ज कर सकते हैं. अगर मामला जटिल है या आपको नोटिस समझने में परेशानी हो रही है, तो आप किसी सीए से बात करें और किसी टैक्स एक्सपर्ट से भी सलाह ले सकते हैं.

ट्रंप के टैरिफ से झूम उठा टेक्सटाइल सेक्टर, कई शेयर में लगा अपर सर्किट, करोड़पति बनाने वाला स्टॉक भी उछला

नई दिल्ली,3 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारत समेत कई देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है। भारत पर 27 फीसदी और चीन पर कुल 54 फीसदी टैरिफ लगाया है। इस टैरिफ के कारण भारत की भी उन कंपनियों को दिक्कत होगी जो अपना सामान अमेरिका में बेचती हैं। वहीं दूसरी ओर इस टैरिफ से भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री को झूमने का मौका मिल गया है। कई कंपनियों के शेयर में अपर सर्किट तक लग गया। अमेरिका ने चीन के साथ बांग्लादेश पर भी काफी ज्यादा टैरिफ लगाया है। बांग्लादेश पर 37 फीसदी टैरिफ लगा है। ऐसे में इन दोनों देशों के मुकाबले भारत पर टैरिफ कम लगा है। भारतीय टेक्सटाइल इंडस्ट्री को इसका बड़ा फायदा मिल सकता है। कम टैरिफ के कारण भारतीय टेक्सटाइल कंपनियां चीन और बांग्लादेश की अपेक्षा अमेरिका में ज्यादा एक्सपोर्ट कर सकती हैं। इस कंपनी में गुरुवार को 20 फीसदी का अपर सर्किट लगा। इतनी तेजी के साथ यह शेयर 479.65 रुपये पर जाकर बंद हुआ। इससे पहले इसमें कुछ गिरावट आ रही थी। लेकिन अमेरिका टैरिफ इसके लिए वरदान बन गया। पिछले एक साल में इसका रिटर्न 8 फीसदी से कुछ ज्यादा रहा है। इसमें भी गुरुवार को 6 फीसदी की तेजी आई। इस तेजी के साथ यह शेयर 346.10 रुपये पर बंद हुआ। इसमें भी पिछले कुछ समय से गिरावट आ रही थी। हालांकि एक साल में इसने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। यह रिटर्न 17 फीसदी से ज्यादा रहा है, जो किसी भी एफडी के मुकाबले करीब दोगुना है। गुरुवार को इस टेक्सटाइल कंपनी के शेयर में भी अपर सर्किट लगा। यह शेयर 5 फीसदी अपर सर्किट के साथ 739.25 रुपये पर बंद हुआ। पिछले कुछ समय में इसमें काफी देखने को मिली है। एक महीने में ही इसने करीब 22 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं एक साल में इसका रिटर्न 50 फीसदी से ज्यादा रहा है। 10 रुपये से कम कीमत के इस शेयर ने भी गुरुवार को ऊंची छलांग लगाई। यह शेयर 5 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 9.81 रुपये पर बंद हुआ। पिछले कुछ समय से इस शेयर में भी गिरावट देखी जा रही थी। 6 महीने में यह शेयर 25 फीसदी से ज्यादा गिर गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 06-11
सूर्यास्त - 18-26
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन मे	मीन....	05-07 बजे
चंद्र-	मिथुन मे	मेष---	06-44 बजे
मंगल	मिथुन मे	वृष---	08-28 बजे
बुध-	मीन मे	मिथुन..	10-29 बजे
गुरु-	वृष मे	कर्क....	12-40 बजे
शुक्र-	मीन मे	सिंह---	14-56 बजे
शनि-	मीन मे	कन्या---	17-00 बजे
राहु-	मीन मे	तुला----	19-04 बजे
केतु-	कन्या मे	वृश्चिक...	21-14 बजे
		धनु......	23-28 बजे
		मकर...	01-40 बजे
		कुंभ....	03-29 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 20:12 तक उपरान्त अष्टमी
मास - चैत्र शुक्ल , शुक्रवार 04 April
नक्षत्र - आर्द्रा 05:20 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - शोभन 21:44 तक उप अतिगण्ड
करण- गर 08-52 तक उप वणिज
विशेष:- व्रत -त्योहार - नवपद ओली आराधना प्रा जैन

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:47 से 12:19 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	06:11 - 07:42 शुभ	रोग	18:26 - 19:56 अशुभ
लाभ	07:42 - 09:14 शुभ	काल	19:56 - 21:24 अशुभ
अमृत	09:14 - 10:47 शुभ	लाभ	21:24 - 22:51 शुभ
काल.	10:47 - 12:19 अशुभ	उत्पात	22:51 - 00:19 अशुभ
शुभ.	12:19 - 13:52 शुभ	शुभ	00:19 - 01:46 शुभ
रोग	13:52 - 15:24 अशुभ	अमृत	01:46 - 03:14 शुभ
उत्पात	15:24 - 16:56 अशुभ	चंचल.	03:14 - 04:41 शुभ
चंचल	16:56 - 18:26शुभ	रोग..	04:41 - 06:11 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
पिछले कुछ दिनों से अलग अलग दिशाओं में आपका मन भाग रहा है और निर्णायक निर्णय लेने में आप असमर्थ रहे है। बहरहाल, आज आपको दृष्टि की एक दुर्लभ स्पष्टता का अनुभव होगा और आप अपने कार्यस्थल पर मुद्दों के बारे में स्पष्ट और उचित निर्णय लेने में सक्षम होंगे । आपको किसी से अच्छी करियर सलाह मिलने की भी संभावना है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप जो भी कार्य करेंगे , सफलता आपके कदम चूमेगी । अगर आप एक प्रतियोगी परीक्षा में बैठे थे तो आज आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज का दिन पदोन्नति या अधिक जिम्मेदारी लेने के बारे में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विमर्श आरंभ करने के लिए उपयुक्त है। आपको इस बहुत ही अनुकूल दिन का लाभ लेने के लिए अपने सभी प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आपका ध्यान कही भटक सकता है , और आपको लगेगा की आप अपने कार्यों को समय पर पूरा नहीं कर पाएंगे । परिणाम स्वरुप आप अपने कार्यों में पीछे रह सकते है । इसका सबसे अच्छा समाधान है की आप कार्य से एक दिन अवकाश ले और बाहरी गतिविधियों में एक दिन बिताए । यह आपको ऊर्जा से भरेगा और आप नए उत्साह के साथ अपने लंबित कार्यों को निपटने में सक्षम हो जायेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा , लेकिन फिर भी आप खुश और ऊर्जावान महसूस करेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की । आपकी वितीय स्थिति उच्च रहेगी हालाँकि आपको लाभ के लिए जोखिम उठाने पड़ सकते है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप ऐसे लोगों को खोजने की कोशिश करें जो आप के लिए कुछ उपयोगी जानकारी की आपूर्ति कर सकते हैं। आप कुछ बड़ा सोच रहे हो और इस जोखिम को लेने के लिए यह सही समय है। महत्वहीन मुद्दों के हल के लिए अपने समय की बचत करें। जितनी चादर हो उतने ही पैर फैलाये अर्थात आमदनी के हिसाब से धन का व्यय करे ! यदि संभव हो तो अपनी सफलता का जश्न मनाने का इरादा स्थगित कर दे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
कार्यस्थल पर आपका ध्यान भटक सकता है जो की आपकी उत्पादकता को कम कर सकता हैं। कार्यालय में प्रेम प्रसंग की एक संभावना आपको अपने कार्य से दूर ले जा सकती है हालांकि, आपको वापस अपनी एकाग्रता लाने की जरूरत है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी । वफ़ादारी स्वागतयोगनीय होगी जो किसी भी मुश्किल स्थिति से आपको बाहर निकल देगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपके सभी प्रयासों को एक के बाद एक सफलता मिलने के कारण आप को ऐसा लगेगा की आप अजेय हैं । आपको अपने भाग्य के इस लाभ का पूरा फायदा उठाना चाहिए । यह उन सभी परियोजनाओं से निपटने के लिए सबसे अच्छा समय है जिससे आपको निराशा हाथ लग रही थी । आपका अपना आत्मविश्वास और ग्रहों का संयोग आज आपकी कैरियर सम्भंधी सभी बाधाओं को आसानी से दूर करेगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप अपने कार्यों को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है , आपको ये याद करने की जरूरत है की क्यों आप इस पथ पर आगे की और बढे थे और उसी पथ पर आगे बढ़ते रहे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप एक साथ कई परियोजनाओं के बोझ तले दबा हुआ सा महसूस कर सकते हैं। आप अपने कार्य को कुछ देर से शुरू कर पायेंगे क्यों की काम के बोझ से आप अपने को थका हुआ महसूस करेंगे । आप एक के बाद एक काम के कारण अपने आपको एक दुष्चक्र में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपनी प्राथमिकताएं तय करे और यदि संभव हो तो एक ब्रेक ले या संक्षिप्त समय अपने लिए निकाले ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
नए और अलग अलग कार्य करने के अवसर आज आपके रास्ते में आएंगे । आज नए ग्राहक और विभिन परियोजनाए आपके पास आ सकती है और कुछ में तो इतनी संभावना होगी की वो आपकी सपनो की या महत्वपूर्ण परियोजना बन सकती है । इस अवसर का फायदा उठाने के लिए, आपको आज अतिरिक्त मेहनत करनी होगी, और आप इसे करते हुए आनंद को महसूस करेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एलआईसी कार्यालय में चोरी, लॉकर का ताला नहीं टूटा

पुलिस को अंदरूनी साजिश की आशंका

जमशेदपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। जमशेदपुर के बिस्टुपुर स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) कार्यालय में हुई लाखों रुपए की चोरी मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। नगर पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष ने गुरुवार को घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच में एक महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है। लॉकर का ताला टूटा हुआ नहीं मिला है। इस वजह से पुलिस को अंदरूनी साजिश की आशंका है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या कोई कर्मचारी इस घटना में शामिल था या चोरों ने कोई नई तकनीक इस्तेमाल की।

पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर एलआईसी कार्यालय की निगरानी बढ़ा दी है। आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

पुलिस टीम यह भी जांच कर रही है कि क्या कार्यालय में कोई सुरक्षा चूक हुई थी। साथ ही किसी कर्मचारी की लापरवाही से यह वारदात हुई या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) कार्यालय के दूसरी और तीसरी मंजिल के लॉकर से कुल 50 लाख रुपए की चोरी हो गई। बुधवार सुबह ब्रांच मैनेजर राकेश रंजन सिन्हा ने सीसीटीवी कैमरे को बंद देखा तो छानबीन की। उनके कमरे में रखा डीवीआर भी गायब मिला, जिसमें एलआईसी के दोनों मंजिल के सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग रहती थी। छानबीन के दौरान दोनों लॉकर खुले मिले। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस की जांच में दोनों मंजिल पर तोड़फोड़ के कोई सुराग नहीं मिले हैं। पुलिस ने फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को बुलाया, लेकिन दोनों लॉकर पर किसी तरह के निशान नहीं मिले। लॉकर देखने से प्रतीत हो रहा है कि इसे चाबी द्वारा खोला गया था। लॉकर की तीन चाबी अफसरों के पास है।

डीएसपी (सीसीआर) मनोज ठाकुर ने जांच में पाया कि एलआईसी कार्यालय में तीन दिनों से वित्तीय वर्ष की समाप्ति को लेकर सभी कर्मचारी व्यस्त थे। मंगलवार रात 7.30 बजे लॉकर बंद कर सभी चले गए। बुधवार सुबह कार्यालय खुला तो वहां सफाई कर्मी ने साफ-सफाई की। करीब 11 बजे ब्रांच मैनेजर राकेश रंजन सिन्हा अपने केबिन में पहुंचे। इसके बाद मामले का पता चला। एलआईसी कार्यालय में रात्रि ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मी सुनील कुमार ने घटना के बारे में किसी तरह की जानकारी होने से इनकार किया।

युवक बोला-उप सभापति चला रहे महादेव सट्टा

कांग्रेस पार्षद ने अकाउंट लिया, लाखों का ट्रांजेक्शन, लौटाने कहा तो कमरे में बंद करके पीटा

भिलाई, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और विधायक देवेंद्र यादव के घर महादेव सट्टा मामले में सीबीआई ने छापा मारा था। अब भिलाई नगर निगम कांग्रेस पार्षद और उप-सभापति मन्नान गफ्फार खान पर महादेव सट्टा पैनल चलाने का आरोप लगा है।

युवक ने बताया कि मन्नान और उसके भाईयों ने उससे अकाउंट लिया था। बाद में बैंक से फोन आया कि लाखों के ट्रांजेक्शन हुए हैं। उसने मन्नान से अपना अकाउंट वापस करने कहा। इसके बाद युवक ने अपने अकाउंट से 10 हजार रुपए निकाले। इससे नाराज होकर मन्नान और उसके भाइयों ने युवक को कमरे में बंद करके पीटा।

मन्नान के वार्ड क्षेत्र में रहने वाले कैंप 2 चटाई क्वार्टर निवासी उत्तम सिंह उर्फ बॉबी (25 साल) ने छावनी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि पार्षद मन्नान गफ्फार खान और उसका भाई मिलकर महादेव आईडी का पैनल चलाते हैं। उसने दावा किया कि उसका बैंक अकाउंट चेक किया जाए तो यह साफ हो जाएगा कि मन्नान और उसके भाई आईडी चलाते हैं।

युवक ने बताया कि उसकी मन्नान और उसके भाई जोहेब और सद्दाम के साथ अच्छी दोस्ती थी। उनका अक्सर घर के पास बाजार में उठना बैठना होता था। दो महीने पहले मन्नान ने उससे उसका बैंक अकाउंट मांगा था। उसने कहा कि कुछ पैसे मंगाना है, 2-3 दिन में वापस दे देगा। बॉबी ने मन्नान को अकाउंट और पासवर्ड दे दिया। इसके बाद उसने अकाउंट मांगा, लेकिन उन्होंने बहाना बनाकर कुछ दिन बाद देने को कहा। कुछ दिन पहले बॉबी के पास बैंक ऑफ इंडिया से फोन आया कि आपके खाते में दो महीने के अंदर कई लाख का ट्रांजेक्शन हुआ है। उन्हें शक है कि गलत तरीके से पैसे आ रहे हैं। इस पर बॉबी ने कहा कि वह पता करता है और वहां से चला आया।

वापस आने के बाद उसने मन्नान और उसके भाइयों से उसका बैंक अकाउंट देने को कहा। उसने आरोप लगाया कि तुम लोग उसके खाते में महादेव सट्टा का पैसा मंगाते हो। इस पर वो लोग झगड़ा करने लगे और कहने लगे कि वो चाहे तो पता कर ले। एक दो दिन में वो उसका अकाउंट दे देंगे।

अकाउंट नहीं देने से नाराज होकर बॉबी ने आधार फिंगर प्रिंट के जरिए अपने दिए खाते से 10 हजार रुपए निकाल लिए। इसकी जानकारी होने पर मन्नान ने उससे झगड़ा किया।

हाथी ने 4 दिन में 4 लोगों को मार डाला

बलरामपुर में खेत में पानी देने गए युवक को कुचला, 2 ने भागकर बचाई जान

बलरामपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में गुरुवार की सुबह हाथी ने एक युवक को कुचलकर मार डाला। जबकि दो युवकों ने भागकर अपनी बचाई। हालांकि वो गिरकर घायल हो गए हैं। घटना सेमरसोत अभ्यारण के ग्राम पंचायत घाघरा की है। जिले में चार दिन में 4 लोगों को हाथी ने मौत के घाट उतार दिया है।

जानकारी के मुताबिक, कोदौरा रेंज के घाघरा गांव के रहने वाले दिनेश पोया (35 साल) दो साथियों के साथ खेत पहुंचे थे। वे रामकरण गोंड़ (40 साल) और रोहित नागवंशी (24 साल) के साथ मक्के की फसल में पानी देने गए थे। खेत में तड़के 3 बजे से एक हाथी घुसा हुआ था।

सुबह 5 बजे जब दिनेश पोया खेत पहुंचे तो खेत में उन्हें हलचल का एहसास हुआ। जब वे आगे गए तो हाथी ने पटक-पटककर मार डाला। शोर सुनकर उसके साथी रामकरण और रोहित ने किसी तरह अपनी जान बचाई। उन्होंने गांव में ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक दिनेश पोया की मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलने पर कोदौरा रेंजर, वनकर्मी और कोदौरा पुलिस मौके पर पहुंची। दिनेश पोया के शव को पंचनामा के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। दिनेश पोया शादीशुदा था, उसके 2 बच्चे भी हैं। वह परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। वन विभाग ने परिजनों को तत्कालीन सहायता राशि 25 हजार दी है। वहीं लोगों को जंगल की ओर न जाने की सलाह भी दी है। हाथी पास के जंगल में मौजूद है, जिससे लोग दहशत में हैं।

चुनाव हारने वालों को निगम मंडल में पद

रायपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार ने बुधवार को निगम मंडल, बोर्ड और आयोग में अध्यक्ष पदों की सूची जारी कर दी है। प्रदेश भाजपा के 36 नेताओं को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष जैसे पद दिए गए हैं। इनमें से 15 ओबीसी वर्ग के नेता हैं। सतनामी समुदाय से किसी नेता को जगह नहीं मिली है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर कार्यकर्ताओं ने नाराजगी भी जताई है। लिस्ट में 3 अल्पसंख्यक और 4 आदिवासी नेता भी शामिल हैं। खास बात यह है की सूची में शामिल बड़े निगम मंडल उन नेताओं को दिए गए हैं, जिन्हें पिछले चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। सूची सामने आने के बाद बहुत से नेता और कार्यकर्ता खुले तौर पर तो कुछ दबी जुबान में अपनी नाराजगी भी जाहिर कर रहे हैं। नियुक्तियों की बात करें तो भूपेंद्र सवन्नी को क्रेडा, संजय श्रीवास्तव को नान, सौरभ सिंह को खनिज विकास निगम और दीपक म्हस्के को सीजीएमएससी की जिम्मेदारी दी गई है। जबकि केदार गुप्ता को दुग्ध महासंघ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा राजीव अग्रवाल को छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन का चेयरमेन बनाया गया है। ब्रेवरेज कॉरपोरेशन और फिल्म विकास निगम का फैसला नहीं लिया जा सका है। अब-जब निगम मंडल की सूची आ चुकी है तो दूसरी सबसे बड़ी चर्चा मंत्रिमंडल में बदलाव की है। खबर है कि प्रदेश में अमित शाह के दौरे के बाद मंत्रिमंडल में 2 नए मंत्री शपथ ले सकते हैं।

सूची को लेकर भारतीय जनता पार्टी सूत्रों का कहना है कि सक्रिय तौर पर संगठन के कामों में शामिल रहे नेताओं को निगम मंडल में तवज्जो दी गई है। संगठन का सदस्यता अभियान, पिछली कांग्रेस सरकार के समय के किए गए आंदोलन में भूमिका, निकाय चुनाव में अलग-अलग जीत दिलाने वालों को पद दिए गए हैं। संजय श्रीवास्तव, श्रीनिवास राव मद्दी, अमरजीत सिंह छाबड़ा जैसे नेताओं को पार्टी में अलग-अलग कार्यक्रमों में बेहतर प्रदर्शन की वजह से निगम मंडल में जगह मिली है। निकाय चुनाव और विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने से नाराज रहे कुछ नेताओं को भी एडजस्ट किया गया है।

रायपुर विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष नंदकुमार साहू को बनाया गया है। भारतीय जनता पार्टी के रायपुर ग्रामीण विधानसभा सीट से चुनाव हार चुके साहू को यह पद दिया गया है। राजीव अग्रवाल पार्षद का चुनाव हार चुके हैं। उन्हें छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड का अध्यक्ष बनाया गया है।

बॉयफ्रेंड ने चाचा के साथ मिलकर किया गैंगरेप

बिलासपुर में गर्लफ्रेंड को घर मिलने बुलाया, डरा-धमकाकर दोनों ने किया दुष्कर्म

बिलासपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलासपुर में युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड को मिलने के लिए बुलाया। उसके भरोसे में आकर युवती उसके घर पहुंची, तब युवक ने अपने चाचा के साथ मिलकर उससे गैंगरेप किया। उनके चंगुल से छूटकर युवती ने पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है। दरअसल, तोरवा क्षेत्र में रहने वाली 23 वर्षीय युवती और देवरीखुर्द के सतबहनिया मंदिर के पास रहने वाले राजऋषि सिंह (32) के बीच दोस्ती थी। दोनों आपस में बातचीत करते थे। फिर युवक ने उससे प्यार का इजहार किया। युवती भी उसकी बातों में आ गई। युवक ने उसके साथ शादी करने का वादा किया था।

कार से 3 करोड़ का सोना जब्त

चेकिंग में 8 लाख कैश मिले, बिना बिल ले जा रहे थे, कवर्धा में 2 संदिग्धों से पूछताछ

कबीरधाम, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। कबीरधाम जिले में एक कार से 3 करोड़ की ज्वेलरी और 8 लाख कैश मिला है। बुधवार रात पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस ने एक कार को रुकवाकर जांच की तो उसमें 2 लोग सवार थे और गाड़ी के पीछे बड़ी मात्रा में गोल्ड और कैश रखे हुए थे। कोतवाली थाना क्षेत्र का मामला है। संदिग्ध व्यक्ति के पास वैध दस्तावेज नहीं होने से पुलिस ने सभी सामान जब्त कर लिया। जब्त सोने की कीमत करीब 3 करोड़ रुपए है। वहीं कार में मौजूद 2 संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दोनों रायपुर के रहने वाले हैं। डीएसपी कृष्ण कुमार चंद्राकर के मुताबिक, सूचना मिली थी की रायपुर से कवर्धा की ओर आ रही एक सफेद रंग की कार में करोड़ों का सोना और कैश मौजूद है, पुलिस की टीम ने रायपुर-जबलपुर बायपास में संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली। बताया जा रहा है कि संदिग्धों ने यह ज्वेलरी कवर्धा के सराफा दुकान में बेचने के लिए लाया था। हालांकि, सेल्समैन अब तक सोने का ओरिजिनल बिल और जीएसटी बिल पुलिस के सामने पेश नहीं कर पाया है।

जीजा की जगह साला पहुंचा 10वीं की परीक्षा देने

एडमिट-कार्ड से चेहरा मिलाने पर पकड़ाया, कहा- वन विभाग में प्यून हैं जीजा, उन्हें छुट्टी नहीं मिली

रायगढ़, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जीजा की जगह साला परीक्षा देने पहुंच गया। ये परीक्षा 10वीं ओपन स्कूल की थी। एडमिट कार्ड से चेहरा मिलाने के दौरान वो पकड़ा गया। उसने बताया कि जीजा वन विभाग में प्यून है। उन्हें छुट्टी नहीं मिली इसलिए मैं एग्जाम देने आ गया। घटना पुसौर थाना इलाके की है। दरअसल, 1 अप्रैल को शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल पुसौर में परीक्षा थी। सुबह 9 बजे से 12 बजे तक विज्ञान विषय की परीक्षा होनी थी। जहां क्लास नंबर-1 में परीक्षा देने के लिए कई परीक्षार्थी पहुंचने लगे।

परीक्षार्थियों के पहुंचने के दौरान पर्यवेक्षक प्रवेश पत्र की जांच कर रहे थे। इसी दौरान एक परीक्षार्थी पर सुपरवाइजर को शक हुआ। ऐसे में उसके प्रवेश पत्र में लगी फोटो और परीक्षा देने पहुंचे युवक के चेहरे का मिलान कराया गया। चेहरा अलग लगने पर सुपरवाइजर ने परीक्षा केन्द्र अध्यक्ष कामता नाथ तिवारी को मामले की जानकारी दी।

कुछ और जानकारी का मिलान करने के बाद साफ हो गया कि परीक्षा देने आया युवक और प्रवेश पत्र में फोटो अलग-अलग है। इसके बाद प्राचार्य ने इसकी सूचना पुसौर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की।

उसने बताया कि उसका नाम अमन सारथी (18 साल) है और वह कोतरा रोड थाना इलाके के सराईपाली का रहने वाला है। साथ ही बताया कि, उसका जीजा यादराम सारथी (27 साल) धरमजयगढ़ वन मंडल में प्यून है।

दैनिक वेतनभोगी के रूप में वो पदस्थ है और उन्हें परीक्षा के लिए छुट्टी नहीं मिली है। इसी वजह से परीक्षा देने आया था। इसके बाद पुलिस ने असली परीक्षार्थी यादराम सारथी की तलाश शुरू की, लेकिन वह रायगढ़ में फरार मिला।

पुलिस ने बुधवार को फरार यादराम सारथी को धरमजयगढ़ में दबिश देकर पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल किया है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी जीजा-साला के खिलाफ धारा 318 (4), 319 (2), 61 (2), 3 (5) BNS के तहत अपराध दर्ज किया।

साथ ही बाद में मामले में छत्तीसगढ़ मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम 1937 की धारा 04 भी जोड़ी गई। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

महिला सरपंच को जेठ ने कुल्हाड़ी से काटा

बोला- मजाक उड़ाती थी, परेशान होकर पत्नी 3 बेटियों को जहर देने वाला था, पछतावा नहीं

जशपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में मंगलवार को महिला सरपंच को उसके जेठ ने कुल्हाड़ी से काट डाला। महिला अपने जेठ के परिवार को परेशान करती थी, मजाक उड़ाती थी, जिससे प्रताड़ित होकर आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। मामला तुमला थाना क्षेत्र के डोंगादरहा का है।

मरने वाली सरपंच का नाम प्रभावती सिदार (37) है। आरोपी ने बताया सरपंच प्रताड़ित करती थी, वह पत्नी और 3 बेटियों को जहर देकर खुद सुसाइड करने वाला था, इससे पहले महिला को रास्ते से हटाने के लिए कुल्हाड़ी से मार दिया। ये वारदात 1 अप्रैल की है। आरोपी को शक था कि महिला सरपंच प्रभावती सिदार (37) उसके परिवार पर कुछ जादू टोना करा रही है, जिससे उसके परिवार के लोग बीमार पड़ रहे हैं। इसी शक में और जलन में आरोपी ने महिला को मारकर ठिकाने लगाने की साजिश रची।

मंगलवार को महिला नहा रही थी, तभी आरोपी जेठ कुल्हाड़ी लेकर पहुंचा। इस दौरान बाड़ी में मौजूद महिला पर ताबड़तोड़ वार किया। उसके सिर और गले पर गहरे घाव बन गए थे। आंगन, बाथरूम और आसपास खून ही खून बिखरा मिला था।

मृतिका की बेटी मनीषा सिदार ने बताया कि जब हमने घर आकर देखा तो मम्मी उल्टी पड़ी थी। हम मम्मी को तुरंत कोतबा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, लेकिन डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मम्मी के शरीर के कई हिस्सों पर चोट के निशान थे।

पुलिस ने महिला के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सौंपा। हत्या को लेकर पुलिस ने साइबर सेल, डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम की मदद ली गई।

पुलिस ने बताया कि शुरुआत में राजनीतिक साजिश का शक था, लेकिन घटनास्थल की जांच और परिजनों से पूछताछ के बाद संदेह घर के ही लोगों की ओर मुड़ा। पुलिस ने पहले मृतिका की जेठानी से पूछताछ की।

इस दौरान मृतिका की जेठानी पुलिस को गुमराह करने लगी, पुलिस के सवालों का ठीक से जवाब नहीं दे रही थी। इसके बाद पुलिस ने जेठ पुस्तम सिंह सिदार से सख्ती से पूछताछ की। इस दौरान उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने पुलिस से बोला कि उसे अपने किए का कोई पछतावा नहीं है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वारदात में उपयोग कुल्हाड़ी को भी जब्त कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

बीजापुर की नाबालिग लड़की से तेलंगाना में रेप की कोशिश

मिर्ची तोड़ने गई थी, बीजेपी नेता ने किया बैड टच, पुलिस ने हिरासत में लिया

बीजापुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिले की रहने वाली एक नाबालिग लड़की से तेलंगाना में रेप की कोशिश हुई है। एक युवक ने उसे बैड टच किया है। बताया जा रहा है कि, आरोपी बीजेपी का नेता है। नाबालिग ने इसकी शिकायत पुलिस से की। जिसके बाद तेलंगाना पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। मामला तेलंगाना के वेंकटापुरम थाना इलाके का है। जानकारी के मुताबिक, कुछ दिन पहले ही करीब 15-16 साल की नाबालिग अन्य ग्रामीणों के साथ मजदूरी करने और मिर्ची तोड़ने के लिए तेलंगाना के मुलुगु जिले गई थी। वहां के एक बीजेपी नेता के खेत में ही काम कर रही थी। सोमवार की शाम युवक इसे खेत से डेरा छोड़ने अपनी गाड़ी से लेकर जा रहा था। ये दोनों अकेले थे। मौके का फायदा उठाकर युवक ने रेप की कोशिश की। बैड टच किया। जिसके बाद नाबालिग किसी तरह से वहां से भाग निकली। इसकी जानकारी डेरा के अन्य मजदूरों को भी दी। फिर वेंकटापुरम पुलिस थाने पहुंचकर मामले में लिखित शिकायत की। नाबालिग काफी डरी हुई है। बताया जा रहा है कि तेलंगाना पुलिस नाबालिग से पूछताछ कर रही है। मुलुगु जिले के एएसपी शिवम उपाध्याय ने कहा कि, अभी इस मामले की जांच कर रहे हैं। युवक हिरासत में है। जांच चल रही है। इसलिए आरोपी का नाम अभी नहीं बता सकते। इधर, बीजापुर जिले के एएसपी चंद्रकांत गवर्णा ने कहा कि, बीजापुर पुलिस को इसकी जानकारी नहीं है।

नौकरी के नाम पर 50 लाख की ठगी

खुद को मंत्रालय का कर्मचारी बताकर बेरोजगारों को नौकरी का दिया झांसा, शिकायत के बाद गिरफ्तार

बिलासपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलासपुर में बेरोजगार युवाओं से 50 लाख रुपये से अधिक की रकम ठगने वाले आरोपी जावेद खान उर्फ राजा को धोखाधड़ी के मामले गिरफ्तार किया है। आरोपी पर करीब 10 बेरोजगार युवाओं को मंत्रालय में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने का आरोप है। नेहरू नगर निवासी दीपक राजपूत (29 वर्ष) ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि तारबहार के रेलवे हाउस तितली चौक का रहने वाले जावेद खान ने मंत्रालय में नौकरी दिलाने का झांसा देकर मोटी रकम ऐंठ ली। दीपक के मुताबिक, वह 2021-22 में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा था, तभी उसकी मुलाकात जावेद से हुई। जावेद ने खुद को रायपुर मंत्रालय के खेल विभाग का कर्मचारी बताते हुए भरोसा दिलाया कि वह अब तक कई लोगों को सरकारी नौकरी दिला चुका है। जावेद ने खुद को खेल विभाग, रायपुर मंत्रालय का कर्मचारी बताया और दावा किया कि वह अब तक कई लोगों को सरकारी नौकरी दिला चुका है। आरोपी ने दीपक समेत कई युवाओं को भरोसे में लेकर उनसे लाखों रुपये ऐंठ लिए। पीड़ितों में अनिश राजपूत, दीपक सूरज राजपूत, प्रताप राजपूत, जगमीत सिंह खालसा, हर्षवर्धन ठाकुर, शिल्पा ठाकुर, अविनाश साहू, श्यामू कश्यप सहित अन्य लोग शामिल हैं। जावेद ने इनसे विभिन्न विभागों में सरकारी नौकरी लगाने का वादा कर अलग-अलग रकम ली और बदले में चेक दिए। शिकायत में बताया गया कि दीपक राजपूत ने दिसंबर 2021 से फरवरी 2022 के बीच आरोपी को 5 लाख रुपये नगद दिए। इसी तरह, अनीष राजपूत से 8 लाख, जगमीत सिंह खालसा से 6.5 लाख, श्यामू कश्यप से 4.5 लाख, सूरज राजपूत से 5 लाख, शिल्पा ठाकुर से 4 लाख, हर्ष ठाकुर से 4 लाख, लक्ष्मी शुक्ला और सची शुक्ला से 14 लाख, मुकेश श्रीवास से 80 हजार रुपये लिए गए। इसके अलावा, आरोपी ने अन्य जिलों बेमेतरा, दुर्ग, रायपुर, बलौदाबाजार आदि के युवाओं से भी ठगी की। सभी पीड़ितों से शैक्षणिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, फोटो और कोरे कागज पर हस्ताक्षर लिए गए।

बहन के बॉयफ्रेंड को 2 भाइयों ने मार डाला

युवक को रात में साथ में देखकर भड़के, जमकर पीटा रॉड से सिर पर वारकर हत्या

रायगढ़, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में 2 भाइयों ने अपनी बहन के बॉयफ्रेंड को मार डाला। बताया जा रहा है कि युवक को अपनी बहन के साथ देखकर भड़क गए। रॉड से जमकर पीटा, फिर सिर पर वार कर हत्या कर दी। मामला धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम दयानंद साहू (27) है। वह गेरसा गांव का रहने वाला था। धान मंडी में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। हत्या के आरोप में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, निरंजन सिदार की बहन और दयानंद साहू का अफेयर चल रहा था। दयानंद साहू अपनी प्रेमिका से रात में मिलने गया था। इस बात की जानकारी आरोपी निरंजन सिदार और राजू सिदार को हो गई। दोनों ने दयानंद साहू को अपनी बहन के साथ देख लिया।

बिहार का एक लाख का इनामी नक्सली गिरफ्तार

10 साल से फरार नक्सली लेवी वसूली के लिए आया था, डायरी से कई अहम सुराग मिले

पलामू, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पलामू पुलिस ने बिहार के एक लाख रुपए के इनामी टीएसपीसी नक्सली जीबलाल यादव को गिरफ्तार किया है।

जीबलाल यादव उर्फ रमेश यादव उर्फ सुभाष यादव 53 वर्षीय है। वह बिहार के गया जिले के भदवर थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

नक्सली के खिलाफ बिहार के गया और औरंगाबाद में चार मामले और झारखंड के पलामू में एक मामला दर्ज है। वर्ष 2021 में पलामू के मनातू थानाक्षेत्र में पुलिस के साथ मुठभेड़ में उसे गोली लगी थी। पुलिस ने उसे नवाबाजार थाना क्षेत्र के तरवाडीह से गिरफ्तार किया। उसके पास से नक्सली पर्चा और लेवी वसूली से जुड़ी जानकारी वाली डायरी बरामद हुई है।

एएसपी (अभियान) राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को टीएसपीसी के कमांडर शशिकांत के दस्ते की गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसी सूचना पर सर्च अभियान चलाया गया। जीबलाल इलाके में ईंट भट्ठों से लेवी वसूलने के लिए पर्चा फेंक कर दहशत फैलाने आया था। उसके पास से मिले डायरी में लेवी का हिसाब-किताब और कई लोगों के नंबर मिले हैं।

जीबलाल 2014 में टीएसपीसी में शामिल हुआ था। पिछले दस वर्षों से वह संगठन का सक्रिय सदस्य रहा है। झारखंड में वह रमेश के नाम से जाना जाता है।

लातेहार में पुलिस को बड़ी कामयाबी

लातेहार, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। लातेहार पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन झारखंड संघर्ष जनमुक्ति मोर्चा (जेएसजेएमएम) के दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को गुरुवार को जेल भेज दिया गया। उनके पास से दो सिंगल शॉट देशी राइफल, आठ एमएम की दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, मोबाइल और संगठन का पर्चा बरामद हुआ है। गिरफ्तार उग्रवादियों में चंदवा के बुलहु निवासी प्रदीप सिंह उर्फ प्रदीप गंझू और लातेहार के कुमाड़ निवासी किशुन भगत शामिल हैं। दोनों को चंदवा थाना के नगर क्षेत्र से पकड़ा गया है। एसपी कुमार गौरव ने बताया कि प्रदीप सिंह 26 दिसंबर 2024 को उलग़ड़ा गांव के पास औरंगा नदी पर पुल निर्माण कार्य के दौरान मुंशी बालगोबिंद साव की हत्या का मुख्य आरोपी है। वह 2018 में चंदवा में एक अन्य मुंशी हत्या में भी शामिल था। पिछले सात-आठ साल से फरार चल रहे प्रदीप के घर पर पुलिस ने कई बार कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की थी।

मैट्रिक परीक्षार्थी नाबालिग को भगाने वाला आरोपी धराया

चियांकी का युवक न्यायिक हिरासत में, लड़की सकुशल बरामद

पलामू, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पलामू पुलिस ने 16 वर्षीय नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद कर लिया है। साथ ही अपहरण के आरोपी चियांकी निवासी गौरव कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। घटना 20 मार्च की है। नाबालिग लड़की मैट्रिक की प्रायोगिक परीक्षा देने कन्या उच्च विद्यालय चियांकी गई थी। वह परीक्षा के बाद घर नहीं लौटी। परिजनों ने खोजबीन की।

इसके बाद 21 मार्च को लड़की की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने गौरव कुमार पर बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया। सदर थाना प्रभारी संतोष कुमार गुप्ता के अनुसार, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया।

पुलिस अफसर से प्रधानमंत्री तक का सफर

78 मुस्लिमों को ट्रक में ठूंसकर मारा, 2 तख्तापलट झेला फिर भी सत्ता में फैमिली, बेटी चला रही थाईलैंड

थाकसिन शिनवात्रा

बैंकॉक, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। साल 2004 की बात है। थाईलैंड के दक्षिणी हिस्से में अलग मुस्लिम देश 'पट्टानी' के लिए भारी प्रदर्शन हो रहे थे। मुस्लिम बहुल नरथिवात राज्य में पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे 6 लोगों को गिरफ्तार किया। 25 अक्टूबर को इनकी रिहाई के लिए 2000 से ज्यादा मुस्लिम एक पुलिस स्टेशन में इकट्ठा हो गए।

अलगाववादियों और पुलिस में टकराव तेज हुआ। तब पीएम रहे थाकसिन शिनवात्रा ने इसे सख्ती से कुचलने का आदेश दिया। पुलिस ने हजारों लोगों को जबरन पकड़कर, उन्हें निर्वस्त्र किया और उनके हाथ पीठ के पीछे बांध दिए। उन्हें 26 ट्रकों में ठूंसकर 150 किमी दूर एक आर्मी कैंप भेज दिया गया।

7 घंटे बाद जब उन्हें कैंप में उतारा गया तो इनमें से 78 की दम घुटने से मौत हो चुकी थी। इस घटना से थाईलैंड सरकार की काफी आलोचना हुई। अलगाववादियों का समर्थन कर रहे मलेशिया ने भी इस पर नाराजगी जताई। हालांकि, इस घटना ने थाईलैंड की बौद्ध बहुल जनता के बीच थाकसिन को लोकप्रिय बना दिया। लोगों को लगा कि थाकसिन ही वो शख्स हैं, जो देश को एकजुट रखने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

इन्हीं थाकसिन की बेटी पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा थाईलैंड की पीएम हैं, जिनसे पीएम मोदी थाईलैंड की यात्रा के दौरान मुलाकात करेंगे। थाकसिन शिनवात्रा का परिवार देश में सबसे ताकतवर और प्रभावशाली है। साल 1850 की बात है। चीन में होंग शिउचुआन नाम के एक शख्स ने बौद्ध धर्म के खिलाफ अभियान छेड़ रखा था। होंग खुद को ईसा मसीह का छोटा भाई बताता था। उसने किंग राजवंश के खिलाफ बगावत कर चीन के दक्षिणी इलाके को हड़पने की कोशिश की। इससे देश में भीषण गृहयुद्ध शुरू हो गया और इसमें 2 करोड़ लोग मारे गए। देश की हालत खराब हो चुकी थी। ऐसे में सेंग साएखु नाम के एक शख्स ने देश छोड़ दिया और सियाम चले आए। तब थाईलैंड को सियाम कहा जाता था। सेंग ने रेशम के कपड़े का बिजनेस शुरू किया और खूब तरक्की की।

1938 में साएखु परिवार ने थाई संस्कृति में घुलने-मिलने के लिए 'शिनवात्रा' टाइटल अपना लिया। थाकसिन, साएखु परिवार के पांचवीं पीढ़ी के वंशज हैं। थाकसिन का जन्म 1949 में हुआ।

थाकसिन के दादा चियांग साएखु परिवार के रेशम बिजनेस को और आगे ले गए और 'शिनवात्रा सिल्क्स' की स्थापना की। थाकसिन के पिता लोएट शिनवात्रा ने भी अपने फैमिली बिजनेस को और आगे बढ़ाया। साथ ही राजनीति से भी जुड़े।

बांग्लादेश में चीन का एयरबेस और पाकिस्तानी कंपनी को ठेका

मोहम्मद यूनुस की जिनपिंग से 'खतरनाक' अपील, भारत की बढ़ेगी टेंशन

ढाका, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस की हाल ही में चीन का दौरा किया है। यूनुस ने चीन दौरे पर कई ऐसे बयान दिए हैं, जो चर्चा में हैं और भारत की चिंता को बढ़ाने वाले हैं। यूनुस ने पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा पर बयान दिया है तो चीन को बांग्लादेश में एयरबेस स्थापित करने का न्योता भी दे दिया है। ये सीधेतौर पर भारत की रणनीतिक स्थिति को चुनौती देगा। यूनुस ने चीन से तीस्ता नदी के जल प्रबंधन में दीर्घकालिक सहायता मांगी है। इस बीच पाकिस्तानी विदेश मंत्री और विदेश सचिव भी बांग्लादेश का दौरा करने वाले हैं। बांग्लादेश, चीन और पाकिस्तान के बीच संबंधों को लेकर भारत की चिंताएं बढ़ गई हैं।

मोहम्मद यूनुस के अनुरोध के बाद चीन ने बांग्लादेश के लालमोनिरहाट जिले में एक एयरबेस बनाने की हामी भरी है। सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो एयरबेस बनाने की प्रक्रिया इस साल अक्टूबर तक शुरू हो सकती है। एक पाकिस्तानी कंपनी एयरबेस परियोजना के लिए ठेकेदार के रूप में काम करेगी। हालांकि इन दावों की पुष्टि नहीं हो सकी है। अगर चीन और पाकिस्तान मिलकर लालमोनिरहाट में बेस बनाते हैं तो ये निश्चित ही भारत के लिए रणनीतिक तौर पर बड़ा झटका होगा।

मोहम्मद यूनुस की ओर से चीन यात्रा के दौरान दिए गए बयानों ने भी भारत में चिंता पैदा की है। यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर के सात राज्यों पर कहा कि बांग्लादेश ही इस पूरे क्षेत्र (पूर्वोत्तर भारत) के लिए समुद्र का रक्षक है। इससे चीन के लिए एक बड़ी संभावना खुलती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने यूनुस की टिप्पणियों पर सवाल किया कि यूनुस चीन से इस आधार पर सार्वजनिक अपील कर रहे हैं कि भारत के 7 राज्य उनसे घिरे हुए हैं तो ये चिंता पैदा करता है।

यूनुस ने चीन से नदी जल प्रबंधन में 50 साल का सहायता पैकेज देने का आग्रह किया है। यूनुस ने कहा कि चीन जल प्रबंधन का मास्टर है और ढाका चीनी विशेषज्ञता से सीखने में रुचि रखता है। इस चर्चा का मुख्य विषय तीस्ता नदी थी, जिसे बांग्लादेश भारत के साथ साझा करता है। शेख हसीना की सरकार ने पहले इसके लिए नई दिल्ली से सहयोग मांगा था लेकिन यूनुस ने बीजिंग पर निर्भरता दिखाई है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी कोविड संक्रमित

करांची के अस्पताल में भर्ती

कराची, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं और अभी वह पृथक-वास में हैं। उनके डॉक्टर ने बुधवार को यह जानकारी दी। जरदारी (69) को सांस संबंधी समस्या और बुखार की शिकायत के बाद मंगलवार को हवाई मार्ग से नवाबशाह से कराची लाया गया और एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। राष्ट्रपति के डॉक्टर डॉ. असीम हुसैन ने मीडिया को बताया कि जरदारी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने कहा, "कई परीक्षणों के बाद इसकी पुष्टि हुई और अब उन्हें पृथक-वास में रखा गया है तथा उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा रही है।" हुसैन ने कहा, "विशेषज्ञों की एक टीम राष्ट्रपति की देखभाल कर रही है और उनकी हालत में सुधार हो रहा है।"

पीएम नेतन्याहू और उनके दो सलाहकार घोटाले में फंसे ?

पैसे लेकर कतर का प्रचार कराने का आरोप, जांच शुरू

तेल अवीव, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके दो सलाहकार एक नए घोटाले में फंस गए हैं। नेतन्याहू और उनके सलाहकारों पर आरोप है कि उन्होंने पैसे लेकर इजरायल में कतर की छवि को सुधारने का काम किया है। पुलिस दोनों सलाहकारों को गिरफ्तार कर चुकी है और जांच चल रही है। वहीं मामला सामने आने के बाद नेतन्याहू से पुलिस ने पूछताछ की। नेतन्याहू का कहना है कि आरोप निराधार हैं और इसका उद्देश्य उनके शासन को खत्म करना है। कतर को कई लोग हमास का संरक्षक मानते हैं। वहीं कतर का इस्राइल के साथ कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं है। साथ ही इन दिनों कतर युद्ध विराम वार्ता में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। नेतन्याहू के आलोचकों का कहना है कि पीएम नेतन्याहू ने इजरायल की राज्य संस्थाओं को कमजोर करने का काम किया है। इजरायल के लोग कतर को पसंद नहीं करते हैं। नेतन्याहू पर आरोप है कि

उन्होंने दो करीबी सलाहकार जोनाथन उरीच और पूर्व प्रवक्ता एली फेल्डस्टीन को इजरायलियों के बीच कतर की छवि सुधारने के लिए एक जनसंपर्क अभियान चलाने के लिए काम पर रखा गया था। दोनों को कथित तौर पर एक अमेरिकी लॉबिस्ट के माध्यम से भुगतान किया था। कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक अमेरिकी लॉबिस्ट और उरीच ने कतर को सकारात्मक रूप से बढ़ावा देने और मिस्र के बारे में नकारात्मक संदेश फैलाने के लिए व्यावसायिक संबंध बनाया। वहीं फेल्डस्टीन को पत्रकारों को यह संदेश देने के लिए पैसे दिए गए थे। इजरायली मीडिया के अनुसार फेल्डस्टीन और उरीच पर विदेशी एजेंट से संपर्क, मनी लॉन्ड्रिंग, रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और विश्वासघात के आरोप लग सकते हैं। पुलिस ने इस मामले में एक इजरायली पत्रकार ज़्विका क्लेन से भी पूछताछ की है। दैनिक जेरूसलम पोस्ट में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार क्लेन ने पिछले साल कतर की सरकार के निमंत्रण पर कतर का दौरा किया था और उसके बाद अपने अनुभवों के बारे में कई लेख लिखे थे, जिनमें से एक लेख में कतर के इस दावे के खिलाफ़ मामला पेश किया गया था कि वह हमास समूह का समर्थन करता है। नेतन्याहू ने जांच को राजनीतिक रूप से गलत बताया और पुलिस पर उनके सलाहकारों को बंधक बनाने का आरोप लगाया। वहीं मंगलवार को एक न्यायाधीश ने उरीच और फेल्डस्टीन की नजरबंदी बढ़ा दी।

वक्फ कानून में बदलाव मुस्लिम विरोधी, बढ़ेगा तनाव

भारतीय संसद में बिल पेश होने पर क्या बोला पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन बिल, 2025 पर गुरुवार को राज्यसभा में चर्चा हो रही है। एक दिन पहले बुधवार को लोकसभा ने वक्फ बिल को अपनी मंजूरी दे दी है। वक्फ बिल को नरेंद्र मोदी की सरकार ने मुस्लिमों के हित में लाने का दावा किया है। मुस्लिम संगठनों ने इसे वक्फ संपत्तियों को हड़पने की चाल कहा है। इस बिल की देश के साथ-साथ विदेशों में भी चर्चा है। कई मुस्लिम देशों की मीडिया ने वक्फ बिल के भारतीय संसद में पेश किए जाने और इस पर चर्चा को जगह दी है। पाकिस्तान से लेकर अरब देशों तक की मीडिया की इस बिल पर नजर है। भारत सरकार वक्फ कानून में बदलाव कर रही है। इससे वक्फ की जमीन के प्रबंधन में बड़ा बदलाव आएगा। इससे सरकार और अल्पसंख्यक मुसलमानों के बीच तनाव बढ़ने की संभावना है।

ग्रीक द्वीप के पास प्रवासियों से भरी नाव पलटी

चार की मौत, 23 को बचाया, बचाव अभियान जारी

एथेंस, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्रीस में तुर्की तट से प्रवासियों को लेकर ग्रीक द्वीप जा रही एक नाव बृहस्पतिवार सुबह पलट गई। ग्रीस के तट रक्षक ने बताया कि हादसे में चार लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में दो महिलाएं और दो बच्चे- एक लड़का व एक लड़की शामिल हैं, जिनके शव बरामद कर लिए गए हैं। इसके अलावा, 23 लोगों को बचा लिया गया है। तट रक्षक के अनुसार, लेसबोस द्वीप के उत्तरी तट पर खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में मौसम साफ था। इसके बाद भी नाव पलटने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। नाव पर कितने लोग सवार थे, उनकी राष्ट्रीयता क्या थी, वह किस तरह के जहाज का इस्तेमाल कर रहे थे। इस बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

ग्रीस के तट रक्षक के अनुसार, समुद्र और जमीन पर खोज-बचाव अभियान चलाया जा रहा है। बचाव अभियान में तीन तट रक्षक जहाज, वायु सेना का एक हेलीकॉप्टर, और एक नाव शामिल हैं, जो हादसे के पीड़ितों की लगातार तलाश कर रहे हैं। हालांकि, कितने लोग लापता हैं। इसके बारे में अभी कोई स्पष्ट रिपोर्ट नहीं मिल पाई है।

जानकारी के अनुसार, मध्य पूर्व, अफ्रीका और एशिया में संघर्ष के चलते वहां पर लोगों को गरीबी ने अपनी चपेट में ले लिया है, जिसके चलते लोग वहां से भाग रहे हैं। गरीबी से भाग रहे लोगों के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) में प्रवेश करने के लिए ग्रीस मुख्य बिंदुओं में से एक है। तुर्की तट से पास के ग्रीक द्वीपों तक की यात्रा छोटी और जोखिम भरी है।

इसके बावजूद कई लोग इस यात्रा का जोखिम उठाते हैं, जिसके चलते अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। ग्रीक सरकार ने समुद्र में गश्त बढ़ा दी है, जिसके चलते कई तस्कर गिरोहों ने अपना काम दक्षिण की ओर स्थानांतरित कर दिया है। वह अफ्रीका के उत्तरी तट से दक्षिणी ग्रीस तक लोगों को ले जाने के लिए बड़ी नावों का इस्तेमाल करते हैं।

जिंजीरा नरसंहार: पाकिस्तान सेना ने हिंदू इलाके में एक ही रात में मार दिए थे 5000 लोग

ढाका, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश के इतिहास में 3 अप्रैल की तारीख वो दिन है, जिसे बंगाली कभी नहीं भूल सकते। ये तारीख हमेशा याद दिलाती रहेगी कि किस तरह से लाखों निर्दोष लोगों ने पाकिस्तान से आजादी के लिए अपनी जान गंवाई। पाकिस्तानी सेना मुक्ति आंदोलन को कुचलने के लिए जब हिंसक अभियान चलाया तो तत्कालीनी पूर्वी पाकिस्तान में लोगों को उनके धर्म और जातीयता के आधार पर निशाना बनाया। जिंजीरा नरसंहार उसकी मिसाल है, जिसमें हजारों लोगों को एक ही रात में मार दिया गया। आइए जानते हैं कि 3 अप्रैल 1971 को जिंजीरा में क्या हुआ था।

पाकिस्तानी सेना ने बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन को कुचलने के लिए 25 मार्च को ऑपरेशन सर्च लाइट शुरू किया। ढाका में कत्लेआम शुरू हो गया था। यूनिवर्सिटी में घुसकर छात्रों और बुद्धिजीवियों की मारा जाने लगा। ढाका से लोग भागकर नदी के दूसरी ओर जाने लगे। इसके बाद पाकिस्तानी सेना ने जिंजीरा और उसके आस-पास के क्षेत्रों को सैन्य अभियानों के लिए चिह्नित किया। जिंजीरा और उसके आस-पास के इलाकों में मुख्य रूप से हिंदू परिवार रहते थे। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, जिंजीरा में नरसंहार में जीवित बचे इरशाद सरदार ने बताया, 'पाकिस्तानी सैनिक हमारे घर में घुस आए। उन्होंने कमरे में छिपे मेरे तीन भतीजों को गोली मारकर मार डाला।' इरशाद ने बताया कि वे दूसरे कमरे में बिस्तर के नीचे छिपे हुए थे। इस दौरान उनके चौथे भतीजे को भी गोली मार दी गई।

चीनी नागरिकों से दोस्ती और शारीरिक संबंध नहीं बना सकते अमेरिकी सरकारी कर्मचारी

सरकार ने लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी सरकार ने चीन में तैनात अपने सरकारी कर्मचारियों पर चीन के नागरिकों के साथ दोस्ती और शारीरिक संबंध बनाने पर रोक लगा दी है। यह रोक चीन में काम कर रहे अमेरिकी ठेकेदारों पर भी लागू रहेगी। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी जानकारी नहीं दी है, लेकिन न्यूज एजेंसी एपी के हवाले से यह जानकारी सामने आई है। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, यह रोक बीती जनवरी से ही लागू है, लेकिन सार्वजनिक तौर पर इसका एलान नहीं किया गया है।

चीन के बाहर तैनात कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा प्रतिबंध

इससे पहले बीते साल अमेरिकी सरकार ने चीन में अपने दूतावासों में तैनात चीनी सुरक्षाकर्मियों और अन्य सहयोगी स्टाफ के साथ भी दूतावास के कर्मचारियों के दोस्ती करने पर रोक लगा दी थी। जनवरी में इसे चीन के सभी नागरिकों पर लागू कर दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, बीते साल ही अमेरिकी सरकार ने इस प्रतिबंध पर विचार करना शुरू कर दिया था। ताजा प्रतिबंध के बाद चीन में अमेरिका के दूतावास, साथ ही ग्वांगझू, शंघाई, शेनयांग और वुहान में स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में तैनात कर्मचारी और हॉन्ग-कॉन्ग में स्थित वाणिज्य

दूतावास के कर्मचारी किसी भी चीनी नागरिक के साथ दोस्ती या शारीरिक संबंध नहीं बना पाएंगे। हालांकि चीन से बाहर तैनात अमेरिकी अधिकारियों पर ऐसी कोई रोक लागू नहीं होगी।

आदेश के तहत अगर किसी अमेरिकी कर्मचारी की पहले से ही चीनी नागरिक के साथ दोस्ती है तो उसे छूट दी गई है, लेकिन उसे छूट पाने के लिए आवेदन करना होगा। जांच के बाद अगर आवेदन निरस्त हो जाता है तो फिर अमेरिकी कर्मचारी को चीनी नागरिक के साथ अपने संबंध खत्म करने होंगे या फिर अपने पद से इस्तीफा देना होगा। आदेश में ये भी कहा गया है कि अगर कोई इसका उल्लंघन करता है तो उसे तुरंत चीन छोड़ना होगा।

कश्मीर में एलओसी पर तनाव बढ़ने जा रहा

मुनीर आर्मी की घुसपैठ पर पाकिस्तानी सेना ने साधी चुप्पी, पाक एक्सपर्ट ने दी चेतावनी

इस्लामाबाद, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने कहा है कि इस मंगलवार को पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास कृष्णा घाटी सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश की है। इस दौरान सीमा पर घुसपैठ रोधी बारूदी सुरंग में विस्फोट हुआ और कई पाक जवानों की जान चली गई। भारत की ओर से दावा किया गया है कि पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है। वहीं पाकिस्तान ने इस पर चुप्पी साध रखी है। इस मुद्दे पर पाकिस्तान के राजनीतिक टिप्पणीकार कमर चीमा ने अपनी राय रखी है। चीमा का कहना है कि दोनों देशों के बीच आने वाले दिनों में तनाव बढ़ सकता है।

कमर चीमा ने अपने वीडियो में कहा है कि लंबे समय बाद भारत-पाक बॉर्डर पर तनातनी देखने को मिली है। साल 2021 में डीजीएमओ लेवल पर हुए सीजफायर के बाद पहली बार सीमा पर फायरिंग की घटना हुई है और भारत की ओर से कई गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं। हालांकि पाकिस्तान की ओर से इस पर पूरी तरह से चुप्पी है, जो थोड़ा समझ से परे है।

चीमा कहते हैं, 'इंडियन आर्मी ने ऐसे समय पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की बात की है, जब भारत के होम मिनिस्टर कश्मीर जाने वाले हैं। इस बीच कश्मीर में हलचल बढ़ी है। मार्च के आखिर में कठुआ में इंडियन आर्मी और पुलिस ने कुछ ऑपरेशन किए हैं। हाल में भी कश्मीर में सर्च ऑपरेशन और गिरफ्तारी होने की बात सामने आई है। ये दिखाता है कि कश्मीर में कुछ पक रहा है।

पाकिस्तान और भारत ने 2021 में माना था कि बॉर्डर पर बेवजह की गोलीबारी से कोई फायदा नहीं है। ऐसे में इसे रोका जाना चाहिए। दोनों ओर से बात हुई और गोलीबारी रुक गई। इसके बाद से ये हो रहा है कि पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं बढ़ गई हैं। दूसरी ओर भारत के लिए ये सीजफायर फायदे का सौदा साबित हुआ। पाकिस्तान में लोगों को लगता है कि भारत से सीजफायर के बाद वैसा सहयोग नहीं मिला है, जैसा मिलना चाहिए था।

चीमा के मुताबिक, पाकिस्तान में कुछ लोगों को लगता है कि बॉर्डर पर शांति से भारत को फायदा हुआ। भारत को पाकिस्तान बॉर्डर पर शांति चीन के साथ चीजें ठीक करने का मौका मिल गया। वहीं पाकिस्तान से उसने बातचीत नहीं की, जो सीजफायर के बाद होना चाहिए था।

अमेरिका में भारतीय युवक को 35 साल जेल की सजा

सोशल मीडिया एप के जरिए करता था बच्चों का यौन शोषण

न्यूयॉर्क, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की संघीय अदालत ने एक भारतीय नागरिक को 35 साल की जेल की सजा सुनाई है। युवक एक सोशल मीडिया एप के जरिए बच्चों को यौन शोषण करता था। जब नाबालिग ने उसकी बात मानने से इन्कार कर देते तो वह धमकी देता था। यूएस अटॉर्नी रॉबर्ट ट्रॉस्टर ने कहा कि एडमंड ओक्लाहोमा में अप्रवासी वीजा पर रहने वाले 31 वर्षीय भारतीय नागरिक साई कुमार कुर्रेमुला को यूएस डिस्ट्रिक्ट जज चार्ल्स गुडविन ने तीन बच्चों के यौन शोषण और बाल पोर्नोग्राफी के लिए 420 महीने की सजा सुनाई गई है। गुडविन ने बताया कि कुर्रेमुला ने पीड़ितों को ऐसा आघात पहुंचाया जो उनके जीवनभर उनके और उनके परिवारों को परेशान करेगा। पिछले साल अप्रैल में कुर्रेमुला पर बच्चों के यौन शोषण और बाल पोर्नोग्राफ़ी के परिवहन का आरोप लगाया था। एक आपराधिक शिकायत के बाद अक्तूबर 2023 में संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने एक सोशल मीडिया मैसेजिंग ऐप पर एक खाते की जांच शुरू की। इसमें कुर्रेमुला का अकाउंट था। वह नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण कर रहा था। एफबीआई एप पर बने आरोपी के अकाउंट के आईपी एड्रेस के जरिए कुर्रेमुला तक पहुंची। सुनवाई के दौरान एफबीआई ने कोर्ट को बताया कि उसने सोशल मीडिया मैसेजिंग एप से कम से कम 19 नाबालिगों का यौन शोषण किया था। अक्सर अपने पीड़ितों का विश्वास जीतने के लिए वह 13-15 साल का लड़का बन जाता। जब पीड़ितों ने उसकी बात मानने से इन्कार कर दिया तो उसने पीड़ितों को बाल पोर्नोग्राफ़ी बनाने के लिए हेरफेर, धमकी और जबरन वसूली की।

कुर्रेमुला ने दोषी होने की दलील दी। उसने तीन नाबालिग पीड़ितों का यौन शोषण करने और जानबूझकर बाल पोर्नोग्राफी की करने बात स्वीकार की।

कुर्रेमुला ने स्वीकार किया कि नाबालिग पीड़ितों को बात मनवाने के लिए वह धमकी देता था। उसने एक नाबालिग को धमकी दी कि वह उसके घर जाएगा और उसके माता-पिता को उसकी तस्वीरें दिखाएगा।

भारत की सात बहनों के बारे में भड़काऊ बयान देकर फंसे जहरीले मोहम्मद यूनुस तो आई बांग्लादेश की सफाई

ढाका, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों के बारे में मोहम्मद यूनुस की भड़काऊ टिप्पणी पर अब बांग्लादेश की तरफ से सफाई आई है। बीते सप्ताह चीन यात्रा के दौरान मोहम्मद यूनुस ने पूर्वोत्तर के सात भारतीय राज्यों, जिन्हें सेवेन सिस्टर्स (सात बहनें) कहा जाता है, को एक घिरा हुआ क्षेत्र बताया था। यूनुस की इस टिप्पणी पर भारत से कई नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी और इसे भड़काऊ बताया था। इसके जवाब में बांग्लादेश के टुकड़े करने की बात भी कही जाने लगी थी। मुख्य सलाहकार यूनुस के एक प्रमुख सहयोगी ने बताया है कि पूर्वोत्तर भारत के बारे में उनके बयान को गलत तरीके से समझा गया है।

बांग्लादेश के मीडिया आउटलेड डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, रोहिंग्या और अन्य प्राथमिकताओं के लिए मोहम्मद यूनुस के उच्च प्रतिनिधि खलीलुर रहमान ने मीडिया से कहा, 'उन्होंने (यूनुस) ईमानदारी से बयान दिया। अगर लोग इसे गलत तरीके से समझते हैं, तो हम इसे रोक नहीं सकते हैं।'

बीजिंग यात्रा के दौरान एक कार्यक्रम में मोहम्मद यूनुस ने कहा था कि 'पूर्वोत्तर भारत के सात राज्य, सेवेन सिस्टर्स कहलाते हैं। वे भारत का एक लैंड लॉक्ड (जमीन से घिरा) क्षेत्र है। उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। हम इस क्षेत्र में समुद्र के एकमात्र संरक्षक हैं।' उन्होंने इसे चीन के लिए बड़ी संभावना बताया था। मोहम्मद यूनुस के इस बयान के सामने आने के बाद भारत में सभी दलों के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और इसे शर्मनाक व भड़काऊ करार दिया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में मोहम्मद यूनुस की टिप्पणी को आक्रामक बताया।

इसके साथ ही उन्होंने चिकन नेक कहे जाने वाले सिलीगुड़ी कॉरिडोर और उसके आस-पास मजबूत रेलवे और सड़क नेटवर्क विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यूनुस की टिप्पणनी व्यापक भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षा को दिखाती है, जिसे भारत अनदेखा नहीं कर सकता है।

तुर्किये पुलिस ने 11 लोगों को हिरासत में लिया

इस्तांबुल मेयर की कैद के विरोध में किया था खरीदारी का बहिष्कार

इस्तांबुल, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। तुर्किये पुलिस ने बृहस्पतिवार को 11 लोगों को हिरासत में लिया है। इन लोगों ने राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के मुख्य प्रतिद्वंदी और इस्तांबुल के मेयर एक्रेम इमामोग्लू की कैद के विरोध में बीते दिन एक दिवसीय खरीदारी बहिष्कार का समर्थन किया था। सरकारी मीडिया के अनुसार, इस्तांबुल के मुख्य लोक अभियोजक कार्यालय ने 16 संदिग्धों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है, जिन पर 'घृणा और भेदभाव' फैलाने का आरोप है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हिरासत में लिए गए लोगों में अभिनेता सेम यिगित उजुमोग्लू भी शामिल हैं, जिन्होंने नेटफ्लिक्स की डॉक्यूसीरीज 'राइज ऑफ एम्पायर्सः ओटोमन' में सुल्तान मेहमेद द कॉन्करर की भूमिका निभाई थी। संदिग्धों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था, जिसमें लोगों से आह्वान किया गया कि वे बुधवार को पैसे खर्च न करें। साथ ही व्यवसायी से एकजुटता दिखाने के लिए अपने दरवाजे बंद करने की अपील की गई। इस पोस्ट के चलते 11 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। पिछले महीने इस्तांबुल के विपक्षी मेयर एक्रेम इमामोग्लू को भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल भेज दिया गया था।

वक्फ संशोधन बिल पर अशोक गहलोत ने दी बड़ी प्रतिक्रिया

नए कानून की नहीं थी आवश्यकता

जयपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन बिल 2024 लोकसभा में पास हो गया है। इस वक्त राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल पर पक्ष और विपक्ष के बीच जबरदस्त चर्चा हो रही हैं। राजस्थान के पूर्व सीएम व कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने वक्फ संशोधन बिल पर बड़ी प्रतिक्रिया दी। अशोक गहलोत ने कहा कि भाजपा की मोदी सरकार बार-बार अल्पसंख्यक वर्ग को निशाने पर लेने वाले कानून बनाती है।

जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाने रही है सरकार

अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया अकाउंट X पर कहा कि ऐसा लगता है कि भारत सरकार महंगाई, बेरोजगारी, शेयर मार्केट में चल रही गिरावट, रुपए के अवमूल्यन जैसे जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए बार-बार अल्पसंख्यक वर्ग को निशाने पर लेने वाले कानून बनाती है।

पूरे देश में तनाव पैदा किया गया

अशोक गहलोत ने आगे लिखा कि पूर्व में सीएए के दौरान भी ऐसा देखा गया क्योंकि कानून 2020 में ही बना दिया पर इसके नियम 2024 में बनाए गए थे परन्तु इसका राजनीतिक लाभ लेने के लिए बार-बार इस मुद्दे को उछाला गया और पूरे देश में तनाव पैदा किया गया।

वक्फ को लेकर किसी नए कानून की आवश्यकता नहीं थी

अशोक गहलोत ने लिखा कि वक्फ को लेकर बनाया गया कानून भी इसी का हिस्सा है। वक्फ को लेकर किसी नए कानून की आवश्यकता नहीं थी पर बहुसंख्यक वर्ग का जरूरी विषयों से ध्यान हटाने एवं अल्पसंख्यक वर्ग में भय पैदा करने तथा दोनों वर्गों के बीच तनाव पैदा करने के लिए यह कानून बनाया गया है।

वक्फ संशोधन बिल 2024 पर अपडेट

वक्फ संशोधन बिल 2024 लोकसभा में पास हो गया। इसके लिए रात 2 बजे हुई वोटिंग में 520 सांसदों ने हिस्सा लिया। पक्ष में 288 ने और विपक्ष में 232 वोट पड़े। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे उम्मीद (यूनीफाइड वक्फ मैनेजमेंट इम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट) नाम दिया है। आज यह बिल राज्यसभा में पेश किया गया है, जिस पर जोरदार चर्चा हो रही है।

कांग्रेस के पूर्व मंत्री का बीजेपी विधायक पर आरोप

माइंस खरीद व टेंडर में गड़बड़ी समेत इन पर जांच की मांग

करौली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक रमेश मीणा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सपोटरा विधानसभा के विधायक हंसराज मीना पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। इसके बाद वे समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

पूर्व मंत्री ने पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि वर्तमान विधायक के संरक्षण में क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। विधायक स्वयं भी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। उन्होंने विधायक पर परिजनों के नाम 13 करोड़ रुपये की माइंस खरीदने के आरोप लगाते हुए कहा कि इसकी उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। पंचायत समिति सपोटरा और मंडरायल में नियमों के विपरीत टेंडर दिए गए। आरोप है कि विधायक के करीबी रिश्तेदारों को ठेके दिलवाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है।

सपोटरा में मनरेगा योजनाओं में भी अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है। ज्ञापन के अनुसार, टेंडर की शर्तों को बदलकर अपात्र फर्मों को काम दिया गया, जिससे सरकारी कोष को नुकसान पहुंचा। पंचायत समिति में विकास कार्यों में कमीशनखोरी का भी जिक्र किया गया है। पूर्व मंत्री रमेश मीणा ने कहा कि विधायक कोष से स्वीकृत राशि का दुरुपयोग हो रहा है। बिना स्वीकृति के सड़क निर्माण और अन्य विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक के प्रभाव में अधिकारियों को मनमाने फैसले लेने पर मजबूर किया जा रहा है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि सपोटरा क्षेत्र में अवैध बजरी खनन चरम पर है और प्रशासन कार्रवाई करने में विफल रहा है। विधायक के परिजनों पर सरकारी जमीनों पर कब्जा करने और अवैध निर्माण कराने का भी आरोप लगाया गया है। पूर्व मंत्री ने विधायक द्वारा लगाए आरोपों को लेकर कहा कि वह उनकी पुश्तैनी जमीन है और नियम अनुसार राज्य सरकार ने आवंटन किया है।

पूर्व मंत्री ने मुख्यमंत्री से मांग की कि इन सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच के लिए उच्च स्तरीय कमेटी गठित की जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवराज मीणा, पीसीसी सचिव भूपेन्द्र भारद्वाज, कन्हैया लाल सहित बड़ी संख्या कांग्रेसी और उनके समर्थक मौजूद रहे।

सरकार ने 'रसूलपुर' से बदलकर 'रामपुर' रखा नाम

कोटा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले की लाडपुरा तहसील में स्थित राजस्व गांव रसूलपुर का नाम बदलने के बाद अब वहां जश्न का माहौल है। बड़ी संख्या में गांव के लोगों ने जश्न मनाया और डीजे की धुनों पर डांस किया। भारत माता के जयकारे देर रात तक गूंजते रहे। रसूलपुरा गांव का नाम अब बदलकर रामपुर कर दिया गया है और इसकी बकायदा अधिसूचना भी जारी की गई। जश्न और जयकारों के बीच हर कुछ दूरी पर आतिशबाजी भी की गई और मिठाईयां भी बांटी गई।

दरअसल गांव के लोग लंबे समय से गांव का नाम बदलने की मांग कर रहे थे और इसके लिए नियमानुसार कार्रवाई भी की जा रही थी। सरकार के पास तमाम दस्तावेज भेजे गए थे और इसी आधार पर अब नियमानुसार गांव का नाम बदल दिया गया और इसकी पूरी जानकारी जिला कलक्टर के जरिए गांव तक भेजी गई। नाम बदलने के लिए राजस्थान सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से पत्र व्यवहार किया था। उसके बाद नो ऑब्जेक्शन आने के बाद नाम बदल दिया गया। अब सभी अभिलेखों में भी नियमानुसार बदलाव करने की प्रक्रिया चल रही है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस गांव की सभ्यता प्राचीन है। यहां नागा साधुओं और रामस्नेही सम्प्रदाय के साधुओं की आज भी समाधियां बनी हुई हैं। यहां पर पत्र व्यवहार में आज भी गांव का नाम खेड़ारामपुरा लिखा जाता है। लेकिन सरकारी दस्तावेजों में नाम दूसरा था। अब जनता, स्थानीय विधायक और प्रशासनिक अफसरों की मदद से नाम बदल दिया गया है।

कलेक्टर रामावतारण मीणा का आदेश आया विवादों में

झुंझुनू, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में बढ़ रहे विरोध को देखते हुए आखिर जिला कलेक्टर रामावतार मीणा को अपना ही आदेश वापस लेना पड़ गया है। कलक्टर ने एक आदेश जारी कर कलक्ट्रेट के अतिरिक्ति प्रशासनिक अधिकारी सुरेन्द्र सिंह को बिसाऊ तहसीलदार का चार्ज दे दिया था। इसका अनेक संगठन विरोध कर रहे थे। विरोध और बढ़ गया। जिला कलक्टर के आदेश के विरोध में राजस्थान राजस्व सेवा परिषद से जुड़े कर्मचारियों व अधिकारियों ने तीन अप्रेल को सामूहिक अवकाश पर जाने का फैसला कर लिया। इसको लेकर परिषद के जिलाध्यक्ष महेन्द्र मूंड, कानूनगो संघ के जिलाध्यक्ष उम्मेद महला, पटवार संघ के जिला अध्यक्ष होशियार सिंह खींचड़ व अन्य ने जिला कलक्टर को ज्ञापन भी दिया। बिसाऊ तहसीलदार का चार्ज समान श्रेणी के अधिकारी को देने की मांग की। इसके बाद रात साढ़े दस बजे बाद कलक्टर ने आदेश वापस लेना पड़ा।

इधर मंत्रालयिक कर्मचारियों ने भी दिया ज्ञापन

बिसाऊ. तहसीलदार के पद पर अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी को चार्ज देने के मामले में पटवार संघ की ओर से दी गई सामूहिक अवकाश की चेतावनी के जवाब में मंत्रालयिक कर्मचारियों ने भी जिला कलक्टर को ज्ञापन दे दिया। राजस्थान राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष तेजपाल भाटिया के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में बताया गया कि राजस्व मण्डल राजस्थान अजमेर के पत्र के अनुसार अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी को तहसीलदार के रिक्त पद का कार्यभार दिया जा सकता है। सुरेन्द्र सिंह से पूर्व भी कई जिलों में कलक्टर्स ने अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारियों को तहसीलदार के पद का अतिरिक्त कार्य भार दिया गया है। ज्ञापन में बताया गया कि राजस्थान राजस्व सेवा परिषद के तहसीलदार बिसाऊ के चार्ज संबंधी आदेश को निरस्त करने की मांग के दिए ज्ञापन को लेकर राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारियो में रोष व्याप्त है। इनकी मांग व दबाव में आकर यदि तहसीलदार बिसाऊ के रिक्त पद का चार्ज बदला जाता है, तो राजस्व मंत्रालयिक कमचारी संघ को मजबूरन आंदोलन करना होगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

आदेश निकालने वाले रामावतारण मीणा आरएएस से प्रमोट होकर आईएएस बने हैं। सवाई माधोपुर जिले के रहने वाले मीणा पहली बार कलक्टर बने हैं। वे वर्ष 2007 व 2009 में एपीओ भी हो चुके। कई पदों पर रह चुके।

बिसाऊ में तहसीलदार का पद खाली होने पर चार्ज नायब तहसीलदार के पास था। कलक्टर ने एक आदेश जारी कर नायब तहसीलदार से चार्ज लेकर कलक्ट्रेट में कार्यरत अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी सुरेन्द्र सिंह को दे दिया। इसके विरोध में राजस्थान सेवा परिषद में हड़ताल पर जाने की चेतावनी दे दी। विरोध बढ़ता देखकर कलक्टर को आदेश वापस लेना पड़ गया।

आरोपियों पर रियायत बरतने के लिए दो कांस्टेबल ने मांगी रिश्वत

10 हजार रुपये के साथ गिरफ्तार

कोटा, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने देर रात को बड़ी कार्रवाई करते हुए रिश्वत प्रकरण मामले में दो कांस्टेबल को रंगे हाथों रिश्वत के साथ गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा घटनाक्रम दादाबाड़ी थाने से जुड़ा हुआ सामने आया है। दोनों कांस्टेबलों ने मारपीट के एक मामले में परिवादी के बेटों को बचाने की एवज में 30 हजार रुपए की रिश्वत की डिमांड की थी। जिसका सत्यापन होने के बाद एसीबी ने देर रात को जाल बिछाकर दोनों कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने बताया कि शिकायतकर्ता ने 31 मार्च को एसीबी से संपर्क किया था और बताया था कि दादाबाड़ी थाने में उसको दो बेटों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज है। प्रकरण में चार आरोपी गिरफ्तार किए थे। जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी बाकी थी। परिवारी के बेटों को राहत देने के लिए दो कांस्टेबल बनवीर आचार्य और मनीष कुमार जांगिड़ ने रिश्वत के डिमांड की थी। जिसका सत्यापन करवाने पर सामने आया कि कांस्टेबलों ने 30 हजार रुपए की परिवादी से रिश्वत मांगी है।

मामले का सत्यापन करवाने के बाद परिवादी 10 हजार रुपए लेकर थाने से कुछ ही दूरी पर पहुंच गया। जहां पर उसने दोनों कांस्टेबल को 10 हजार रुपए संभला दिए। परिवादी का इशारा मिलते ही एसीबी की टीम ने दोनों को पकड़ लिया। दोनों कांस्टेबलों की भर्ती साल 2018 में हुई थी। एसीबी ने बताया कि जिस मामले में कांस्टेबल ने रिश्वत ली है उसकी जांच सब इंस्पेक्टर कर रहे हैं।

2 मंजिला इमारत पर चला बुलडोजर, लोग भड़के

धौलपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के धौलपुर में दो दिन की शांति के बाद एक बार फिर नगर परिषद का पीला पंजा अतिक्रमण पर गरजा। कार्रवाई दोपहर में शुरू हुई, जो देर रात तक जारी रही। करीब 11 घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान शहर में तोप तिराहा से लेकर संतर रोड, लाल बाजार होते हुए चूड़ी मार्केट तक अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान कच्चे और पक्के अतिक्रमण को ध्वस्त किया।

कार्रवाई के दौरान जब विरोध हुआ तो जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी को खुद मौके पर आकर लोगों को अतिक्रमण हटाने की समझाइश करनी पड़ी। डीएम ने स्पष्ट कहा कि अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं होगा। कार्रवाई रात 11 बजे बाद तक जारी रही। इस दौरान नगर परिषद दस्ता ने शहर के गुरुद्वारा रोड स्थित एक निर्दलीय पार्षद के कार्यालय और पैथोलॉजी लैब पर भी कार्रवाई की। दोनों इमारतों बुलडोजर से ढहाया गया। नगर परिषद ने दोनों इमारतों को अतिक्रमण माना है। नगर परिषद चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय वार्ड पार्षद का चुनाव लड़ा था।

संतर रोड पर शाम तक चली कार्रवाई

ड्यिोडी में कार्रवाई के बाद परिषद ने संतर रोड पर हो रहे अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान दुकानों के आगे नालों पर बने चबूतरे और पत्थरों को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया। संतर रोड पर परिषद की कार्रवाई शाम तक चली। कार्रवाई के दौरान नगर परिषद आयुक्त अशोक कुमार शर्मा, सीओ शहर और भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

पार्षद कार्यालय और लैब पर भी कार्रवाई

शहर में रात में अतिक्रमण दस्ता गुरुद्वारा रोड पर पहुंच गया। दस्ते ने एक वार्ड पार्षद के कार्यालय पर भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। साथ ही एक पैथोलॉजी लैब की इमारत पर भी दस्ते ने कार्रवाई की। बुलडोजर से पहले सीढ़ियों तोड़ी और फिर रैलिंग इत्यादि उखाड़ फेंकी। इस दौरान समर्थकों ने नाराजगी जाहिर की। कार्रवाई के दौरान स्वयं डीएम, आयुक्त अशोक शर्मा और सीओ मौजूद रहे।

लोगों ने किया विरोध

इससे पहले दोपहर दो बजे के बाद तोप तिराहा पर जेसीबी देख लोगों में अफरा-तफरी मच गई। और देखते ही देखते अतिक्रमण पर परिषद की कार्रवाई प्रारंभ हो गई। परिषद ने सबसे पहले तोप तिराहा स्थित ड्यिोडी पर हो रहे कच्चे और पक्के अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान लोगों ने कार्रवाई का विरोध भी किया। लेकिन परिषद की टीम ने लोगों के विरोध को नजरअंदाज कर दिया।

वक्फ संशोधन बिल को लेकर तीखी प्रतिक्रिया

मेव पंचायत ने कहा- यह संपत्ति किसी सरकार द्वारा नहीं दी गई

अलवर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ संशोधन बिल 2024 लोकसभा में पेश किया। सुबह 12 बजे से बिल पर आठ घंटे की चर्चा हुई। बिल के जरिए वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को कानूनी दायरे में लाए जाने का प्रस्ताव है। बिल पर चर्चा में रिजिजू ने 58 मिनट अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने पांच मार्च 2014 को 123 प्राइम प्रॉपर्टी को दिल्ली वक्फ बोर्ड को ट्रांसफर कर दी। ऐसा लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अल्पसंख्यक वोटों के लिए किया गया, पर चुनाव हार गए। रिजिजू ने कहा, अगर हमने आज यह संशोधन बिल पेश नहीं किया होता तो जिस इमारत में हम बैठे हैं, उस पर भी वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा सकता था। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सत्ता में नहीं आती तो कई अन्य संपत्तियां भी गैर-अधिसूचित हो गई होतीं।

इस बिल को लेकर जिला मेव पंचायत के संरक्षक शेर मोहम्मद का कहना है कि यह मुसलमान के साथ अन्याय किया जा रहा है। यह कोई सरकारी जमीन नहीं है, मुसलमान की जमीन है। जिसे कॉरपोरेट घराने को दिया जा रहा है। यदि सरकार मुसलमान का भला चाहती है तो आरक्षण दिया जाए।

इसके साथ ही अन्य धार्मिक क्षेत्रों भी मुसलमान को समान अधिकार दिए जाएं।

उन्होंने कहा कि पूरे देश भर में मुसलमान इस बिल के विरोध में खड़े हैं और आगामी दिनों में आंदोलन भी किया जाएगा। शेर मोहम्मद ने कहा कि वक्फ की इनमें से ज्यादातर संपत्ति वह है, जो मुसलमानों की ही है और मुसलमानों द्वारा ही दान की गई है।

अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त की तस्करी

25,000 रुपये का वांछित इनामी गिरफ्तार

जोधपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर ग्रामीण की बोरुंदा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे जिले के टॉप-10 वांछित अपराधियों में शामिल 25,000 रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण, राममूर्ति जोशी ने बताया कि डोडा पोस्त की तस्करी में वांछित जिला स्तरीय टॉप-10 सक्रिय अपराधी कमलेश कुमार धाकड़ (38) पुत्र लालूराम धाकड़, निवासी माधोपुर, थाना बेगू, जिला चित्तौड़गढ़ को पुलिस थाना बोरुंदा की टीम ने खुफिया सूचना के आधार पर हमीरगढ़ (भीलवाड़ा) से गिरफ्तार किया। एसपी जोशी ने बताया कि पूर्व में बोरुंदा थाना क्षेत्र के गांव मूरकासनी में एक टाटा 407 गाड़ी में 10 क्विंटल डोडा पोस्त बरामद किया गया था। यह खेप मोतीलाल गुर्जर के बाड़े से जब्त की गई थी, जिसमें दिनेश विश्नोई को मौके पर गिरफ्तार किया गया था। मामले में वांछित आरोपी कमलेश धाकड़ लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस ने उसके संभावित ठिकानों पर कई बार दबिश दी, लेकिन वह पकड़ में नहीं आया। लगातार तीन वर्षों तक तलाश के बाद पुलिस को सूचना मिली कि कमलेश धाकड़ अपने दोस्त से मिलने हमीरगढ़ (भीलवाड़ा) आ रहा है।

प्रेमी करता था पत्नी से मोबाइल पर बात

गुस्साए पति ने काटा डाली नाक; पुलिस जांच में जुटी

जोधपुर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर के बोरानाडा इलाके के पेप्सी फैक्टरी के बाहर पति ने पत्नी के प्रेमी पर हमला कर घायल कर दिया और उसके कान काट दिए। प्रेमी का जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में इलाज चल रहा है। फिलहाल प्रेमी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि आरोपी पति प्रेम सुख अपने साथियों के साथ बोरानाडा इलाके में पहुंचा, जहां रमेश अपनी ट्रक लेकर आया था। रमेश बोरानाडा इलाके में अपनी ट्रक खाली करने पहुंचा। जिसके बाद प्रेम सुख ने रमेश के साथ मारपीट की। बताया जा रहा है कि पहले लोहे के पाइप से मारपीट की गई और फिर फायर किया गया और उसके बाद रमेश के दोनों कान काट दिए। उसके बाद गंभीर हालत में रमेश को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि रमेश की उसके गांव लाम्बा में मोबाइल की दुकान थी और वहीं उसकी जान पहचान प्रेम सुखी की पत्नी से हुई। जब वह मोबाइल लेने पहुंची उसके बाद कई बार प्रेम सुख ने रमेश को मना भी किया, लेकिन रमेश नहीं माना। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पहले भी झगड़ा हो चुका है। रमेश के बयान दर्ज करने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। वहीं डीसीपी पूरे मामले की मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

गांव में पास-पास ही है मकान

प्रेम सुख और रमेश का मकान गांव में पास-पास ही है। जिसके चलते रमेश की दुकान से जब प्रेम सुख की पत्नी ने मोबाइल खरीदा तब से दोनों की जान पहचान हो गई और उसके बाद बात आगे बढ़ी।

दिनदहाड़े एक करोड़ की लूट, अचानक आए नकाबपोश बदमाश और छीन ले गए रुपयों से भरा बैग

बीकानेर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। बीकानेर शहर के बीछवाल थाना क्षेत्र में सनसनीखेज लूट की वारदात सामने आई है। इसमें अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि लूट ली। वारदात के बाद पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है और जिले भर में नाकाबंदी करवाई गई है। इंद्रा कॉलोनी स्थित भैरव जी मंदिर के पास व्यापारी रामवतार सारस्वत के कर्मचारियों से यह लूट हुई। व्यापारी का आईसीएमएल नामक ऑफिस तीर्थ स्तंभ क्षेत्र में स्थित है, जहां से उनके दो कर्मचारी मुकेश और संपत रुपयों से भरा बैग लेकर निकल रहे थे। जैसे ही वे इंद्रा कॉलोनी के पास पहुंचे, तभी नकाबपोश बदमाशों ने हमला कर बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बीछवाल थानाधिकारी गोविंद सिंह चारण मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का बारीकी से मुआयना किया। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं, ताकि लुटेरों का कोई सुराग मिल सके।

बंधक पुलिसकर्मियों को छुड़ाने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने किया हमला, 11 घायल; इलाका छावनी में तब्दील

सीकर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। सीकर जिले के अजीतगढ़ थाना क्षेत्र के डाला वाली ढाणी में मंगलवार रात पुलिस पर हुए हमले के बाद पुलिस-प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं इस घटना के दौरान पुलिस कर्मियों को बंधक बनाने का वीडियो अब सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक पुलिसकर्मी को ग्रामीणों ने कुर्सी पर बैठाया हुआ है तथा उसके साथ मारपीट भी की गई है। बंधक पुलिस कर्मियों को छुड़ाने के दौरान ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया था और इस हमले में 11 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

घटना के बाद अजितगढ़ पुलिस थाना छावनी में तब्दील हो गया। नीमकाथाना प्रोबेशनर्स आईपीएस रोशन लाल मीणा और डिप्टी एसपी उमेश गुप्ता भी पुलिस थाने पहुंचे। गिरफ्तार आरोपियों को पकड़ने के बाद उनकी परेड अजीतगढ़ के मुख्य मार्गों से निकाली गई, जिसे देखकर जनता ने राजस्थान पुलिस के जयकारे लगाए। अब तक 13 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जबकि 44 नामजद और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

बताया जा रहा है कि मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे अजीतगढ़ थाने के तीन पुलिसकर्मी एक मारपीट केस में फरार आरोपी महिपाल को पकड़ने गए थे। इसी दौरान गांव में महिपाल के किसी परिचित की बरात निकल रही थी।

फर्जी सॉफ्टवेयर और मोबाइल एप से करोड़ों की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। साइबर सेल और बिजयनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में फर्जी सॉफ्टवेयर और मोबाइल एप के जरिए करोड़ों की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी नगजीराम रेगर, निवासी पारसौली, जिला चित्तौड़गढ़ को नागपुर (महाराष्ट्र) से डिटेन कर पकड़ा गया। बिजयनगर थानाधिकारी करण सिंह खंगारोत ने बताया कि नगजीराम और उसके साथियों ने एक फर्जी सॉफ्टवेयर और मोबाइल एप तैयार किया था। इस एप के जरिए वह लोगों को पैसे निवेश करने और चेन सिस्टम से जुड़ने का लालच देता था। इस योजना में निवेश करने पर लोगों को हर दिन जमा धन का 1% लाभ देने का वादा किया जाता था। कई लोग इस लालच में आ गए और करोड़ों रुपये निवेश कर दिए। लेकिन जब उन्हें रिटर्न मिलना बंद हो गया, तब इस ठगी का खुलासा हुआ।

5 करोड़ की ठगी, आरोपी था फरार

बिजयनगर थानाधिकारी करण सिंह खंगारोत ने बताया कि यह मामला 16 जुलाई 2024 को सामने आया, जब भैरूलाल जाट, निवासी ग्राम बाड़ी, बिजयनगर, ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई। भैरूलाल ने बताया कि नगजीराम रेगर, सुशीला उर्फ सीता, हिमांशु और मयंक भट्ट ने मिलकर एक फर्जी सॉफ्टवेयर और मोबाइल एप बनाया। उन्होंने भैरूलाल और उनके जानकारों को इस योजना में पैसे लगाने के लिए प्रेरित किया और करीब 5 करोड़ रुपये ठग लिए। पैसे निवेश करने वालों को शुरू में कुछ लाभ दिया गया ताकि वे और अधिक निवेश करें और अपने परिचितों को भी जोड़ें। लेकिन जैसे ही निवेश की राशि अधिक हो गई, आरोपी पैसा लेकर फरार हो गए।

केटीआर बीआरएस के सत्ता में लौटने का सपना देख रहे हैं : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने दावा किया कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव तेलंगाना में अपनी पार्टी के सत्ता में लौटने की अवास्तविक उम्मीदों में लिप्त हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगले चुनाव तक, बीआरएस पार्टी की तेलंगाना के राजनीतिक परिदृश्य में मौजूदगी नहीं रह जाएगी।

गुरुवार को नई दिल्ली में एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान, महेश कुमार गौड़ ने मंत्रियों पोन्नम प्रभाकर और कोंडा सुरेखा के साथ-साथ पार्टी विधायकों के साथ बीआरएस प्रशासन के दौरान हुई सरकारी संपत्तियों को हुए नुकसान को दूर करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने पूर्व मंत्री केटी रामाराव पर हैदराबाद क्षेत्र में सरकारी स्वामित्व वाली जमीनों को काफी कम कीमतों पर अपने संबद्ध संगठनों को हस्तांतरित करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, बीआरएस पार्टी पिछले एक दशक में भूमि के अवैध अधिग्रहण के लिए जिम्मेदार है। इसने आर्थिक और भूमि क्षरण दोनों को जन्म दिया है। बीआरएस ने तेलंगाना के लोगों के बीच दुश्मनी का माहौल बनाया है। टीपीसीसी अध्यक्ष ने विपक्षी दलों पर एचसीयू भूमि के बारे में गलत इरादे से गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा और बीआरएस दोनों के नेता हर मौके पर तेलंगाना राज्य की प्रगति में बाधा डाल रहे हैं। महेश कुमार गौड़ ने कहा, कांग्रेस पार्टी के रूप में, हम तेलंगाना भाजपा नेताओं से 42 प्रतिशत आरक्षण के वैधीकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप करने का आग्रह करते हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उनके कैबिनेट मंत्री पिछड़ा वर्ग आरक्षण की वकालत करने के लिए कहीं भी जाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे दावा किया कि भाजपा तेलंगाना के मुसलमानों के साथ अन्याय करने की साजिश कर रही है, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात में मुसलमानों को ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण मिलता है। उन्होंने मांग की, हम केंद्र सरकार से अपील करते हैं कि तमिलनाडु की तरह ही 42 प्रतिशत आरक्षण को भी वैधानिक बनाया जाए। अगर केंद्र की भाजपा सरकार वाकई प्रतिबद्ध है तो 42 प्रतिशत आरक्षण के मामले को 9वीं अनुसूची में शामिल किया जाना चाहिए।

महेश कुमार गौड़ ने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार फिलहाल अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की जिम्मेदारी है और पार्टी नेतृत्व इस प्रक्रिया से जुड़े सभी पहलुओं का विश्लेषण कर रहा है। उन्होंने कहा, टीपीसीसी के अध्यक्ष के तौर पर मैं पार्टी नेतृत्व से अनुरोध करता हूं कि आगामी मंत्रिमंडल विस्तार में दो अतिरिक्त बीसी सदस्यों को शामिल किया जाए।

सात वर्षीय बच्चे की हत्या

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को शहर के उपनगर अत्तापुर में एक सुनसान स्थान पर सात वर्षीय लड़के की हत्या कर दी गई। मृतक का शव झाड़ियों के बीच मिला, उसके सिर पर चोट के निशान थे। आशंका है कि अज्ञात हमलावरों ने उसके सिर पर पत्थरों से वार किया था। पुलिस को संदेह है कि उसकी हत्या मीरालम टैंक के पास की गई और शव को घटनास्थल पर फेंक दिया गया। स्थानीय निवासियों ने शव देखकर अत्तापुर पुलिस को सूचित किया, जिन्होंने मौके पर पहुचकर जांच शुरू की। वे आस-पास के पुलिस थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों की जांच कर रहे हैं। लड़के की पहचान के प्रयास जारी हैं।

तेलंगाना एमएमटीएस परियोजना के लिए अपने हिस्से का धन जारी करने में विफल रहा : केंद्र

नई दिल्ली/हैदराबाद 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया है कि हैदराबाद को यादगिरिगुट्टा से जोड़ने वाली एमएमटीएस परियोजना फिलहाल रुकी हुई है, क्योंकि राज्य सरकार ने अपने वित्तीय दायित्वों को पूरा नहीं किया है। भुवनगिरी के सांसद किरण कुमार रेड्डी ने हैदराबाद और यादगिरिगुट्टा के बीच एमएमटीएस परियोजना के पूरा होने की समयसीमा के बारे में संसद में चिंता जताई। सांसद ने इस बात पर जोर दिया कि यह परियोजना घटकेसर और यादगिरिगुट्टा क्षेत्रों के निवासियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगी और केंद्र सरकार से इसके विकास के लिए आवश्यक धन आवंटित करके कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने सवाल किया, इस परियोजना की अनदेखी क्यों की जा रही है? केंद्र सरकार को इसे पूरा करने के लिए आवश्यक निधि के बारे में जानकारी देनी चाहिए। एक पूछताछ के जवाब में, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एमएमटीएस परियोजना 2016 में रेल मंत्रालय और तेलंगाना सरकार के बीच 1:2 वित्त पोषण अनुपात पर समझौतों के बाद शुरू की गई थी। केंद्र सरकार ने उसी वर्ष परियोजना के लिए धन आवंटित किया। हालांकि, राज्य सरकार द्वारा 279 करोड़ रुपये का अपना हिस्सा जारी करने में विफलता के कारण परियोजना को रोक दिया गया है।

चर्चा के दौरान, सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने केंद्र सरकार से परियोजना की लागत वहन करने और घटकेसर-यादगिरिगुट्टा एमएमटीएस परियोजना को पूरा करने में तेजी लाने का आग्रह किया।

मजदूरी में मामूली वृद्धि, मनरेगा मजदूर नाखुश

करीमनगर, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मजदूरी में मामूली वृद्धि के बाद राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) मजदूर नाखुश हैं। तेलंगाना में ग्रामीण रोजगार योजना के मजदूरों की प्रतिदिन मजदूरी में सिर्फ़ 7 रुपये की बढ़ोतरी की गई है, जिससे कुल मजदूरी 307 रुपये प्रतिदिन हो गई है। जबकि अन्य राज्यों को 26 रुपये तक की बढ़ोतरी मिली, केंद्र ने तेलंगाना के लिए सिर्फ 7 रुपये की बढ़ोतरी तय की, जिससे यहां योजना के लाभार्थी परेशान हो गए। हालांकि अधिकारियों ने दावा किया कि केंद्र मानक दरों की अनुसूची (एसएसआर) के अनुसार मजदूरी को अंतिम रूप देता है, लेकिन मजदूरों का कहना है कि उनके साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने व्यवस्था पर संदेह व्यक्त किया क्योंकि वर्तमान और पिछले वर्ष की बढ़ोतरी के बीच बहुत अंतर है, जब तेलंगाना में मजदूरी में 28 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। जहां 2023 में 12 रुपये की बढ़ोतरी की गई, वहीं 2022 में 15 रुपये की बढ़ोतरी की गई। मनरेगा सूत्रों ने बताया कि मजदूरी दरें कृषि मजदूरों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-एएल) के आधार पर तय की जाएंगी, जो ग्रामीण क्षेत्रों में मुद्रास्फीति को दर्शाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि योजना के तहत मजदूरी जीवन-यापन की लागत के साथ तालमेल बनाए रखे।

नई मजदूरी दरों के अनुसार, हरियाणा को सबसे अधिक 26 रुपये की मजदूरी वृद्धि मिली। यह केंद्र से प्रतिदिन एक मजदूर के लिए सबसे अधिक 400 रुपये की मजदूरी पाने वाला एकमात्र राज्य था। इस बीच, पंजाब को 24 रुपये (कुल मजदूरी : 346 रुपये) की दूसरी सबसे अधिक मजदूरी वृद्धि मिली, उसके बाद केरल को 23 रुपये (369 रुपये), गोवा को 22 रुपये (378 रुपये), कर्नाटक को 21 रुपये (370 रुपये) और लक्षद्वीप को 21 रुपये (336 रुपये) की वृद्धि मिली। जबकि कई राज्यों को उच्च मजदूरी मिल रही थी, तेलंगाना का वेतन इस साल ही 300 रुपये को पार कर गया। 7 रुपये की नवीनतम वृद्धि के साथ, यहां मजदूरों को प्रति दिन 307 रुपये मिलेंगे।

वर्ष 2005-06 में योजना शुरू होने के समय मजदूरी 87.50 रुपये थी जो बढ़कर 307 रुपये हो गयी, अर्थात 18 वर्षों में इसमें मात्र 219.5 रुपये की बढ़ोतरी हुई। जिला ग्रामीण विकास अधिकारी वी श्रीधर ने कहा कि वेतन एसएसआर दरों के अनुसार तय किया जाएगा। जब अन्य राज्यों में वेतन अंतर के बारे में पूछा गया तो डीआरडीओ ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।

पोप राजदूत ने उदुमाला बाला को विशाखापट्टनम का आर्कबिशप किया नियुक्त

विशाखापट्टनम, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हजारों लोगों की मौजूदगी में एक भव्य और ऐतिहासिक समारोह में, मोस्ट रेव. उदुमाला बाला को गुरुवार को आधिकारिक तौर पर विशाखापट्टनम का नया आर्कबिशप नियुक्त किया गया। भारत और नेपाल में पोप के राजदूत महामहिम मोस्ट रेव. लियोपोल्डो गिरेली की अगुआई में सेंट पीटर्स कैथेड्रल ग्राउंड्स, ज्ञानपुरम में आयोजित एक भव्य यूचरिस्टिक समारोह में यह पदभार ग्रहण किया गया। इस कार्यक्रम में देश भर से 25 से ज़्यादा बिशप और आर्चबिशप मौजूद थे, जिनमें हैदराबाद के आर्चबिशप हिज़ एमिनेंस कार्डिनल एंथनी पूला और बिशप एमेरिटस गली बाली शामिल थे, जिन्होंने धर्मोपदेश दिया। इसके अलावा निवर्तमान अपोस्टोलिक एडमिनिस्ट्रेटर बिशप जया राव, 500 से ज़्यादा पादरी, 500 नन और लगभग 10,000 आम श्रद्धालु भी मौजूद थे, जो आंध्र प्रदेश में कैथोलिक चर्च के लिए इस महत्वपूर्ण क्षण को देखने के लिए एकत्र हुए थे। आर्कबिशप के रूप में अपने पहले संबोधन में, मोस्ट रेव. उदुमाला बाला ने इस अवसर को धन्य भूमि से पुण्य भूमि तक की आध्यात्मिक यात्रा बताया। उन्होंने कहा कि वारंगल मेरी धन्य भूमि है, विजाग अब मेरी पुण्य भूमि है। मैं वारंगल-प्रमुख मिशनरियों की धन्य भूमि-से एमएसएफएस मिशनरियों की पवित्र भूमि विजाग में मुझे चुनने के लिए ईश्वर के विशेष आशीर्वाद को व्यक्त करता हूं। यहां के लोगों का दिल समुद्र जितना विशाल है, और मैं इस प्रचुर अनुग्रह की भूमि में सेवा करने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। आर्चबिशप बाला ने सभी धर्मों और समुदायों से एकता, शांति और सहयोग का आह्वान किया तथा अधिक सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण में साझा जिम्मेदारी पर बल दिया।

एसीबी ने वानकीडी चेकपोस्ट पर छापा मारकर 45,000 रुपये की बेहिसाबी नकदी जब्त की

कुमराम भीम आसिफाबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने बुधवार देर रात वानकीडी स्थित अंतर्राज्यीय परिवहन विभाग के चेकपोस्ट पर छापेमारी की और चेकपोस्ट पर तैनात अधिकारियों से 45,000 रुपये की बेहिसाबी नकदी बरामद की। एसीबी ने यह छापेमारी उन आरोपों के बाद की है, जिनमें आरोप लगाया गया था कि परिवहन अधिकारी चेक पोस्ट से गुजरने वाले वाहन मालिकों से रिश्वत ले रहे हैं। अधिकारियों ने छापेमारी के दौरान कथित तौर पर एक मोटर वाहन निरीक्षक से 45,000 रुपये की बेहिसाबी नकदी जब्त की है।

प्रत्येक राशन कार्ड धारक को उत्तम चावल वितरित किया जाए : जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि अधिकारियों को जिले के प्रत्येक पात्र राशन कार्ड धारक को बढ़िया चावल वितरित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। गुरुवार को जिले के अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) डेविड ने जिले के वानकीडी मंडल के घाट जनगांव गांव में आयोजित चावल वितरण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि अधिकारियों को प्रत्येक राशन कार्डधारक को सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए चावल वितरित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रजापाल कार्यक्रम के तहत पूर्व में आयोजित ग्राम सभाओं में जिन पात्र लोगों ने राशन कार्ड, नाम परिवर्तन व कार्ड में नाम जोड़ने के लिए आवेदन किया है, उन्हें राशन कार्ड जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिले में प्रत्येक कार्डधारक को राशन चावल उपलब्ध कराने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं और सरकार की राशन चावल वितरण योजना से गरीबों को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों पर कोई बोझ नहीं डाला जाएगा, मुफ्त चावल वितरित किया जाएगा और कार्डधारकों को चावल खरीदने के लिए नियमित रूप से डिस्काउंट स्टोर पर आना चाहिए। इस कार्यक्रम में जिला सहकारिता अधिकारी राठौड़ भिक्षू, तहसीलदार प्रवीण कुमार, संबंधित अधिकारी एवं लाभार्थी शामिल हुए।

जामबाग संभाग के पार्षद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राकेश जायसवाल ने आज भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संसद में 2025 वक्फ संशोधन विधेयक पारित करने पर खुशियां मनाते हुए भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्णय की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह बिल गरीब और जरूरतमंद मुस्लिम समुदाय के लोगों को पारदर्शिता के साथ मदद करेगा।

धमाईगुडा स्थित स्व.श्री जीवारामजी वरपा के श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए ताराराम गेहलोत, रामलाल, पोकरराम, प्रकाश, हंसाराम, मोटाराम, मगाराम वरपा, जसवन्त देवड़ा, अशोक हाम्बड़, करण, महेन्द्र गेहलोत, रुपाराम सोयल, श्री राजस्थानी मित्र मंडल के सदसस्यगण व अन्य।

ऑटिज्म जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कई वर्षों से ऑटिज्म के क्षेत्र में सेवारत, माधव ऑटिज्म फाउंडेशन ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस बुधवार 2 अप्रैल को मनाया।

रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई के केएलन प्रसाद ऑडिटोरियम में संपन्न कार्यक्रम में डॉ. शशांक गोयल, आईएएस (मुख्य सचिव- तेलंगाना राज्य सरकार, डीजी और इओ एमसीआरएच आरडीआईटी) शामिल हुए। विशिष्ट मेहमानों के रूप में एसके जैसवाल (वरिष्ठ न्यूरोलॉजी चिकित्सक, किम्स- कोंडापुर, एलएन शर्मा (वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट और समाजसेवी), ए बाबूराव (संस्थापक और प्रधान कैफे नीलोफ़र समूह) , रूपा श्री भूत्तापति (बोर्ड सदस्य- गूगल इंडिया) श्रीमती बी. नर्मदा मल्लिकार्जुन (मनोनीत सदस्य- सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड), डॉ.पी. मदन मोहन राव (वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ, होप चिल्ड्रन'स हॉस्पिटल, बशीरबाग), सीए पिंकी केडिया कोषाध्यक्ष, सदस्य- रीजनल कौंसिल वायर आईसीएआई, श्रीमती अलका मनोज (भाजपा राज्य उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा) अतिथि स्वरूप उपस्थित हुए। कार्यक्रम के शुभारंभ द्वीप प्रज्वलन के बाद फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. सुमन सराफ ने अपना स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। सचिव डॉ. दिलीप पंसारी ने फाउंडेशन के उद्धेश्य, स्थापना से लेकर अब तक की विस्तृत जानकारी, गतिविधियों और संक्षिप्त रिपोर्ट को प्रस्तुत किया। ऑटिज्म टाक व्याख्यान के अंतर्गत डॉ. सुमन ने ऑटिज्म के कारण, लक्षण, रोक, उपचार, सामाजिक स्वीकारता, सरकार की भूमिका इत्यादि पर जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर चेन्नई के 30 वर्षीय आर्टस्टिक युवा कार्तिक के द्वारा गाए गीतों को ऑडियो वीडियो पर प्रस्तुति ने लोगों को भाव विभोर किया। ऑटिज्म के क्षेत्र में विभिन्न रूप में सेवा प्रदान करने की दिशा में श्रीमती शशि गुप्ता, श्रीमती सीता को सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी अतिथियों ने माधव ऑटिज्म फाउंडेशन के द्वारा ऑटिज्म के क्षेत्र में की जा रही सेवाओं की सराहना करते हुए निकट भविष्य में यथासंभव हर सहयोग का आश्वासन दिया। धन्यवाद और राष्ट्रगान के पश्चात मंचीय कार्यक्रम में प्रसिद्ध स्टैंड अप कॉमेडियन सुषमा ने अपनी हास्य कला के माध्यम से लोगों को खूब हंसाया तो वही दूसरी ओर विशेष और अन्य बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किए गए नृत्य को लोगों ने तालियां बजा कर खूब सराहा। इस कार्यक्रम में लगभग 450 लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

आदिवासी महिला से किया रेप का प्रयास

संगारेड्डी, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी में बुधवार को बलात्कार के एक और प्रयास में, एक व्यक्ति ने एक महिला पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या करने की कोशिश की, जब महिला ने उसके प्रयासों का विरोध किया। जानकारी के अनुसार, पुलकल मंडल के गोंगुलुर थांडा की रहने वाली विवाहित आदिवासी महिला बुधवार सुबह दिहाड़ी पर काम की तलाश में संगारेड्डी शहर आई थी। आरोपी ने इसे एक अवसर के रूप में देखा और उसे काम का लालच देकर एक सुनसान जगह पर ले गया। जब उसने महिला के साथ बलात्कार करने की कोशिश की, तो उसने विरोध किया। फिर उसने उस पर चाकू से हमला किया और मौके से भाग गया। खून से लथपथ हालत में मिली पीड़िता को स्थानीय लोगों ने संगारेड्डी शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया।

निर्दोष सामाजिक संस्था द्वारा शहर के 27 स्थानों पर जल शालाओं की स्थापना की जा रही है। संस्था अध्यक्ष डॉ. रामकुमार तिवारी ने बताया कि लोगों के आवेदन के अनुसार जरूरी स्थानों पर जलशालाएं खोली जा रही हैं। उन्होंने समाजसेवा में रुचि रखने वालों से इस पुण्यकार्य में सहभागी बनने की अपील भी है।

वक्फ बिल से पिछडे मुस्लिमों को प्रबंधन में भागीदारी का मौका मिलेगा : मीर फिरासत अली

बिल पास होने की खुशी में बसों में मिठाई बांटी

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के वरिष्ठ नेता मीर फिरासत अली बाकरी ने कहा कि वक्फ बिल लोकसभा में पास होने से पिछड़े मुसलमानों को भी वक्फ प्रबंधन का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा। इससे समुदाय के लोगों में आगे बढ़ने की उम्मीद जगी है। इस बिल के बाद वक्फ की जमीन पर जो अतिक्रमण हो रहा था वह अब नहीं हो सकेगा। क्योंकि संविधान के जरिए इसमें सुरक्षा के प्रावधान कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड सिर्फ एक वैधानिक निकाय है, कोई धार्मिक निकाय नहीं। भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन की पार्टियां मुस्लिम वोट बैंक पर निर्भर हैं, लेकिन उनकी उम्मीदें धराशायी हो रही हैं। मुसलमान मुख्यधारा में शामिल होना चाहते हैं, लेकिन ये पार्टियां उन्हें वोट बैंक तक सीमित रखना चाहती हैं। फिरासत अली बाकरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को धन्यवाद देते हुए उनके योगदान की सराहना भी की।

विकलांगों को कैलिपर्स वितरित

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महावीर विकलांग केंद्र किंग कोठी में महावीर जयंती पर समाजसेवी श्रीमती निर्मला बैद ने एक कार्यक्रम में विकलांगों को कैलिपर्स वितरित करते हुए उन्हें अणुव्रत के प्रेक्षा ध्यान के नियम बताए। उन्हें बताया गया कि यदि अब आप चलने-फिरने में सक्षम हो गए हैं तो नशे को हाथ भी मत लगाना। आपस में लडाई-झगडे से भी दूर रहें। सब प्रेम व भाईचारे से रहें तथा हरे पेडों को न काटें। सभी को तेलुगू में अणुव्रत साहित्य हनुमान जितेंद्र बैद की तरफ से दिया गया। अवसर पर समाजसेवी अमृतकुमार आंचलिया, श्रीमती डिंपल बैद, हेमा बांठिया, श्रीमती लक्ष्मी लूणिया सुशीला, सरोज बैदआदि ने भी भागीदारी की।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

सुप्रीम कोर्ट के ...

इस प्रावधान के कारण विधेयक को विरोध का सामना करना पड़ा और इसे स्थगित कर दिया गया।

> 2009 में संपत्ति की घोषणाएं : 2009 में सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत दबाव और पारदर्शिता की बढ़ती मांग के कारण, कुछ जजों ने अपनी मर्जी से संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक की।

जस्टिस यशवंत वर्मा कैश केस : कब-क्या हुआ :

14 मार्च यानी होली की रात करीब साढ़े 11 बजे जस्टिस यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी बंगले यानी 30, तुगलक क्रेसेंट कोठी में आग लगी। जस्टिस वर्मा घर पर नहीं थे तो उनकी बेटी और मां ने फोन कर फायर ब्रिगेड और पुलिस को बुलाया। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम किया।

जस्टिस वर्मा का दिल्ली से इलाहाबाद ट्रांसफर :

कैश मामले में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद आदेश जारी किया गया है। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को निर्देश दिया गया है कि जस्टिस वर्मा को कोई न्यायिक काम न सौंपा जाए। मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की इंटरनल जांच कमेटी कर रही है। जिसमें 3 जज हैं। इस कमेटी के सामने जस्टिस यशवंत वर्मा की पेशी जल्द हो सकती है।

जिस वक्फ पर ...

उसमें कोई छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। हालांकि, ऐसे मामले जिनमें विवाद है, जो न्यायाधिकरण में लंबित है, बातचीत चल रही है, ऐसे में ट्रिब्यूनल के अधिकार में हम दखल नहीं दे सकते। विवादित न होने की सूरत में प्रस्तावित कानून का किसी संपत्ति पर कोई असर नहीं होगा। वैसे भी जमीन राज्य सरकार का मामला है। केंद्र सरकार से उसका कोई लेना देना नहीं है।

रिजिजू ने कहा कि दुनिया का सबसे ज्यादा वक्फ संपत्ति भारत में है और भारत में सबसे ज्यादा जमीन भी वक्फ बोर्ड के पास है। रेलवे और रक्षा क्षेत्र की संपत्ति देश की संपत्ति है और ये सभी देशवासी की सुविधा और रक्षा के लिए इस्तेमाल होती है। संशोधन के बाद वक्फ संपत्ति की पूरी ट्रैकिंग होगी। इससे गरीब मुसलमानों का भला होगा। रिजिजू ने कहा कि जो संपत्ति वक्फ के पास पंजीकृत है तो उसमें कोई छेड़छाड़ नहीं होगी, लेकिन जो मामला विवादित है, उसमें ट्रिब्यूनल फैसला करेगी। रिजिजू ने कहा कि अब जो ट्रिब्यूनल बनेगा, उसका नियत कार्यकाल होगा। अगर ट्रिब्यूनल में आपको न्याय नहीं मिला तो सिविल मामले में किसी और अदालत में अपील कर सकते हैं। पहले ऐसा नहीं था। हमने ये बदलाव किए हैं। रिजिजू ने कहा कि विधवा और अनाथ बच्चों के लिए संरक्षण होना चाहिए। इसलिए जिस संपत्ति में महिला का अधिकार है, उसे वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकेगा। विधेयक से यह सुनिश्चित किया गया है पूरे परिवार की संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकेगा। रिजिजू ने कहा कि ऐसा कहा जा रहा है कि हम जो कदम उठा रहे हैं, उससे मुस्लिमों को नुकसान होगा। ये गैरकानूनी है। मुसलमानों का हक छीना जा रहा है। मैं साफ-साफ कहना चाहता हूं कि ये आरोप सरासर गलत है।

जयशंकर ने 'समंदर ...

यूनुस ने कुछ दिनों पहले चीन यात्रा के दौरान बांग्लादेश को इस क्षेत्र में "महासागर का एकमात्र संरक्षक" बताया था, जबकि चीन से अपने देश में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि भारत के पूर्वोत्तर राज्य "भूमि से घिरे" होने के कारण एक अवसर साबित हो सकते हैं।

जयशंकर ने पूर्वोत्तर को बताया 'कनेक्टिविटी हब' :

जयशंकर ने इस धारणा को खारिज कर दिया कि भारत के पूर्वोत्तर में समुद्री पहुंच की कमी है। उन्होंने एक प्रमुख कनेक्टिविटी हब के रूप में इस क्षेत्र की उभरती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हमारा पूर्वोत्तर क्षेत्र विशेष रूप से बिम्सटेक के लिए एक कनेक्टिविटी हब के रूप में उभर रहा है, जिसमें सड़कों, रेलवे, जलमार्गों, ग्रिड और पाइपलाइनों का असंख्य नेटवर्क है। उन्होंने कहा कि त्रिपक्षीय राजमार्ग के पूरा होने से पूर्वोत्तर प्रशांत महासागर से जुड़ जाएगा।

यूनुस के बयान पर भारत में तीखी प्रतिक्रियाएं :

यूनुस को दिए गए एक अप्रत्यक्ष जवाब में जयशंकर ने क्षेत्रीय सहयोग के लिए एक साझा दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बिम्सटेक को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा, हम यह भी मानते हैं कि सहयोग एक साझा दृष्टिकोण है, न कि चुनिंदा लोगों के लिए। यूनुस की टिप्पणी पर भारत में तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी हुईं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने टिप्पणियों की निंदा करते हुए उन्हें अपमानजनक बताया। मणिपुर के पूर्व सीएम एन बीरेन सिंह भी पड़ोसी देश की अंतरिम सरकार पर इस क्षेत्र का रणनीतिक मोहरे के रूप में उपयोग करने का आरोप लगाया।

जैकब डफी आईसीसी के टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंचे

2018 के बाद टॉप पर पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के पहले गेंदबाज

खेल डेस्क, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी आईसीसी के टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंच गए हैं। डफी ने पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टी-20I में शानदार प्रदर्शन किया। डफी ने नंबर-1 का ताज वेस्टइंडीज के बाएं हाथ के स्पिनर अकील होसेन को हटा कर हासिल किया है।

उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 2 टी20 मैचों में 5 विकेट झटके थे और अपनी टीम को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई थी।

डफी को चार स्थान का फायदा

डफी ने चार पायदान का छलांग लगाया है। उनके 723 अंक हो गए हैं। वहीं अकील दूसरे स्थान पर हैं। उनके 714 अंक हैं। भारत के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती (706 रेटिंग) को भी एक स्थान का नुकसान हुआ है और अब वह दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं।

ICC टी-20 रैंकिंग बॉलिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	रेटिंग
1	जैकब डफी	न्यूजीलैंड	723
2	अकील हुसैन	वेस्टइंडीज	707
3	वरुण चक्रवर्ती	भारत	706
4	आदिल रशीद	इंग्लैंड	705
5	वानिंदु हसरंगा	श्रीलंकस	700
6	एडम जम्पा	ऑस्ट्रेलिया	694
7	रवि बिश्नोई	भारत	674
8	महीश तीक्षणा	श्रीलंका	666
9	राशिद खान	अफगानिस्तान	664
10	अर्शदीप सिंह	भारत	653

इंग्लैंड के आदिल रशीद, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा भी एक-एक पायदान नीचे लुढ़क गए हैं। रशीद चौथे पर जबकि हसरंगा पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं। जम्पा छठे नंबर चले गए हैं। इसके बाद नंबर-7 से लेकर नंबर-10 के गेंदबाजों की पॉजिशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

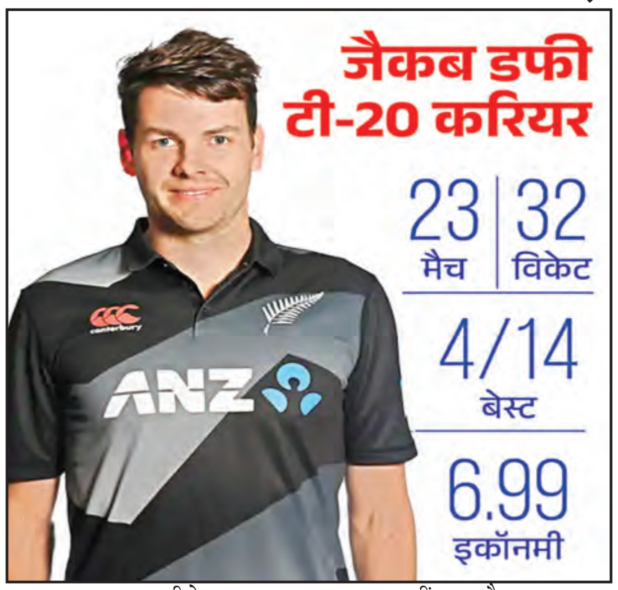

पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज में लिए 13 विकेट

डफी ने पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए पांच टी-20 मैचों की सीरीज में 13 विकेट लिए। जिसमें एक मैच में उन्होंने 14 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं न्यूजीलैंड ने सीरीज को 4-1 से जीता।

ICC टी-20 रैंकिंग बैटिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	रेटिंग
1	ट्रैविस हेड	ऑस्ट्रेलिया	856
2	अभिषेक शर्मा	भारत	829
3	फिल सॉल्ट	इंग्लैंड	815
4	तिलक वर्मा	भारत	804
5	सूर्यकुमार यादव	भारत	739
6	जोस बटलर	इंग्लैंड	735
7	पथुम निसांका	श्रीलंका	714
8	टिम सेफर्ट	न्यूजीलैंड	708
9	बाबर आजम	पाकिस्तान	681
10	कुसल परेरा	श्रीलंका	676

डफी 2018 के बाद टी-20 में टॉप रैंकिंग पर पहुंचने वाले न्यूजीलैंड गेंदबाज बन गए हैं। 2018 में ईश सोढ़ी ने टी-20 में टॉप पर पहुंचे हैं।

2020 में डफी ने टी-20I में किया डेब्यू

डफी 2020 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना टी-20 I डेब्यू किया। उन्होंने अब तक खेले 23 मैचों में 32 विकेट लिए हैं।

टिम सेफर्ट को बल्लेबाजी रैंकिंग में पांच स्थान का फायदा

बल्लेबाजी रैंकिंग में न्यूजीलैंड के बैटर टिम सेफर्ट को पांच स्थान का फायदा मिला है। वह 8वें स्थान पर पहुंच गए है। सेफर्ट ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच मैचों में 62.25 की औसत से कुल 249 रन बनाए। सेफर्ट ने पांचवें टी-20 में 129 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 97*रन की पारी भी खेली।

ऑरेंज कैप के पीछे पड़े 5 स्टार, 3 विदेशी प्लेयर्स दिखा रहे जलवा

मुंबई, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 बहुत ही शानदार अंदाज में खेला जा रहा है. फैंस को रोज ही रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं. जानिए 14 मैचों के बाद ऑरेंज कैप की रेस में कौन से खिलाड़ी शामिल हैं.

इन दिनों आईपीएल 2025 की धूम है. 10 टीमें एक खिताब के लिए भिड़ रही हैं. अब तक हुए मैचों में कई खिलाड़ियों ने बल्ले से कमाल किया है. 5 ऐसे खिलाड़ी हैं, जो ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं. 2 मार्च को आरसीबी के खिलाफ 49 रन बनाने वाले साई सुदर्शन दूसरे नंबर पर आ चुके हैं. 14 मैचों के बाद यह कैप लखनऊ सुपर जायंट्स के विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन के हाथों में है. आइए जानते हैं कौन-कौन से खिलाड़ी इस कैप को हासिल करना चाहते हैं.

आईपीएल के मौजूदा सीजन में साई सुदर्शन, जोस बटलर, श्रेयस अय्यर और निकोलस पूरन अपनी-अपनी टीमों के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. यही खिलाड़ी ऑरेंज कैप की रेस में शामिल हैं. पूरन नंबर 1 के साथ इस पर कब्जा जमाए हुए हैं. उन्होंने 3 मैचों में 189 रन बनाए हैं. पूरन इस सीजन लखनऊ के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं. पहले दो मैचों में उन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 13 छक्कों की बारिश की थी.

आईपीएल 2025 में निकोलस पूरन के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने की लिस्ट में गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन मौजूद हैं, जो अब तक 3 मैचों में 186 रन बना चुके हैं. वो पहले नंबर पर आने से सिर्फ 3 रन दूर हैं. अगर मैच में पूरन फेल रहे और साई का बल्ला चला तो फिर पूरन की बादशाहत खत्म हो जाएगी.

क्या है ऑरेंज कैप

ऑरेंज कैप आईपीएल का एक अवॉर्ड है. हर सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज को यह दी जाती है. सीजन के दौरान जो भी बल्लेबाज टॉप रन स्कोरर होता है वो ऑरेंज कैप पहनकर मैदान पर उतरता है. यह इस लीग के सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तिगत उपलब्धियों में से एक है, जिसे हासिल करने के लिए बल्लेबाजों के बीच रन बनाने की होड़ जारी रहती है.

हरियाणा के कबड्डी प्लेयर को 22 लाख मिले

ऑक्शन से पहले ही कॉन्ट्रैक्ट साइन किया

दीपक हुड्डा को ट्रेंड करने वाले कोच ने निखारा

चंडीगढ़, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के झज्जर के कबड्डी प्लेयर पुनीत कादियान बंगाल वॉरियर्स के लिए खेलेंगे। पुनीत कादियान को बंगाल की टीम ने 22 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा है। पुनीत कादियान का बंगाल वॉरियर्स के साथ 2 साल का कॉन्ट्रैक्ट होगा। पुनित वह प्रो-कबड्डी लीग में बंगाल वॉरियर्स की टीम से रेडर के तौर पर खेलेंगे। पुनीत के कोच वही हैं, जिन्होंने इंडियन कबड्डी टीम के पूर्व कैप्टन दीपक हुड्डा को ट्रेंड किया था।

कोच जगमाल नरवाल बताते हैं कि पुनीत लेफ्टी है। यानी वह ज्यादातर काम बाएं हाथ से करता है। आम तौर पर कबड्डी प्लेयर का लेफ्ट कॉर्नर कमजोर रहता है। चूंकि, पुनीत लेफ्ट में स्ट्रॉन्ग था तो इस वजह से वह रेडर के तौर पर मजबूत निकला।

पुनीत झज्जर जिले के गांव दूबलधन का रहने वाले हैं। उनके पिता नसीब कादियान खेतीबाड़ी करते हैं, जबकि मां पूनम देवी हाउस वाइफ हैं। पुनीत का जन्म 10 मई 2006 को हुआ।

वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं। पुनीत ने 6वीं कक्षा तक की पढ़ाई गांव में ही रहकर की। इसके बाद 7वीं से 12वीं तक की पढ़ाई मामा के पास सोनीपत में पूरी की। इस वक्त वह पंजाब के तलवंडी साबो की गुरु कांशी यूनिवर्सिटी से बीए फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रहे हैं। पुनीत दिन में 8 घंटे कबड्डी की प्रैक्टिस करते थे।

आईपीएल 2025 में हर तरफ छाया 'साई' का नाम

बैटिंग-बॉलिंग सब में दिखा रहे कमाल

मुंबई, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के रोमांच का मीटर ऑन है. गेम ऑन है. और, इस गेम जिस तरह से साई अपना जलवा बिखेर रहे हैं, वो काबिलेतारीफ है. हम यहां एक साई नहीं बल्कि दो-दो साई की बात कर रहे हैं. एक हैं साई सुदर्शन और दूसरे साई किशोर. कमाल की बात ये भी है कि ये दोनों साई IPL 2025 में गुजरात टाइटंस का ही हिस्सा हैं. आईपीएल 2025 में अब तक खेलों मुकाबले में इन दोनों ही साई का नाम गूंजता दिखा है. और, ऐसा संभव हुआ है उनके प्रदर्शन के दम पर. एक ने बैटिंग तो दूसरे ने बॉलिंग में अब तक जो परफॉर्मेन्स दिया है, वो कमाल का तो रहा ही है. साथ ही दोनों की टीमों के लिए लाभकारी भी रहा है.

बल्ले से छाए साई सुदर्शन

सबसे पहले बात करते हैं साई सुदर्शन की. बाएं हाथ का ये

बल्लेबाज आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस का हिस्सा है. अब तक साई सुदर्शन ने टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है. उसी का नतीजा है कि वो आईपीएल 2025 के ऑरेंज कैप की रेस में बने हैं. सीजन के 14वें मैच तक साई सुदर्शन 186 रन के साथ निकोलस पूरन के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. मतलब की भारत का कोई भी बल्लेबाज इस वक्त तक उनसे ज्यादा रन नहीं बना सका है. साई सुदर्शन ने 186 रन 3 मैचों की 3 पारियों में 2 अर्धशतक के साथ बनाए हैं. उनका बेस्ट स्कोर 74 रन का रहा है.

साई सुदर्शन जो काम बल्ले से कर रहे हैं, कुछ वैसा ही खेल साई किशोर IPL 2025 में गेंद से दिखा रहे हैं. यही वजह है कि वो सीजन के पर्पल कैप की रेस में बने हैं. जैसे साई सुदर्शन आईपीएल 2025 में खेले 14वें मैच तक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय हैं, ठीक वैसे ही साई किशोर ने भारत की ओर से अब तक सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं.

साई किशोर ने अब तक खेले 3 मैचों की 3 पारियों में 6 विकेट झटके हैं. विकेटों की इस संख्या के साथ वो आईपीएल 2025 में अब तक सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों के बीच चौथे नंबर पर हैं. वहीं भारतीयों में सबसे आगे है.

गुवाहाटी को पहली बार टेस्ट क्रिकेट की मेजबानी

दिसंबर में साउथ अफ्रीका और भारत का मुकाबला; वेस्टइंडीज से भी भिड़ेगी टीम इंडिया

गुवाहाटी, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। टीम इंडिया की मेंस टीम अक्टूबर से दिसंबर के बीच वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका से सीरीज खेलेगी। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम को पहली बार टेस्ट की मेजबानी मिली। यहां साउथ अफ्रीका से भारत का मुकाबला होगा। इस दौरान मोहाली के मुल्लांपुर में बने स्टेडियम में पहली बार कोई मेंस इंटरनेशनल मैच भी खेला जाएगा।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच 2 टेस्ट की सीरीज अक्टूबर में होगी। जबकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज नवंबर-दिसंबर में खेलेगी। इस बीच टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया जाकर 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज भी खेलेगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद और कोलकाता में 2 टेस्ट

टीम इंडिया का होम सीजन वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज से शुरू होगा। 2 अक्टूबर से दोनों टीमों के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पहला टेस्ट खेला जाएगा। 10 अक्टूबर से फिर कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में दूसरा टेस्ट शुरू होगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा हैं। इसके बाद टीम इंडिया 19 से 25 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया में 3 वनडे की सीरीज खेलेगी। फिर 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया में 5 टी-20 की सीरीज भी होगी।

साउथ अफ्रीका से पहला टेस्ट नई दिल्ली में

ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद

टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीनों फॉर्मेट की सीरीज खेलनी है। 18 नवंबर से नई दिल्ली में पहला टेस्ट और 26 नवंबर से गुवाहाटी में दूसरा टेस्ट शुरू होगा। बरसापारा स्टेडियम में पहली बार रेड बॉल से इंटरनेशनल मैच होगा। इससे पहले यहां वनडे और टी-20 के 12 इंटरनेशनल मैच खेले जा चुके हैं।

30 नवंबर से 6 दिसंबर तक दोनों टीमों के बीच 3 वनडे होंगे। इनकी मेजबानी रांची, रायपुर और वाइजैग को मिली है। 9 से 19 दिसंबर तक दोनों टीमें 5 टी-20 खेलेंगी। इनकी मेजबानी कटक, मुल्लांपुर, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद को मिली है।

मुल्लांपुर में पहली बार मेंस इंटरनेशनल मैच

मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम को पहली बार किसी मेंस इंटरनेशनल मैच की मेजबानी मिली। यहां इसी साल विमेंस वर्ल्ड कप का फाइनल खेला जाएगा। वर्ल्ड कप के बाद स्टेडियम में मेंस टी-20 होगा। मुल्लांपुर में अब तक घरेलू मुकाबले ही खेले गए, यह आईपीएल में पंजाब किंग्स टीम का होमग्राउंड भी है।

आईपीएल के बाद इंग्लैंड जाएगी टीम इंडिया

25 मई को आईपीएल खत्म होगा। इसके बाद 20 जून से टीम इंडिया को इंग्लैंड में 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। सीरीज 4 अगस्त तक चलेगी। 5 मुकाबले लीड्स, बर्मिंघम, लॉर्ड्स, मैनचेस्टर और द ओवल के मैदानों पर खेले जाएंगे।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने इसी सप्ताह बताया कि बोर्ड पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने वाला है। भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज को पटौदी ट्रॉफी कहा जाता है। 2007 में इसकी शुरुआत हुई थी, लेकिन 2025 में ट्रॉफी का नाम बदल दिया जाएगा। नया नाम क्या होगा, यह अब तक तय नहीं हुआ।

आसान नहीं है लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए आगे की राह, जुड़ेंगे आकाशदीप

लखनऊ, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स से मिली आठ विकेट से शर्मनाक हार से लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए आगे की राह मुश्किल दिखने लगी है। चार अप्रैल को होने वाले अगले मुकाबले में टीम को पावर हिटर्स से भरी मुंबई इंडियंस की टीम से सामना करना है और जबकि गेंदबाजी ही मेजबान टीम की सबसे कमजोर कड़ी हैं। इसके अलावा आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी 27 करोड़ी ऋषभ पंत के खराब प्रदर्शन के चलते सोशल मीडिया में निशाने पर आ गए हैं। इस मुश्किल घड़ी से उबरने के लिए सुपरजायंट्स को मुंबई के खिलाफ न सिर्फ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी बल्कि कप्तान पंत को भी अपने बल्ले से आलोचकों को जवाब देना होगा। अभी तक टीम के तीन मुकाबलों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन को आधार माना जाए तो ऑरेंज कैपधारी निकोलस पूरन ने एक छोर पर टिककर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 219.86 की स्ट्राइक रेट 189 रन बनाए हैं, जबकि गेंदबाजी में शार्दुल ठाकुर ने छह विकेट अपनी झोली में डाले। इन दोनों के अलावा मिचेल मार्श (तीन मैच में 124 रन) और युवा लेग स्पिनर दिग्वेश राठी (तीन मैच

में पांच विकेट) प्रभावी दिखे हैं। टीम के कप्तान ऋषभ पंत के लिए मौजूदा आईपीएल बुरे सपने की तरह साबित हो रहा है। तीन मैच में 17 रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज के आउट होने के गैरजिम्मेदाराना ढंग को लेकर प्रशंसकों में खासी नाराजगी देखी गई है। सोशल मीडिया में पंत को लेकर तमाम मीम्स बनाए जा रहे हैं कि 27 करोड़ के खिलाड़ी ने एलसीजी को तगड़ा चूना लगा दिया। टीम के पहले दो सत्रों में विश्वसनीय खिलाड़ी रहे लेग स्पिनर रवि बिश्नोई अभी तक रंग में नहीं दिखे हैं। तीन मैचों में 12.54 की इकोनॉमी रेट से रन लुटाने वाले इस खिलाड़ी की झोली में महज तीन विकेट आए हैं, जो उनके आउट ऑफ फॉर्म में होने की कहानी बयां कर रहा है।

भारत दूसरे संयुक्त राष्ट्र खेलों का सह आयोजक

योग और शतरंज में करेगा अगुआई

नई दिल्ली, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत खेलों के माध्यम से कूटनीति और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे दूसरे संयुक्त राष्ट्र खेलों का सह आयोजक है जिसमें वह योग और शतरंज जैसे खेलों में अगुवाई करेगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथनेनी हरीश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'दूसरे संयुक्त राष्ट्र खेलों के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। सह आयोजक के रूप में, भारत शतरंज और योग में अग्रणी भूमिका निभाएगा।'

हरीश ने कह कि संयुक्त राष्ट्र खेल एकता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना का उत्सव है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि अगली बार इन खेलों में क्रिकेट को भी शामिल किया जाएगा मैं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देता हूं। भारतीय टीम को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं।' संयुक्त राष्ट्र खेल अप्रैल-मई 2025 में आयोजित किए जाएंगे। योग नौ अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में नॉर्थ लॉन के रोज़ गार्डन में, जबकि शतरंज भी उसी दिन नॉर्थ लॉन के ओलंपिक कॉर्नर में आयोजित किया जाएगा। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जून, 2023 को नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशाल नॉर्थ लॉन में एक ऐतिहासिक योग सत्र का नेतृत्व किया था। हरीश ने कहा कि हालांकि हर कोई सक्रिय खिलाड़ी नहीं हो सकता है, लेकिन राजनयिक समुदाय के अधिकतर सदस्य उत्साही प्रशंसक हैं। लोग अलग-अलग टीमों के समर्थक हो सकते हैं, लेकिन खेल उन्हें एकजुट करते हैं।

उन्होंने कहा कि एक अरब से अधिक भारतीयों की तरह वह भी क्रिकेट प्रेमी हैं और उम्मीद जताई के अगली बार संयुक्त राष्ट्र खेलों में क्रिकेट भी शामिल होगा। हरीश ने कहा कि योग और शतरंज में आगे बढ़ना भारत के लिए सौभाग्य की बात है, जैसा कि पिछले साल हुआ था। उन्होंने कहा, '2014 में रिकॉर्ड संख्या में सदस्य देशों के सह-प्रायोजन के साथ 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अपनाने के बाद से, योग दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए जीवन का एक तरीका बन गया है।'

हरीश ने कहा, 'जहां तक शतरंज का सवाल है तो भारत ने सदियों पहले इस खेल को अपना दिया था। वर्तमान समय में शतरंज की दुनिया में भारत के युवा खिलाड़ियों का दबदबा है जो रिकॉर्ड तोड़कर और वैश्विक चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच रहे हैं।' पिछले साल भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश विश्व शतरंज चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को हराकर 18 साल में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बने थे। भारतीय दूत ने विश्वास जताया कि मित्रता और सौहार्द की भावना क्षेत्र के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए पेशेवर और कार्यात्मक आचरण में भी दिखाई देगी। संयुक्त राष्ट्र खेल सितंबर 2024 के संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र खेल और खेल के माध्यम से शांति और बेहतर दुनिया को बढ़ावा देने वाले अन्य प्रस्तावों पर आधारित हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा, 'उद्घाटन संस्करण की तरह संयुक्त राष्ट्र खेल 2025 खेलों के माध्यम से सौहार्द, कूटनीति और सहयोग को बढ़ावा देना जारी रखेंगे।' संयुक्त राष्ट्र खेल 2025 का उद्घाटन समारोह संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित किया गया। इन खेलों में फुटबॉल, बास्केटबॉल, पिकलबॉल, वॉलीबॉल, टेनिस, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, योग, शतरंज और दौड़ शामिल हैं। तुर्कमेनिस्तान संयुक्त राष्ट्र खेल आयोजन समिति का अध्यक्ष है।

एटलेटिको को हराकर बार्सिलोना फाइनल में

मैड्रिड, 3 अप्रैल (एजेंसियां)। स्पेन के दिग्गज फुटबॉल क्लब बार्सिलोना ने एटलेटिको मैड्रिड को कोपा डेल रे टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के दूसरे लेग में 1-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में अब उसका सामना अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड से होगा। बार्सिलोना की तरफ से फेरान टोरेस ने पहले हाफ में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले इन दोनों टीमों के बीच फरवरी में खेला गया सेमीफाइनल के पहले लेग का खेल 4-4 से बराबर रहा था। इस तरह से बार्सिलोना ने कुल मिलाकर 5-4 से जीत दर्ज करके फाइनल में जगह बनाई। यह पिछले चार सत्र में पहला अवसर है जब बार्सिलोना इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। रियल मैड्रिड ने मंगलवार को अतिरिक्त समय तक चले मैच में रियल सोसिदाद को 5-4 के कुल स्कोर से पराजित करके फाइनल में जगह बनाई थी। इन दोनों टीमों के बीच 2013-14 सत्र के बाद पहली बार फाइनल खेला जाएगा। तब रियल मैड्रिड ने खिताब जीता था।

श्री रामनवमी शोभा यात्रा में होगी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था : सीवी आनंद

> सभी विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्री रामनवमी शोभा यात्रा के अवसर पर आज सीताराम बाग स्थित एक गार्डन में सभी विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हैदराबाद के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने की। इस अवसर पर बोलते हुए हैदराबाद के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने कहा कि श्री रामनवमी शोभा यात्रा 2010 में शुरू हुई थी और इसने कम समय में ही पूरे देश में प्रसिद्धि प्राप्त कर ली है।

श्री रामनवमी शोभा यात्रा सीताराम बाग से हनुमान व्यायामशाला तक जाती है। हैदराबाद सिटी पुलिस की ओर से हम किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए शुरू से अंत तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों और उत्सव के आयोजकों को शोभा यात्रा के शांतिपूर्ण संचालन के लिए पुलिस का सहयोग करना चाहिए। उन्होंने अनुरोध किया कि दोपहर 1 बजे तक शोभा यात्रा शुरू करने की व्यवस्था की जाए। पिछले अनुभवों को ध्यान में रखते हुए तथा यह देखते हुए कि शोभा यात्रा मार्ग काफी संकरे हैं, जिससे बड़े वाहनों का गुजरना मुश्किल हो जाता है, उत्सव समिति के सदस्यों को पहले से ही वाहनों के साथ ट्रायल रन की व्यवस्था करने को कहा गया। चूंकि पुलिस विभाग ड्रोन की मदद से सुरक्षा की निगरानी कर रहा है, इसलिए यह सुझाव दिया गया कि ड्रोन का उपयोग करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को पहले से स्थानीय पुलिस से अनुमति लेनी चाहिए। अन्यथा, यह शोभा यात्रा आयोजकों और पुलिस दोनों के लिए समस्या पैदा करेगा। यह पता चला है कि डीजे साउंड सिस्टम के उपयोग के कारण लोगों को हृदय संबंधी समस्याएं और सुनने की समस्या हो रही है।

इसलिए सभी के कल्याण के लिए डीजे के बजाय सामान्य साउंड सिस्टम का उपयोग करना उचित है। उन्होंने आयोजकों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि शोभा यात्रा के दौरान दूसरे समुदायों को बदनाम करने वाले गीत या भाषण न हों। शोभा यात्रा की निगरानी के लिए आईसीसीसी भवन में एक संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा। उन्होंने सभी सरकारी विभागों से यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कहा कि शोभा यात्रा बिना किसी समस्या के सफलतापूर्वक समाप्त हो। उन्होंने कहा कि शोभा यात्रा मार्ग के सभी प्रमुख चौराहों और समस्याग्रस्त क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी, साथ ही सीसीटीवी कैमरों के जरिए लगातार निगरानी की जाएगी। उन्होंने आयोजकों और लोगों से कहा कि वे शोभा यात्रा के दौरान नियमों का पालन करें और त्योहार को भक्ति के साथ मनाएं। शोभा यात्रा के आयोजकों को मूर्तियों की ऊंचाई के संबंध में उचित सावधानी बरतनी चाहिए। हैदराबाद सिटी पुलिस और विशेष पुलिस के सभी विभाग श्रीराम नवमी शोभा यात्रा के लिए 20,000 पुलिस कर्मियों के साथ सुरक्षा प्रदान करने की तैयारी कर रहे हैं। हमने शी टीम और सीसीएस पुलिस के साथ अपराधियों की गतिविधियों पर पूर्ण निगरानी स्थापित की है। उन्होंने सुझाव दिया कि हैदराबाद जोनल पुलिस अधिकारी और अन्य विभागीय अधिकारी सूचना साझा करने की सुविधा के लिए अपने कर्मचारियों के साथ व्हाट्सएप ग्रुप बनाएं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद शहर में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए निवारक उपाय किए गए हैं। जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त ने कहा कि श्रीराम नवमी शोभा यात्रा के लिए सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सड़क की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट और अन्य सुविधाओं के लिए सभी अधिकारियों को आदेश जारी किए गए हैं और हमारे अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि भक्तों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। समन्वय बैठक के बाद, सीवी आनंद, डीजी पुलिस कमिश्नर हैदराबाद, जीएचएमसी अतिरिक्त आयुक्त, भाग्यनगर श्री रामनवमी उत्सव समिति के सदस्य, और आर एंड बी, बिजली, अग्निशमन, 108 सेवा, आरटीसी, जल आपूर्ति, परिवहन, और अन्य विभागों के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से 6 तारीख को निर्धारित श्री रामनवमी शोभा यात्रा के मुख्य जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया। जुलूस मंगल हॉट से शुरू होकर पुरानापूल गांधी प्रतिमा, जुम्मेरात बाजार, सिद्दी अंबर बाजार, अफजल गंज, गौलीगुड़ा, कोटि आंध्र बैंक चौरास्ता से होते हुए हनुमान व्यायामशाला मैदान में समाप्त होगा।

कार्यक्रम में विक्रम सिंह मान अतिरिक्त सीपी कानून और व्यवस्था. जोएल डेविस (संयुक्त सीपी यातायात), जी चंद्र मोहन (डीसीपी दक्षिण पश्चिम क्षेत्र), बी बालास्वामी भगवंत राव (सचिव, भाग्यनगर उत्सव समिति), श्री कृष्णा (आयोजक), गोविंद रातके (महासचिव भाग्यनगर उत्सव समिति), आनंद सिंह (आयोजक), वेंकन्ना (डीएफओ), अमरेंदर रेड्डी (जल कार्य), चैतन्य कुमार (डीसीपी एसबी), श्रीमती स्नेहा मेहरा (डीसीपी साउथ जोन) और अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

हैदराबाद विश्वविद्यालय के पास पेड़ों की कटाई पर रोक लागू रहेगी, सुप्रीम कोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तेलंगाना उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार को निर्देश दिया है कि वे कांचा गाच्चीबाउली जंगल में, जहां पेड़ काटे जा रहे हैं, उस जगह का दौरा करें और अपनी रिपोर्ट पेश करें। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ही रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

हैदराबाद में हैदराबाद विश्वविद्यालय के पास 400 एकड़ जमीन को राज्य सरकार कथित तौर पर विकसित कर रही है। इसके लिए बड़े पैमाने पर पेड़ काटे जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के छात्र इसे लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बीते दिनों 3 अप्रैल तक पेड़ों की कटाई पर रोक लगा दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश दिया :

गुरुवार को यह मामला सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के समक्ष आया। पीठ ने अपने निर्देश में कहा कि हम तेलंगाना उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार (न्यायिक) को निर्देश देते हैं कि वे कांचा गाच्चीबाउली जंगल में संबंधित जगह का दौरा करें, जहां पेड़ काटे जा रहे हैं और आज शाम 3.30 बजे तक अपनी अंतरिम रिपोर्ट पेश करें। पीठ ने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार (न्यायिक) को तेलंगाना उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार से संपर्क करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के मुख्य सचिव को भी निर्देश दिया है कि अगले आदेश तक कांचा गाच्चीबाउली जंगल में कोई पेड़ नहीं काटा जाए। अब सुप्रीम कोर्ट आज शाम 3.45 बजे इस मामले पर सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वे तेलंगाना उच्च न्यायालय की सुनवाई पर कोई रोक नहीं लगा रहे हैं। उच्च न्यायालय इस मामले पर आज सुनवाई करेगा।

क्या है पूरा मामला :

जिस 400 एकड़ जमीन से पेड़ों को काटा जा रहा है, वह राज्य सरकार की है और सरकार ने इसे तेलंगाना इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉपरेशन को आवंटित की है। तेलंगाना इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉपरेशन ने इस जमीन पर विकास के लिए बीती 30 मार्च से पेड़ों की कटाई शुरू की। जिसका हैदराबाद यूनिवर्सिटी के छात्रों और पर्यावरणविदों ने विरोध शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इससे वन संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन हो रहा है। हालांकि राज्य सरकार का कहना है कि यह जमीन उसकी है न कि विश्वविद्यालय प्रशासन की। सरकार कानून के उल्लंघन से भी इनकार कर रही है। इसे लेकर हैदराबाद विश्वविद्यालय में बीती 1 अप्रैल से विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और इससे शैक्षणिक सत्र का नुकसान हो रहा है।

एचसीयू में छात्रों पर लाठीचार्ज नहीं : डीसीपी

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने दावा किया है कि बीते दो अप्रैल को एचसीयू में छात्रों पर लाठीचार्ज नहीं किया गया था। डीसीपी माधापुर, साइबराबाद ने बताया कि छात्रों पर कोई लाठीचार्ज नहीं किया गया था। प्रदर्शनकारी छात्रों के समूह में कुछ लोगों ने ड्यूटी पर मौजूद पुरुष और महिला पुलिसकर्मियों को धक्का दिया और रस्सी छीनने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि रस्सी वापस पाने और पुलिस को धक्का देने की कोशिश कर रहे लोगों को भगाने के लिए न्यूनतम बल का प्रयोग करना पड़ा, जो उपलब्ध वीडियो से बहुत स्पष्ट है।

सीएम ने भारी बारिश वाले क्षेत्रों में सतर्क रहने का आदेश दिया

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को हैदराबाद शहर में भारी बारिश वाले क्षेत्रों में सतर्क रहने का आदेश दिया है। जनता को किसी भी असुविधा के बिना उचित उपाय करने की सलाह दी जाती है। भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण राजधानी हैदराबाद के निचले इलाकों में पानी भर गया है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सभी विभागों के अधिकारियों को सतर्क रहने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने सीएस को समय-समय पर स्थिति की समीक्षा करने का निर्देश दिया। निचले इलाकों में लोगों को किसी भी असुविधा से बचने के लिए उचित सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। मुख्यमंत्री ने आदेश दिया कि सड़कों पर जल भंडारण के बिना यातायात समस्याओं और बिजली कटौती से बचने के लिए जीएचएमसी, पुलिस, हाइड्रा और अन्य विभागों को समन्वय में काम करना चाहिए। उन्होंने जिन इलाकों में बिजली आपूर्ति बंद है, वहां तत्काल समस्या का समाधान कर बिजली आपूर्ति बहाल करने का निर्देश दिया। निचले इलाकों में पानी से घिरी कॉलोनियों में लोगों के लिए जरूरी राहत उपाय करने का सुझाव दिया गया है। पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जल्द से जल्द ट्रैफिक की समस्या को दूर किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि गाड़ियां उनके घरों तक जल्दी पहुंचें। विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सहायक गतिविधियों में भाग लेने का आदेश दिया गया है। जिलों में भी बारिश, तूफान और ओलावृष्टि को लेकर जिला कलेक्टरों, पुलिस अधिकारियों और सभी विभागों के अधिकारियों को अलर्ट रहने का आदेश दिया गया है।

सोडेक्सो की केंद्रीय उत्पादन इकाई में खाद्य सुरक्षा उल्लंघन की पड़ताल

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य सुरक्षा आयुक्त की टीम द्वारा सोडेक्सो इंडिया सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, हिटेक सिटी, कोंडापुर की केंद्रीय उत्पादन इकाई में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत कई खाद्य सुरक्षा उल्लंघनों की सूचना दी गई है। सोडेक्सो इंडिया सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की केंद्रीय उत्पादन इकाई में खाद्य सुरक्षा टीमों ने बताया कि रिसेप्शन क्षेत्र में कच्चे माल पर मक्खियों का आक्रमण है, रसोई में खाद्य सामग्री खुली पड़ी हुई थी, पैक किए गए कच्चे मांस से खून चिलर रूम में टपक रहा था और रसोई की नालियों में कई स्थानों पर खाद्य अपशिष्ट जमा हो गया था।

16 किलोग्राम वजन वाले पनीर के पैकेटों पर पैकिंग की उचित तारीख अंकित नहीं थी, जिन्हें जब्त कर लिया गया।

निरीक्षण दलों द्वारा पाए गए कुछ अन्य खाद्य सुरक्षा उल्लंघनों में शामिल हैं- कोल्ड स्टोरेज में फर्श पर प्लास्टिक ट्रे में रखे गए खाद्य पदार्थ, रसोईघर और पीसने वाले क्षेत्र में कुछ स्थानों पर फर्श पर दरारें पाई गईं, पीसने वाले क्षेत्र में खाद्य अपशिष्ट के कारण फर्श गीला था और सफाई सुनिश्चित करने के लिए दीवार और भंडारण रैक के बीच कोई उचित अंतराल नहीं छोड़ा गया था।

विधायक ने की सिंचाई नहरों का निर्माण पूरा करने की मांग

सिद्दीपेट, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दुब्बाक विधायक कोठा प्रभाकर रेड्डी ने धमकी दी कि जब तक सरकार दुब्बाक निर्वाचन क्षेत्र में सभी सिंचाई नहरों का निर्माण पूरा नहीं कर लेती, तब तक वह मल्लन्ना सागर से हैदराबाद तक गोदावरी का पानी ले जाने में सरकार को बाधा पहुंचाएंगे। प्रभाकर रेड्डी, जिन्होंने गुरुवार को दुब्बाक मंडल के पेड्डा गुंडावेल्ली गांव में लंबित नहरों का निरीक्षण किया, ने कहा कि दुब्बाक के लोगों ने परियोजना और नहरों के तहत अपनी जमीन खो दी है, जबकि राज्य के अन्य हिस्सों के लोग इससे लाभान्वित हो रहे हैं। रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार वितरक नहरें भी नहीं खोद सकी, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में बीआरएस सरकार ने परियोजना का निर्माण किया और थोड़े समय में ही मुख्य नहरें खोद दीं। दुब्बाक विधायक ने कहा कि सरकार येल्लारेड्डीपेट लिफ्ट सिंचाई परियोजना में देरी कर रही है, जो कि ऊपरी इलाकों में स्थित पेड्डा गुंडावेल्ली और पड़ोसी गांवों को सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति करने के लिए प्रस्तावित थी। उन्होंने कांग्रेस पर किसानों के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बीआरएस एक आंदोलन चलाएगी, जिससे सरकार को क्षेत्र के हर कोने में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

केसीआर ने बीआरएस के रजत जयंती गीत का अनावरण किया

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। लेखक, गायक और पूर्व विधायक रसमयी बालकिशन द्वारा रचित और गाया गया बीआरएस रजत जयंती गीत "बंडेनाका बंडी कट्टी - रोसयाला जेंडा पट्टी" का गुरुवार को पार्टी प्रमुख केसीआर ने अपने एर्रावली निवास पर अनावरण किया। इस अवसर पर पार्टी नेता केसीआर ने रसमयी को तब से लेकर आज तक बीआरएस की प्रबलता का उल्लेख करते हुए रजत जयंती के अवसर पर गीत और कला रूप बनाने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर के साथ संयुक्त करीमनगर और आदिलाबाद जिले के विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक और अन्य नेता शामिल हुए।

हरीश ने कलवाकुर्ती की जनसभा में मूर्तियों का अनावरण किया, कांग्रेस पर निशाना साधा

हैदराबाद, 3 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव ने नागरकर्नूल जिले के कलवाकुर्ती के मुदविन गांव में एक जरूरतमंद परिवार को नया घर भेंट किया। इसके बाद उन्होंने बोयिन गुट्टा में महात्मा गांधी, डॉ. बीआर अंबेडकर और सेवालाल महाराज की मूर्तियों का अनावरण किया। बीआरएस की जनसभा में उन्होंने केसीआर की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की आलोचना की। हरीश राव ने एक ही दिन गांधी, अंबेडकर और सेवालाल की मूर्तियों का अनावरण करने पर खुशी जताई। गांधी ने शांति के जरिए भारत की आजादी हासिल की।

केसीआर ने तेलंगाना बनाने के लिए लड़ाई लड़ी। अंबेडकर ने संविधान का मसौदा तैयार किया। इससे तेलंगाना का जन्म हुआ। केसीआर ने अंबेडकर को 125 फीट ऊंची मूर्ति लगाकर सम्मानित किया। उन्होंने राज्य सचिवालय का नाम भी उनके नाम पर रखा। सेवालाल महाराज को पहले नजरअंदाज किया जाता था। उन्होंने बंजारा हिल्स में उनके गौरव के लिए बंजारा भवन बनवाया। उन्होंने टांडा को ग्राम पंचायतों में अपग्रेड किया। इससे हमारा टांडा, हमारा शासन पूरा हुआ। केसीआर ने हर घर में नल लगवाए। सभी तक स्वच्छ पानी पहुंचा। महिलाएं अब सड़कों पर बर्तन नहीं ले जातीं। केसीआर ने कई मुद्दों को संबोधित किया। इसके बाद हरीश राव कांग्रेस की ओर मुड़े। उन्होंने बड़े-बड़े वादे किए। उन्होंने लोगों को धोखा दिया। रेवंत रेड्डी ने डेढ़ साल तक शासन किया है। प्रगति अधूरी है। कोई भी योजना पूरी तरह से सक्रिय नहीं है। लाभ जनता तक नहीं पहुंचता। वह विधानसभा के बाहर झूठ बोलते हैं। वह उन्हें अंदर दोहराते हैं। किसानों ने कर्ज माफी के बारे में पूछा। रेवंत ने भगवान की कसम खाई। उन्होंने उसे पूरा नहीं किया। गंदी मैसम्मा उन्हें उन टूटी हुई कसमों से नहीं बचा सकीं। आपकी ईमानदारी कहां है? आप पलामुरु के बेटे हैं। आपकी ताकत कहां है? उन्होंने बरसात के मौसम में रैतु से 8,000 करोड़ रुपये रोक लिए। उन्होंने सूखे के मौसम में 4,000 करोड़ रुपये लिए। उन्होंने इन सभी को मिलाकर कर्ज माफी का दावा किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.